जबलपुर
रविवार, 14 दिसंबर 2025
- पौष मास कृष्ण पक्ष-10
- वर्ष : 20, अंक : 225
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 26
न्यून. 9

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

विक्रमादित्य द्वार निर्माण के भूमिपूजन समारोह में सीएम ने कहा-मृत्यु भोज व शादी में पैसा फालतू खर्च न करें

सीएम का ऐलान फंदा का नाम अब हरिहर नगर होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को क्षेत्रीय मांग पर ग्राम फंदा का नाम बदलकर हरिहर नगर करने की घोषणा की। वे प्रदेश के विकास और सेवा के दो वर्ष पूरे होने पर भोपाल-सीहोर मार्ग पर हुजूर विधानसभा क्षेत्र के फंदा स्थित महाराणा प्रताप शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का लाड़ली बहनों एवं विभिन्न योजना के हितग्राहियों ने स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि इस्लाम नगर का जगदीशपुर, हबीबगंज रेलवे का नाम रानी कमलापति पूर्व में बदला जा चुका है।

दिखावे से बचें और संकल्प लें कि पैसा बच्चों को पढ़ाने लिखाने में खर्च करेंगे

आईएएस अवार्ड पाने के लिए फर्जी दस्तावेज लगाए थे, हाल में विवादित बयान भी दिए थे

राज्य सरकार संतोष वर्मा से वापस ले सकती है आईएएस अवार्ड...डीओपीटी को लिखा पत्र

मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ ने 10 दिन के लिए आंदोलन वापस लिया

अजाक्स ने वर्मा के खिलाफ कार्रवाई होने पर प्रदेश व्यापी आंदोलन की चेतावनी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

फर्जी दस्तावेजों के जरिए राज्य प्रशासनिक सेवा (एसएएस) से आईएएस बने संतोष वर्मा (अजाक्स अध्यक्ष) से आईएएस अवार्ड वापस लेने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य शासन ने विभागीय जांच के लिए फर्जी दस्तावेज लगाने को काफी गंभीरता से लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग (कार्मिक) ने केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को पत्र लिखकर आईएएस अवार्ड वापस लेने को कहा है। मप्र सरकार के पत्र पर जल्दी ही निर्णय लिए जाने के आसार हैं। मंत्रालय में उप सचिव कृषि के पद पर पदस्थ आईएएस वर्मा पिछले दिनों बयानों को लेकर चर्चाओं में आए थे।

संतोष वर्मा

जज के फर्जी दस्तखत कर दस्तावेज जमा कराया था

पिछले वर्ष ही आईएएस अवार्ड के लिए वर्मा ने विभागीय जांच समाप्त करने के लिए संबंधित जज के फर्जी दस्तखत कर दस्तावेज जमा कराया था। इस आधार पर उनकी विभागीय जांच समाप्त कर उनको आईएएस अवार्ड के लिए नामित किया गया था। किंतु बाद में कोर्ट ने दस्तावेज को फर्जी साइन के आधार पर बनाने पर एक्शन लिया था। उनके खिलाफ विभागीय जांच फिर से शुरू की जाएगी। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने अपने आंदोलन को सफल बताते हुए प्रसन्नता जाहिर की थी। इसके बाद संघ ने 10 दिनों के लिए अपना आंदोलन वापस ले लिया। उधर, अजाक्स ने वर्मा के खिलाफ कार्रवाई होने की स्थिति में प्रदेश व्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार 1.03 अरब डॉलर बढ़ा

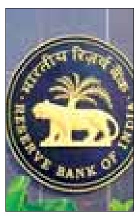

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.03 अरब डॉलर बढ़कर 687.26 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान सोने का भंडार भी 1.188 अरब डॉलर बढ़कर 106.984 अरब डॉलर हो गया। एसडीआर में भी 93 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मासूम को लगेगा 9 करोड़ का इंजेक्शन

इंदौर। इंदौर की एक मासूम बच्ची ऐसी बीमारी से पीड़ित है। जिसके इलाज का इंजेक्शन ही 9 करोड़ रुपए का आ रहा है। ये इंजेक्शन भी अमेरिका से आएगा। इसके लिए परिवार के लोग पैसा जमा करने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। जगह-जगह पोस्टर लगा रहे हैं, ताकि उनकी मदद कर सके और उनकी बच्ची का इलाज हो सके।

बिना टिकट आरक्षक ने टीटीई को पीटा

नर्मदापुरम। बिना टिकट यात्रा कर रहे एक आरक्षक ने डीप्टी टीटीई को पीट पीटकर लहुलुहान कर दिया। बलिया से मुंबई जा रही 11072 कामायनी एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में विवाद मारपीट तक पहुंच गया। घायल डिप्टी टीटीई और आरक्षक को नर्मदापुरम स्टेशन पर उतारकर टीटीई को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके चेहरे पर चोटें आईं।

केरल निकाय चुनाव: तिरुवनंतपुरम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, पीएम बोले-यह वाटरशेड मोमेंट

केरल में खिला 'कमल'

चार दशक पुराना वाम लोकतांत्रिक मोर्चा का किला ढहा

तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्ड में से भाजपा को 50 वार्ड में बंपर जीत

एलडीएफ को 29 और यूडीएफ को 19 वार्ड में जीत मिली

तिरुवनंतपुरम न सिर्फ केरल की प्रशासनिक राजधानी है, बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी बेहद अहम क्षेत्र माना जाता है। इसी लोकसभा सीट से कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर लगातार चार बार सांसद चुने जा चुके हैं।

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली

केरल की राजनीति में बड़ा राजनीतिक भूचाल देखने को मिला है। स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से सत्ता छीन ली है। यह वही निगम है, जिस पर एलडीएफ पिछले चार दशकों से अधिक समय तक लगातार काबिज रहा था। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्ड में से भाजपा को 50 वॉर्ड में बंपर जीत हासिल हुई है। भाजपा निगम में निर्णायक बहुमत से महज एक सीट पीछे है। 45 साल से इस नगर निगम में काबिज एलडीएफ को 29 और यूडीएफ को 19 वॉर्ड में जीत मिली है। दो वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है।

भाजपा ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर के गढ़ में सेंध मार दी

जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई

भाजपा की जीत ने राज्य की राजनीति में नए समीकरणों को जन्म दिया

राजधानी में यह सत्ता परिवर्तन वाम मोर्चे के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। साथ ही, इसे केरल में भाजपा के लिए भविष्य की राजनीति का मजबूत आधार माना जा रहा है। तिरुवनंतपुरम न सिर्फ केरल की प्रशासनिक राजधानी है, बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी बेहद अहम क्षेत्र माना जाता है। इसी लोकसभा सीट से कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर लगातार चार बार सांसद चुने जा चुके हैं, जिससे यह क्षेत्र लंबे समय से कांग्रेस और वाम मोर्चे के प्रभाव वाला माना जाता रहा है।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा

थैंक्यू तिरुवनंतपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहर की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा-थैंक्यू तिरुवनंतपुरम। पीएम मोदी ने इस जनादेश को केरल की राजनीति में एक वाटरशेड मोमेंट करार देते हुए कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा-एनडीए को मिला समर्थन इस बात का संकेत है कि राज्य के लोग मानते हैं कि केरल की विकासात्मक आकांक्षाओं को केवल भाजपा ही पूरा कर सकती है।

14 जिलों में दो चरणों में निकाय चुनाव के लिए हुआ था मतदान

केरल के 14 जिलों में दो चरणों में निकाय चुनाव के लिए मतदान हुआ था। पहले चरण में तिरुवनंतपुरम समेत छह जिलों में मतदान हुआ था। अन्य जिलों में कोल्लम, पथानमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टयम, इडुक्की और एर्नाकुलम शामिल थे। इसमें कुल मतदान प्रतिशत 70.90 रहा। सबसे अधिक मतदान एर्नाकुलम जिले में 73.96 फीसदी हुआ। वहीं सबस कम मतदान पथानमथिट्टा जिले में 66.35 फीसदी हुआ। वहीं, दूसरे और अंतिम चरण में सात अन्य जिलों त्रिशूर, पलक्कड़, कोझिकोड, मलप्पुरम, कन्नूर, वायनाड और कासरगोड में 11 दिसंबर को मतदान हुआ था। दूसरे चरण में 1.53 करोड़ से अधिक मतदाताओं 604 स्थानीय निकायों के 12,931 प्रतिनिधियों के लिए मतदान किया। इनमें ग्राम पंचायत, जिला पंचायत, नगरपालिका और नगर निगम शामिल हैं। इस चरण में कुल 38,994 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। दूसरे चरण के मतदान के लिए 18,274 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इनमें से 2,055 केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया था।

इंटेलीजेंस से मिला इनपुट, वे आईएसआई के निशाने पर

कृषि मंत्री शिवराज सिंह की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई

- पहले से ही जेड प्लस सुरक्षा घेरा
- अब थाना पुलिस कर रही फॉलो

सुरक्षा घेरे में मामा का घर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

इंटेलीजेंस से मिले इनपुट के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की सुरक्षा व्यवस्था में इजाफा किया गया है। वैसे, केंद्रीय मंत्री को जेड प्लस पहले से ही सुरक्षा मिली हुई है। इंटेलीजेंस से मिले इनपुट के बाद उनके भोपाल स्थित बंगले (मामा के घर) बैरिकेडिंग लगाकर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। उनके बंगले पर पांच पुलिसकर्मी बैरिकेडिंग लगाकर आसपास नजर रखे हुए हैं। इसके अलावा टीटी नगर और हबीबगंज पुलिस भी बंगले पर जाकर निगरानी रख रही है।

सीसीटीवी में कैद हुए नकाबपोश 3 बदमाश

बरखेड़ा में एटीएम उखाड़ा... उसे नहीं ले जा पाए तो सड़क पर पटका

- सफेद रंग की कार से आए थे बदमाश
- घटना शनिवार तड़के तीन बजे के आसपास की

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ा पठानी में 3 नकाबपोश बदमाशों ने एसबीआई का एटीएम उखाड़ डाला। एटीएम उखाड़ने के बाद आरोपी उसे उठाकर सड़क पर खड़ी कार तक ले जाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन एटीएम का वजन अधिक होने के कारण आरोपी एटीएम ले जा नहीं सके तो वहीं सड़क पर छोड़कर भाग खड़े हुए। घटना शनिवार तड़के तीन बजे के आसपास की है। पुलिस ने एटीएम का रखरखाव करने वाली जीडी प्राइवेट लिमिटेड के टेक्निशियन किशोर सिंह की शिकायत पर चोरी के प्रयास का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

कैश बॉक्स सुरक्षित, 3 लाख रुपए थे

पुलिस ने कंपनी से एटीएम के सीसीटीवी फुटेज मांगे। फुटेज में तीन बदमाश एटीएम के अंदर घुसते हुए नजर आए। करीब 20 मिनट तक वह एटीएम में तोड़फोड़ कर लेकर जाने का प्रयास करते रहे। एटीएम में तीनों बदमाशों ने हथौड़े और रॉड से तोड़फोड़ की है। बदमाशों ने एटीएम का ऊपर का हिस्सा पूरी तरह से तोड़ दिया था। ऊपर का हिस्सा तोड़ने के बाद वह कैश बॉक्स तक नहीं पहुंच सके। फुटेज में एटीएम के बाहर सफेद रंग की कार भी नजर आई है।

मेसी को देखने उमड़ी भीड़ बेकाबू

साल्ट लेक स्टेडियम में युद्ध जैसे हालात

फुटबॉलर मेसी की झलक नहीं मिली तो कुर्सियां-बोतलें फेंकी

एजेंसी ⏭ कोलकाता

कोलकाता में पॉपुलर फुटबॉलर लियोनल मेसी की एक झलक पाने को बेताब भारी संख्या में मौजूद फैंस ने साल्टलेक स्टेडियम में तोड़फोड़ मचा दी। ऐसे में कार्यक्रम के मुख्य शतद्रु दत्त को पुलिस ने एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। इस बात की जानकारी डीजी राजीव कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- आयोजक गिरफ्तार टिकट के पैसे लौटाएगा

सीएम योगी बने उनके प्रस्तावक

सात बार के सांसद पंकज चौधरी होंगे यूपी के अध्यक्ष

आज पंकज चौधरी के नाम का हो जाएगा ऐलान

एजेंसी ⏭ लखनऊ

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को भाजपा कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया। सीएम आदित्यनाथ योगी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत 10 नेताओं ने चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा। इस दौरान मंत्री सूर्यप्रताप शाही, मंत्री स्वतंत्रदेव, मंत्री दारा सिंह चौहान, मंत्री एके शर्मा, कमलेश पासवान, राज्यमंत्री असीम अरुण मौजूद रहे। वहीं, रविवार को लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में पीयूष गोयल नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान किया जाएगा।

भाजपा दफ्तर तलब की गईं मंत्री बागरी

दी सफाई-भाई के कृत्य से कोई लेना-देना नहीं

जामवाल हितानंद ने की बंद कमरे में चर्चा लगाई फटकार

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने अंततः प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री प्रतिभा बागरी को पार्टी कार्यालय तलब कर लिया। भाई अनिल बागरी के गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार होने के बाद से वे मुश्किल में हैं। प्रदेश भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने उनसे बंद कमरे में लंबी कर फटकार लगाई।

रांची में इंडिगो विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

रनवे से टकराया विमान का पिछला हिस्सा, बाल-बाल बचे सभी यात्री

विमान में उस समय करीब 70 यात्री सवार थे

एजेंसी ⏭ रांची

रांची एयरपोर्ट पर शुक्रवार शाम इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान के साथ लैंडिंग के दौरान हादसा हो गया। अधिकारियों के अनुसार विमान का पिछली हिस्सा (टेल) रनवे से टकरा गया।

हालांकि, विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं आई है। यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे हुई, जब भुवनेश्वर से रांची आ रही इंडिगो की फ्लाइट लैंड कर रही थी। विमान में उस समय करीब 70 यात्री सवार थे। रांची एयरपोर्ट के निदेशक विनोद कुमार ने बताया कि लैंडिंग के दौरान विमान का पिछला हिस्सा रनवे से छू गया, जिससे यात्रियों को एक तेज झटका महसूस हुआ। इसके बाद विमान को तुरंत रोक दिया गया। हादसे के बाद जांच में पाया गया कि विमान उड़ान के लिए तकनीकी रूप से सुरक्षित नहीं है। इसके चलते विमान को ग्राउंडेड कर दिया गया और रांची से भुवनेश्वर जाने वाली अगली फ्लाइट रद्द कर दी गई। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार कुछ यात्रियों ने अपनी यात्रा रद्द कर दी, जबकि कुछ ने अपनी टिकट दूसरी फ्लाइट के लिए रीशेड्यूल कराई।

एयरपोर्ट

इंदौर और हिल स्टेशन पचमढ़ी में भी पारा 6 डिग्री के नीचे रहा

भोपाल में लगातार 7वें दिन शीतलहर, तीन दिन तक कंपकंपाएगी ठंड, 22 जिलों में पारा 10 डिग्री के नीचे

शहडोल का कल्याणपुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा यहां पारा 4.7 डिग्री रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में शनिवार को लगातार सातवें दिन कोल्ड वेव रही। इंदौर और हिल स्टेशन पचमढ़ी में भी पारा 6 डिग्री के नीचे रहा। उत्तरी हवाओं के असर से अभी 22 जिलों में रात का पारा 10 डिग्री से नीचे रहा।

इससे आधे प्रदेश में कड़ाके की सर्दी का दौर अभी जारी है। शेष प्रदेश में रात का पारा 10 डिग्री अथवा आसपास रहेगा। मौसम केंद्र के अनुसार अगले दो से तीन दिन मौसम में ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश में हवाएं उत्तरी हैं। विशेषकर प्रदेश के मध्य हिस्सों में तेज सर्दी का सिलसिला है, जो अगले तीन- चार दिन बना रहेगा।

- *लगातार आ रहे पश्चिमी विक्षोभ लेकिन बारिश अभी दूर*
- *भोपाल में रात का पारा 6.4 डिग्री रहा*

पचमढ़ी के धूपगढ़ का दृश्य, खिली हुई धूप और बादलों का पहरा

यहां 10 डिग्री से कम पारा

बैतूल, दतिया, धार, ग्वालियर, रायसेन, राजगढ़, शिवपुरी, उज्जैन, छिंदवाड़ा, दमोह, खजुराहो, मंडला, जबलपुर, नरसिंहपुर, नौगांव, रीवा, सतना, टीकमगढ़, उमरिया, मलाजखंड में पारा 10 डिग्री से कम रहा है। भोपाल में रात का पारा 6.4 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से 4.5 डिग्री कम है। दिन में पारा 27.5 डिग्री रहा, जो अब नॉर्मल से एक डिग्री अधिक है।

पांच जिले 7 डिग्री तक

शनिवार को शहडोल का कल्याणपुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 4.7 डिग्री रहा, जबकि पांच जिलों में न्यूनतम पारा 6 डिग्री के करीब रहा। इनमें राजगढ़, पचमढ़ी 5.4, इंदौर 5.9, मंदसौर 6 और शाजापुर के गिरवर में रात का पारा 6.4 डिग्री दर्ज किया गया है। इन जिलों में तेज सर्दी महसूस की जा रही है। विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार भोपाल और इंदौर के साथ ही प्रदेश के मध्य हिस्से के कुछ और जिलों में उत्तरी हवाओं के साथ ही करीब 13 किमी की ऊंचाई पर एक जेट स्ट्रीम है, जिसकी गति 176 किमी से अधिक है।

मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों से विकास को गति

- 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों के विकास, औद्योगिक निवेश और रोज़गार वृद्धि तथा बेहतर अधोसंरचना के लिए इंदौर-उज्जैन-देवास-धार को मिलाकर तथा भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा (राजगढ़) से मिलकर बन रहे 2 मेट्रोपॉलिटन शहर
- भविष्य में और क्षेत्र भी बनेंगे मेट्रोपॉलिटन

स्वच्छ हरित शहरों की ओर

- ई-वाहनों को बढ़ावा देने के लिये इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विकास
- इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी में स्मार्ट शहरों और आधुनिक आवासीय परियोजनाओं को स्वीकृति

आधुनिक और सुविधाजनक परिवहन

- इंदौर में मेट्रो सेवा शुरू, भोपाल में जल्द शुरू होगा संचालन
- पीएम ई-बस सेवा अंतर्गत 6 शहरों में 550 से अधिक बस परिवहन
- शीघ्र शुरू होगी आधुनिक और सुलभ मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा

हर शहरी गरीब को आवास की गारंटी

- पीएम आवास योजना (शहरी) अंतर्गत 8.61 लाख से अधिक परिवारों को पक्का आवास। PMAY-U2.0 के लिये 10 लाख नये आवास का लक्ष्य
- इस योजना में बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट में दूसरे स्थान पर मध्यप्रदेश

स्वच्छ भारत मिशन में सबसे आगे

- इंदौर लगातार 8वीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर के सम्मान से पुरस्कृत, अपशिष्ट प्रबंधन के नवाचार में भी सबसे आगे 550 टन प्रतिदिन बायो CNG प्लांट से प्रतिवर्ष 1.30 लाख टन कार्बन डाई-ऑक्साइड उत्सर्जन में कमी
- 361 निकाय ओडीएफ++ प्रमाणित, उपयोगित जल के उपचार की हाईब्रिड कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड, डी-वॉट्स आदि तकनीकों से बदला स्वच्छता का परिदृश्य

हर घर में शुद्ध पेयजल

- अमृत योजना 2.0 अंतर्गत सभी नगरीय निकायों में 224 परियोजनाओं से जल आपूर्ति
- जल जीवन मिशन में 80 लाख+परिवारों को मिला नल कनेक्शन

आजीविका से खुशहाली

- पीएम स्वनिधि योजना में 13.46 लाख शहरी स्ट्रीट वेंडर्स को ₹2078 करोड़ का ब्याज मुक्त ऋण, योजना में देश में प्रथम स्थान पर मध्यप्रदेश
- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में 65 हजार स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 6 लाख परिवार एवं 1.50 लाख से अधिक युवा कौशल प्रशिक्षण और रोज़गार से जुड़े

जल गंगा संवर्धन अभियान, अनूठी पहल

जल गंगा संवर्धन अभियान

- जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 2.30 लाख से अधिक जल दूत पंजीकृत। 83 हजार से अधिक खेत तालाब, 1 लाख से अधिक कुएं रीचार्ज एवं 1 हजार से अधिक अमृत सरोवर बनाए

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

हम अपने शहरों को आत्मनिर्भर निकाय के रूप में विकसित करने और नागरिकों को बेहतर और आधुनिक सेवाएं प्रदान करने वाले शहरों के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।
-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
D-11160/25
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

पीएम नरेंद्र मोदी शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए

संसद पर हमले की 24वीं बरसी

शहीदों को याद कर भावुक हुआ देश पीएम मोदी सहित सांसदों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के नेतृत्व में सांसदों ने शनिवार को 2001 में संसद भवन पर आतंकवादियों के हमले के दौरान मारे गए लोगों को पुष्पांजलि अर्पित की।

पीएम नरेन्द्र मोदी और राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन हमले की 24वीं बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले शुरुआती नेताओं में शामिल थे। इस दिन की याद में हर साल 13 दिसंबर को पुराने संसद भवन (संविधान सदन) के बाहर एक छोटा समारोह आयोजित किया जाता है।

श्रद्धांजलि समारोह में कई वरिष्ठ नेता रहे मौजूद

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन भी श्रद्धांजलि देने के लिए संसद परिसर पहुंचे। श्रद्धांजलि समारोह में कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जिनमें केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, पीयूष गोयल, जितेंद्र सिंह और अर्जुन राम मेघवाल शामिल थे। इसके अलावा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी सहित अन्य सांसद भी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी ने वीरगति को प्राप्त हुए सुरक्षाबलों के जवानों के परिजनों से मुलाकात की

ऋणी रहेगा देशः राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज के दिन हम उन वीर नायकों को नमन करता है जिन्होंने 2001 में इसी दिन हमारी संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। देश उनके और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा।

सर्वोच्च बलिदान के लिए देश आभारीः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने श्रद्धांजलि देते हुए 'एक्स' पर लिखा कि इस दिन, हमारा देश उन लोगों को याद करता है जिन्होंने 2001 में हमारी संसद पर हुए भयानक हमले के दौरान अपनी जान दे दी थी। गंभीर खतरे का सामना करते हुए, उनकी हिम्मत, सतर्कता और कर्तव्य के प्रति अटूट भावना कमाल की थी। भारत उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए हमेशा उनका आभारी रहेगा।

सुरक्षा बल ने सलामी दी

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों ने कार्यक्रम स्थल पर सलामी या 'सम्मान गारद' प्रस्तुत किया जिसके बाद शहीदों की याद में कुछ समय का मौन रखा गया। 2023 तक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 'सलामी शस्त्र' प्रस्तुत करता था।

खबर संक्षेप

17 साल बाद बांग्लादेश आ रहे खालिदा जिया के बेटे

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम बेगम खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी

(बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान 17 साल बाद स्वदेश लौटने जा रहे हैं। वह एक दशक से ज्यादा समय से लंदन में स्वनिर्वासित जीवन व्यतीत कर रहे हैं। बीएनपी ने बताया कि तारिक रहमान 25 दिसंबर को ढाका पहुंचेंगे। उनकी वापसी ऐसे समय में हो रही है, जब बांग्लादेश में आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन के अनुसार, उम्मीदवारों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 29 दिसंबर तय की गई है।

कोर्ट ने सरफराज को सुनाई मौत की सजा

लखनऊ। यूपी में बहराइच की एक कोर्ट ने दुर्गा पूजा की मूर्ति को लेकर भड़की

सांप्रदायिक हिंसा के दौरान 22 वर्षीय युवक की हत्या के मुख्य आरोपी सरफराज उर्फ रिंकू को मौत की सजा सुनाई और नौ अन्य को आजीवन कारावास की सजा दी। अदालत ने कहा कि सच्चे न्याय के हित में, सजा ऐसी होनी चाहिए जो समाज में ऐसे जानवरों के मन में भय पैदा करे और न्यायिक प्रणाली में जनता का विश्वास बहाल करे। गुरुवार को सुनाए गए अपने फैसले में सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा ने इस हत्या को अत्यंत बर्बरता का कृत्य बताया।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस अरेस्ट

दुबई। ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को

गिरफ्तार कर लिया है। उनके समर्थकों ने यह जानकारी दी है। मोहम्मदी के नाम पर स्थापित एक संस्था ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें राजधानी तेहरान से लगभग 680 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित मशहद में उस समय हिरासत में लिया गया था जब वह एक मानवाधिकार वकील की शोकसभा में भाग लेने गई थीं। वकील की हाल में अस्पष्ट परिस्थितियों में मौत हो गई थी। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अधिकारी मोहम्मदी को तुरंत जेल वापस भेजेंगे या नहीं।

पाकिस्तान के आतंकी कनेक्शन को कूटनीतिक ढंग से बेनकाब करेगा तालिबान

काबुल का दावा- हमारे पास ठोस सबूत

मानवाधिकार उल्लंघन पर वैश्विक शक्तियों को भेजेगा विस्तृत डॉजियर

वैश्विक महाशक्तियों को भेजे जाने वाले डॉजियर में पाकिस्तान के आतंकवाद का समर्थन करने, अफगानिस्तान पर आर्थिक दबाव डालने और अफगान नागरिकों और शरणार्थियों के खिलाफ मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का सबूत होगा

एजेंसी ▶▶ काबुल

तालिबान ने पाकिस्तान के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। यही कारण है कि तालिबान प्रशासन पाकिस्तान पर सिर्फ जमीनी नहीं, बल्कि कूटनीतिक रणनीति के तहत हमला भी करने जा रहा है। इसके लिए तालिबान प्रशासन वैश्विक महाशक्तियों को पाकिस्तान के आतंकवादी कनेक्शन और मानवाधिकार उल्लंघन पर वैश्विक शक्तियों को डॉजियर भेजेगा।

इस डॉजियर में पाकिस्तान के आतंकवाद का समर्थन करने, अफगानिस्तान पर आर्थिक दबाव डालने और अफगान नागरिकों और शरणार्थियों के खिलाफ मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का सबूत होगा। अफगान विदेश मंत्रालय के एक उच्च सूत्र ने बताया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने मिलकर यह डॉजियर तैयार किया है, जिसे तालिबान के सुप्रीम लीडर मुल्ला हिबतुल्लाह अखुंदजादा से मंजूरी मिलने के बाद क्षेत्रीय और वैश्विक महाशक्तियों को भेजा जाएगा।

अफगानिस्तान के विदेश और गृह मंत्रालय ने तैयार किया डॉजियर

पाक पर आतंकियों के सहारे कई देशों को अस्थिर करने का आरोप

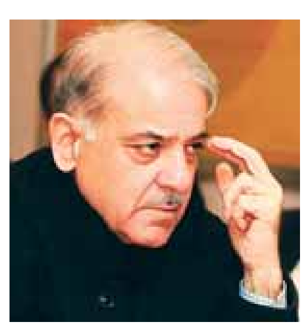

पाक पीएम शहबाज शरीफ

हिबतुल्लाह अखुंदजादा

पाकिस्तान बना आतंकियों का केंद्र

डॉजियर में आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तान 'आतंकवादियों के लिए एक सुविधा केंद्र' बन गया है और इस्लामाबाद पर बलूचिस्तान में आईएसआईएस के तत्वों को पालने-पोसने और उनका इस्तेमाल अफगानिस्तान, भारत और ईरान सहित पड़ोसी देशों को अस्थिर करने के लिए करने का आरोप लगाया गया है।

पाकिस्तान ने ट्रांजिट व्यापार रोका

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर बिना किसी वजह के पिछले दो महीनों से मनमाने ढंग से सीमा पार करने पर रोक लगाने और अफगान ट्रांजिट व्यापार को निलंबित करने का आरोप लगाया है। इसमें आगे आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तान ने लंबे समय से अफगानिस्तान के भारत के साथ ट्रांजिट व्यापार को रोक रखा है, जबकि अफगानिस्तान एक लैंडलॉक देश है और उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त ट्रांजिट अधिकार प्राप्त हैं।

भारतीय सीमा के नजदीक की छावनियों में पहुंचे मुनीर

पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) असीम मुनीर ने अपनी सेना की तैयारियों का जायजा लिया है। शनिवार को उन्होंने दो

पाकी सीमा चौकी पर असीम मुनीर

शहरों- गुजरांवाला और सियालकोट की छावनी का दौरा किया, जहां उन्होंने सैन्य अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत करते हुए युद्ध की तैयारी देखी। मुनीर ने इस दौरान कहा कि आधुनिक युद्ध के लिए सटीकता और स्थिति की जानकारी जरूरी है। मुनीर का दो प्रमुख छावनियों का यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब अफगानिस्तान से पाकिस्तान तकरीबन युद्ध जैसी स्थिति में है। वहीं भारत से भी लगातार पाकिस्तान का तनाव बना हुआ है। ऐसे में मुनीर के इस दौरे को किसी संभावित लड़ाई की तैयारी की तरह भी देखा जा रहा है।

पाक सेना कर रही आतंकियों की फंडिंग

डॉजियर के अनुसार, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां- इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) मिलकर आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी समूहों को लॉजिस्टिकल सपोर्ट और वित्तीय सहायता दे रही हैं। ये संगठन पूरे क्षेत्र में उग्रवाद और असुरक्षा में बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार हैं।

ट्रंप ने भारत के साथ यह क्या किया?

नए संगठन 'पैक्स सिलिका' में नहीं किया गया शामिल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका की अगुवाई में एक नई रणनीतिक पहल शुरू की गई है, जिसका मकसद एक सुरक्षित और नवाचार से चलने वाली सिलिकॉन सप्लाई चेन बनाना है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, पैक्स सिलिका नाम की इस पहल का मकसद निर्भरता को कम करना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए जरूरी मटीरियल और क्षमताओं की रक्षा करना और यह पक्का करना है कि पैक्स सिलिका के सदस्य देश बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाली तकनीक को विकसित और इस्तेमाल कर सकें। अमेरिका ने जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड, यूनाइटेड किंगडम, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया को हिस्सेदार बनाया गया है।

ग्लोबल एआई सप्लाई चेन मजबूत करेंगे

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि ये देश मिलकर ग्लोबल एआई सप्लाई चेन को ताकत देने वाली सबसे जरूरी कंपनियों और निवेशकों का घर हैं। इसमें शामिल देश मिलकर बहुस्तरीय साझेदारी करने पर चर्चा करेंगे, जिससे सप्लाई चेन सुरक्षा मजबूत होगी, निर्भरता और सिंगल पॉइंट ऑफ फेलियर को ठीक किया जा सकेगा, और भरोसेमंद टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को अपनाने में मदद मिलेगी। वे कनेक्टिविटी और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूटर और सेमीकंडक्टर, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स, मिनरल रिफाइनिंग और प्रोसेसिंग, और एनर्जी जैसे ग्लोबल टेक्नोलॉजी स्टैक में फ्लैगशिप प्रोजेक्ट्स पर पार्टनरशिप करने के मौके तलाशेंगे। अमेरिका ने पैक्स सिलिका को नेतृत्व वाली एक रणनीतिक पहल बताया।

ट्रंप और मोदी के बीच संबंधों में गिरावटः कांग्रेस

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी के संबंधों में आई 'तेज गिरावट' को देखते हुए यह बहुत आश्चर्यजनक नहीं लगता है कि भारत एक सुरक्षित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाली रणनीतिक पहल का हिस्सा नहीं है। पार्टी ने हालांकि जोर देकर कहा कि अगर हम इस समूह का हिस्सा होते तो यह हमारे लिए फायदेमंद होता। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत के इस समूह का हिस्सा नहीं होने की खबर तब आई है जब पीएम ने अपने कभी अच्छे मित्र रहे ट्रंप से हुई फोन कॉल के बारे में सोशल मीडिया पर उत्साह से जानकारी साझा की थी।

भारत ने की मानवीय सहायता

पेरू को 32 टन सामग्री भेजी, 2.5 लाख सेलाइन बोतलें भी शामिल

विश्वास सपकाल सौंपते हुए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने पेरू में डिहाइड्रेशन से जूझ रहे मरीजों की सहायता के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। भारत ने उपचार के लिए पेरू को 2.5 लाख से अधिक सेलाइन बोतलें उपलब्ध कराईं और दक्षिण अमेरिकी देश के साथ भरोसेमंद साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पेरू में भारत के राजदूत विश्वास सपकाल ने शुक्रवार को यह खेप पेरू के स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपी। पेरू सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत सरकार द्वारा की गई इस सहायता की सराहना की। इनमें स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महानिदेशक अल्बर्टो तेजादा कॉनरॉय, नेशनल सेंटर फॉर द सप्लाई ऑफ स्ट्रैटेजिक हेल्थ रिसोर्सेज के संयुक्त निदेशक एरिक वास्केज काल्डेरोन और विदेश मंत्रालय के निदेशक एबेल कार्डेनस शामिल थे।

एच-1बी वीजा पर यूएस में बवाल

19 राज्यों ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा, कहा- फैसला गैरकानूनी

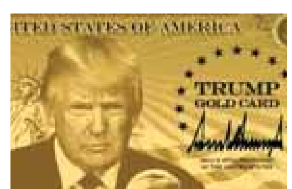

ट्रंप गोल्ड कार्ड

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है, जिसमें नए एच-1बी वीजा आवेदनों की फीस सीधे बढ़ाकर 1 लाख डॉलर करने का आदेश दिया गया। इस फैसले के खिलाफ अब कैलिफोर्निया की अगुवाई में अमेरिका के 19 राज्यों ने अदालत का रुख कर लिया है।

कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बॉन्टा के नेतृत्व में दायर याचिका में कहा गया है कि ट्रंप सरकार का यह फैसला न सिर्फ गैरकानूनी है, बल्कि यह संघीय कानूनों का उल्लंघन भी करता है। राज्यों का आरोप है कि प्रशासन ने एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसीजर एक्ट को दरकिनार करते हुए कांग्रेस की मंजूरी के बिना यह कदम उठाया है, जो उसकी अधिकार सीमा से बाहर है।

भारतीय सेना को मिले 525 कैडेट्स

देहरादून। देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) के ऐतिहासिक ड्रिल स्क्वायर में शनिवार को 157वीं पासिंग आउट परेड का भव्य और भावनात्मक आयोजन किया गया। गौरव, परंपरा और सैन्य अनुशासन से ओतप्रोत इस समारोह में देश-विदेश के 559 अधिकारी कैडेट्स को भारतीय सेना में कमीशन प्रदान किया गया। परेड के दौरान उन पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। 157वें रेगुलर कोर्स, 46वें टेक्निकल एंट्री स्कीम, 140वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स, 55वें स्पेशल कमीशंड ऑफिसर्स कोर्स और टेरिटोरियल आर्मी ऑनलाइन एंट्रेंस एग्जाम-2023 कोर्स के तहत कुल 525 भारतीय अधिकारी कैडेट्स को कमीशन प्रदान किया गया। इसके साथ ही 14 मित्र देशों के 34 विदेशी अधिकारी कैडेट्स भी इस अवसर पर कमीशन प्राप्त कर अपने-अपने देशों की सेनाओं में शामिल होंगे। यह समारोह भारत के रक्षा नेतृत्व को मजबूत करने के साथ-साथ मित्र राष्ट्रों के साथ सैन्य सहयोग को भी सुदृढ़ करता है।

केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने दी जानकारी

ब्रिटेन ट्रेड डील से भारत के अधिकार सुरक्षित, कंपल्सरी लाइसेंसिंग पर रोक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जितिन प्रसाद

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) से भारत के कंपल्सरी लाइसेंसिंग के अधिकारों पर किसी भी प्रकार की कोई पाबंदी नहीं लगेगी। राज्यसभा में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि भारत के पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 84 (सामान्य कंपल्सरी लाइसेंस) और धारा 92 (जन स्वास्थ्य आपात स्थिति में कंपल्सरी लाइसेंस) पूरी तरह लागू रहेंगी। सरकार ने स्पष्ट किया कि यह समझौता भारत को जनहित और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में पूर्ण नीतिगत स्वतंत्रता प्रदान करता है। विशेष रूप से किसी स्वास्थ्य आपात स्थिति में भारत अपने कानूनों के अनुसार दवाओं के लिए कंपल्सरी लाइसेंस जारी कर सकेगा। समझौते में ऐसे मजबूत प्रावधान शामिल किए गए हैं, जो भारत की नीतिगत स्वायत्तता को पूरी तरह सुरक्षित रखते हैं। भारत और ब्रिटेन दोनों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलुओं समझौते के तहत उपलब्ध सभी छूटों का उपयोग करने का अधिकार रहेगा।

शादी के बाद चला गया था पाकिस्तान, परिवार को नहीं थी भनक

परिवार ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, पहले से ही देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त

चार साल ली आतंकी बनने की ट्रेनिंग भारत लौटते ही सुरक्षा बलों ने दबोचा

एजेंसी ▶▶ राजोरी

परगवाल में सीमा पर पकड़ा गया आतंकी अब्दुल खालिक 2021 में शादी के बाद पाकिस्तान चला गया था। वहां वह चार साल तक पीओके सहित कई जगहों पर रहा व आतंकी बनने की ट्रेनिंग ली। परिवार को भी उसके सीमापार जाने का पता नहीं था। लंबे समय से गायब रहने पर चिंगस पुलिस पोस्ट में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। खालिक का गांव राजोरी की दरहाल तहसील के उज्जान-मरगा में है।

उसकी शादी नौशेरा सब-डिवीजन के रानी-बधेतर गांव में हुई है। 2021 में वह नौशारा से सीमापार कर पाकिस्तान चला गया। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने झांगड़ से उसकी कार बरामद की थी। इसके बाद माना जा रहा था कि वह पाकिस्तान चला गया है। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान जाने से पहले वह राजोरी में देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त था।

आंतकी अब्दुल खालिक और उसके पास से बरामद हथियार

एजेंसियों के पास था घुसपैठ का इनपुट

परगवाल में सीमा पर पकड़े गए पाकिस्तानी गाइड को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सीमा पर सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। रक्षा सूत्रों के अनुसार सुरक्षा एजेंसियों के पास पहले से इनपुट थे कि पाकिस्तानी सेना व वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई आतंकियों को भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करवाने की फिराक में हैं। सूत्रों के अनुसार ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सुरक्षाबलों ने पाकिस्तानी सेना की ओर से बनाए गए आतंकियों के लॉन्चिंग पैड तबाह कर दिए थे।

ग्रेनेड के साथ आतंकी सहयोगी गिरफ्तार

पुलवामा में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को आतंकी सहयोगी को ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सूचना के आधार पर अवंतिपोरा पुलिस ने सेना की 42 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और सीआरपीएफ की 180 बटालियन के साथ मिलकर नानेर मिड्डूरा इलाके में साझा तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकी सहयोगी मुसैब नजीर निवासी लद्दू ख्रेव को ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया।

एक मिनट में 800 राउंड बरसाती है जर्मन एमपी 5 गन

परगवाल में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पकड़े गए आतंकी से बरामद जर्मनी में बनी मशीन गन एमपी 5 सबमशीन आधुनिक हथियार है। यह एक मिनट में लगभग 800 राउंड तक दाग सकती है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार यह एमपी सबमशीन गन भारतीय सेना, नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) और मार्कोस जैसी विशेष टुकड़ियां इस्तेमाल करती हैं। हथियार में सेमी और फुल ऑटोमेटिक दोनों मोड होते हैं। यह 15 और 30 राउंड की मैगजीन के साथ आता है जिससे लगातार फायरिंग की क्षमता और बढ़ जाती है।

भारतवर्ष अपने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। बंकिम चंद्र चटर्जी (चट्टोपाध्याय) द्वारा रचित इस गीत की पंक्तियों में भारतीयता का ओज और राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है। आज़ादी की लड़ाई के दौरान करोड़ों भारतीयों के लिए यह गीत संघर्ष, चेतना और आत्मबल का प्रतीक रहा, लेकिन इतने दशकों के बाद यह गीत एक बार फिर राजनीतिक और वैचारिक टकराव के केंद्र में आ गया है। भाजपा का आरोप है कि आजादी की लड़ाई के शुरुआती दौर से ही कांग्रेस ने इस गीत के साथ अन्याय किया है और आजादी के बाद भी सम्पूर्ण गीत को न लेकर इसके एक अंश को ही राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता दी। उधर, कांग्रेस का कहना है कि ऐसा किसी द्वेषवश नहीं, बल्कि उस वक्त सभी धर्मावलंबियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि भला इस गीत से किसी मजहब और संप्रदाय को किस तरह चोट पहुंच सकती है? संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम् पर हुई बहस ने निस्संदेह देश के अंदर बहुत बड़े वर्ग में देश भक्ति का भाव गहरा किया है तो दूसरी ओर क्षोभ और गुस्सा भी पैदा हुआ है। अच्छा होगा, अगर इस को धर्म और राजनीति से जरा दूर ही रखा जाए। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास

'वंदे मातरम्' पर विपक्ष का प्रवंचना भाव

विश्लेषण
अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ स्तंभकार

चारों ओर वंदे मातरम् की गूंज से भारतीयता का सनातन भाव गुंजायमान है, लेकिन विडंबना है कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का उच्चतर भाव कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। वे संसद से लेकर सड़क तक कुतर्कों का सहारा लेकर किस्म-किस्म की प्रवंचना से विरोध की प्रस्तावना खींच रहे हैं। यह ठीक नहीं है। उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् किसी धर्म या मजहब का समर्थन या विरोध का भाव नहीं है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान का वह निश्छल भाव है जिसे विचारों का हथियार बनाकर आजादी के दीवानों ने मातृभूमि को आजाद करवाया।

भारतवर्ष वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। चारों ओर वंदे मातरम् की गूंज से भारतीयता का सनातन भाव गुंजायमान है, लेकिन विडंबना है कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का उच्चतर भाव कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। वे संसद से लेकर सड़क तक कुतर्कों का सहारा लेकर किस्म-किस्म की प्रवंचना से विरोध की प्रस्तावना खींच रहे हैं। यह ठीक नहीं है। उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् किसी धर्म या मजहब का समर्थन या विरोध का भाव नहीं है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान का वह निश्छल भाव है जिसे विचारों का हथियार बनाकर आजादी के दीवानों ने मातृभूमि को आजाद कराया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् केवल शब्द भर नहीं हैं बल्कि इसमें राष्ट्र की संस्कृति, इतिहास, कला, साहित्य और ज्ञान-विज्ञान का वह भाव समाहित है जो भारत राष्ट्र की निरंतरता और चेतना को उद्घाटित करता है। इसके प्रकटीकरण से राष्ट्र की गरिमा और गौरव में वृद्धि होती है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित इस गीत की पंक्तियों में भारतीयता का ओज और राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है।

राष्ट्रीय एकता का भाव

यह गीत अपने आगोश में संपूर्ण भारत की विविधता और विशेषता को समेटे हुए है। इसमें मातृभूमि के प्रति अनुरक्ति, समर्पण और उदात्त भावनाएं निहित हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि वंदे मातरम् का विरोध करते हुए आज फिर वहीं लोग दिख रहे हैं जिन्होंने सत्ता-सिंहासन पर आसीन रहते हुए गीत के कुछ हिस्सों, खासकर मां दुर्गा की स्तुति करने वाले छंदों को काट-छांटकर राष्ट्रीय एकता के भाव को नष्ट-विनष्ट कर दिया। उल्लेखनीय है कि 1937 में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पं. जवाहरलाल नेहरु ने सुभाषचंद्र बोस को लिखे एक पत्र में कहा था कि वंदेमातरम् के कुछ छंद मुसलमानों को नाराज कर सकते हैं। नतीजा यह हुआ कि वंदेमातरम् गीत के सिर्फ पहले के दो छंदों को ही अपनाया गया। आज अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस पार्टी पर इस गीत को टुकड़े-टुकड़े करने का आरोप

लगा रहे हैं तो उचित ही है। शास्त्रों में माता और मातृभमि को सर्वोपरि माना गया है। कहा गया है कि 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसी' यानी माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। वंदे मातरम् में यही भाव निहित है। वंदेमातरम गीत के इतिहास में जाएं तो 7 नवंबर 1875 को बंगाल के कांतल पाड़ा गांव में बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस वंदेमातरम गीत की रचना की। मूल रूप से वंदे मातरम् के प्रारंभिक दो पद संस्कृत में थे और शेष गीत बांग्ला में। दिसंबर 1905 में कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक में गीत को राष्ट्रगीत का दर्जा प्रदान किया गया और बंगाल विभाजन के समय यह गीत राष्ट्रीय नारा बन गया।

जिन्ना ने किया था विरोध

कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में रविंद्र नाथ टैगोर ने इसका संशोधित रूप प्रस्तुत किया। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा इस्लाम की भावना के विरुद्ध बताकर वंदे मातरम् गीत का विरोध किया, लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरु, सुभाषचंद्र बोस, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद और आचार्य नरेंद्र देव की समिति ने 28 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में पेश अपनी रिपोर्ट में इस राष्ट्रगीत के दो पहले पैराग्राफ को राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकृति दे दी। 1936 में भी महात्मा गांधी ने वंदे मातरम् गीत के बारे में कहा कि-'कवि ने हमारी मातृभूमि के लिए जो अनेक सार्थक विशेषण प्रयुक्त किए हैं, वे एकदम अनुकूल हैं, इनका कोई सानी नहीं है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन विशेषणों को यथार्थ में बदलें। मुझे कभी ख्याल नहीं आया कि यह गीत सिर्फ हिंदुओं के लिए रचा गया है।' यहां ध्यान देना होगा कि 1906 से 1911 तक यह गीत पूरा गाया जाता था। इस गीत में वह ताकत थी कि ब्रिटिश हुकूमत को बंगाल विभाजन का फरमान वापस लेना पड़ा। क्रांतिकारियों ने इस वंदे मातरम् आदर्श नारे को अपने संस्कार में ढाला और गीत के जरिए आजादी की जंग को गति देकर भारतीय जनमानस में जागृति पैदा की।

हर देश में राष्ट्रगीत का गायन

लोगों को लामबंद किया और ब्रिटिश राजसत्ता को उखाड़ फेंका। भगत सिंह, मदनलाल ढींगरा, राजगुरु और बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम् की आवाज लगाकर फांसी के फंदे को चूम लिया। गौर करें तो भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के हर देश में राष्ट्रगीत का गायन होता है। इस्लामी देशों में भी राष्ट्रगीत को समादर प्राप्त है और वह मातृभूमि को समर्पित है। अरबी में मातृभूमि को मादर-ए-वतन कहा जाता है जिसका मतलब मां से है। फारसी में मातृभूमि की उपमा मां से की गयी है। यमन के राष्ट्रगीत में झरनों की तुलना मां के दूध से की गई है। मिश्र के राष्ट्रगीत में मातृभूमि की तुलना मां से की गयी है। इसी तरह मलेशिया, सूडान, अरब, जार्डन सभी देशों में राष्ट्रगीत की परंपरा है और उसे किसी न किसी रूप में मातृभूमि और मां से जोड़ा गया है, तो क्या यह समझा जाए कि ये मुस्लिम देश इस्लाम की भावना का अनादर कर रहे हैं? बिल्कुल ही नहीं। फिर आज वंदे मातरम् के 150 वर्ष के जश्न पर ऐतराज और काली सियासत क्यों? क्यों न माना जाए कि कुछ मुट्ठी भर लोग वंदे मातरम् गीत पर सवाल खड़ा करके क्रांतिकारियों का अपमान कर रहे हैं? उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् गीत राष्ट्रीयता का स्वर है। साथ ही क्रांतिकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी।

राजनीतिक संकीर्णता का दायरा

इस गीत का विरोध आजादी के दिवानों का विरोध है। साथ ही राष्ट्रीयता की भावना पर कुठाराघात भी। यह ठीक नहीं है कि कुछ सियासी दल और तथाकथित संगठन अपने राजनीतिक फायदे के लिए वंदे मातरम् गीत को राजनीतिक संकीर्णता के दायरे में रखकर इस्लाम की मान्यताओं के खिलाफ प्रचारित कर रहे हैं। भला इस गीत से किसी मजहब और संप्रदाय को किस तरह चोट पहुंच सकती है? उचित होगा कि वे संकीर्णताओं के केंचूल से बाहर निकलकर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् पर काली सियासत न करें। सामाजिक वातावरण विषाक्त बनता है। गत वर्ष पहले मध्यप्रदेश की कमलनाथ सरकार ने भी वंदे मातरम् के गायन पर पाबंदी थोप दी थी लेकिन जब इस निर्णय की आलोचना हुई तब यू-टर्न लेते हुए फैसला लिया गया कि हर महीने के पहले कार्य दिवस पर पुलिस बैंड की धुनों पर वंदे मातरम् गाया जाएगा। गत वर्ष जब मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को तमिलनाडु के स्कूलों में सप्ताह में दो बार गायन को अनिवार्य किया, तब भी कुछ सियासी दलों ने हायतौबा मचाना शुरू किया था। इसे मजहबी फ्रेम में फिट कर इस्लाम की भावना के विरुद्ध सियासी शोर में बदलने की कोशिश की गई। आज की तारीख में भी कुछ ऐसा ही उपक्रम देखने को मिल रहा है।

राष्ट्रीय गीत पर क्यों हो रही राजनीति

विवाद
रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

वंदे मातरम को लेकर देश की राजनीति में एक बार फिर उबाल आ गया है। यह वही गीत है, जो आज़ादी की लड़ाई के दौरान करोड़ों भारतीयों के लिए संघर्ष, चेतना और आत्मबल का प्रतीक रहा, लेकिन 150 वर्ष बाद यह गीत एक बार फिर राजनीतिक और वैचारिक टकराव के केंद्र में आ गया है। बीते महीने सात नवंबर को 'वंदे मातरम्' गीत के 150 साल पूरे होने पर दिल्ली में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने इस गीत के साथ तोड़-मरोड़ की। उन्होंने कहा कि 1937 में नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने मूल 'वंदे मातरम्' गीत से महत्वपूर्ण पद हटा दिए थे। 'वंदे मातरम्' को टुकड़ों में तोड़ दिया गया। इसने विभाजन के बीज भी बो दिए। यह अन्याय क्यों किया गया? वही विभाजनकारी विचारधारा आज भी राष्ट्र के लिए एक चुनौती बनी हुई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् के गायन को अनिवार्य करने का ऐलान कर मामले को और तूल दे दिया है। गोरखपुर में एकता पदयात्रा के दौरान योगी आदित्यनाथ ने ये घोषणा की और कहा कि कोई भी धर्म राष्ट्र से ऊपर नहीं है। योगी आदित्यनाथ की घोषणा पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तो आ ही रही हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस पार्टी पर वंदे मातरम् गीत के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है, उसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बहरहाल, संसद के दोनों सदनों में भी इस राष्ट्रगीत पर लंबी-चौड़ी चर्चा हुई। लोकसभा में पीएम मोदी ने इस दौरान कई दावे किए। उन्होंने इस चर्चा के दौरान महात्मा गांधी से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना का जिक्र किया। पीएम मोदी ने सवाल किया कि जब बापू को वंदे मातरम् नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ? उन्होंने कांग्रेस पर सामाजिक समरसता की आड़ में इस गीत को तोड़ने का आरोप लगाया और कहा कि वह अभी भी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। वहीं विपक्ष ने स्वतंत्रता आंदोलन में आरएसएस की भूमिका पर सवाल उठाए और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ही 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था। हालांकि, विपक्ष ने कहा है कि सरकार पश्चिम बंगाल चुनाव के मद्देनजर वंदे मातरम् को मुद्दा बनाना चाहती है और इसके छंदों को हटाने पर राजनीति कर रही है। अहम सवाल यह है कि डेढ़ सौ साल पुराने इस मुद्दे को अचानक राजनीति और विवाद को केंद्र में लाने के पीछे वजह क्या है, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हैं। बीजेपी इस चुनाव में किसी भी तरह जीत हासिल करना चाहती है।

1870 के दशक में लिखा गया यह गीत आज भी देश के राजनीतिक गलियारों में एक खास जगह रखता है और इस पर अलग-अलग पार्टियों के अपने विचार हैं। खैर, आज की राजनीति भावनाओं को बहुत तेजी से भुनाती है।

इससे पार्टी को उम्मीद है कि वह तृणमूल कांग्रेस को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सवाल पर घेर सकेगी। वहीं, कांग्रेस, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसी विपक्षी पार्टियां इस बहस में आरएसएस की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका और हिंदुत्व विचारधारा से जुड़े कुछ नेताओं के राष्ट्रीय प्रतीकों पर पुराने बयानों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। विपक्ष का आरोप है कि बीजेपी सांस्कृतिक प्रतीकों का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है ताकि मौजूदा आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। साफ है, 1870 के दशक में लिखा गया यह गीत आज भी देश के राजनीतिक गलियारों में एक खास जगह रखता है और इस पर अलग-अलग पार्टियों के अपने विचार हैं। खैर, आज की राजनीति भावनाओं को बहुत तेजी से भुनाती है। एक नारा, एक गीत, एक इतिहास का पन्ना और फिर उसे वोट की शक्ल दे दी जाती है। प्रधानमंत्री जब कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हैं और विपक्ष जब सत्ता पक्ष पर इतिहास के अपहरण का आरोप लगाता है, तो आम आदमी कहीं बीच में खड़ा रह जाता है। एक साधारण नागरिक यही सोचता है कि क्या यह बहस उसकी महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण और हवाई टिकट की कीमतें कम कर देगी। एक तरफ़ हम अतीत के गौरव में खड़े होकर ताली बजा रहे हैं, दूसरी तरफ वर्तमान की परेशानी दरवाजे पर खड़ी है। राजनीति अक्सर यही करती है। वह भावनाओं की रोशनी में हकीकत की छाया को ढक देती है। अब प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या हम आज भी इस संविधान की भावना के अनुकूल देश की दशा और दिशा तय कर रहे हैं या नहीं? दरअसल, वंदे मातरम पर संसद की बहस हमें किसी एक निष्कर्ष तक नहीं पहुंचाती है, बल्कि कई सवालों के बीच खड़ा कर देती है।

वंदे मातरम् को क्रान्ति गीत ही रहने दीजिए

मंथन
सुनील अमर
स्वतंत्र पत्रकार

लगभग डेढ़ सौ वर्ष पहले लिखा गया 'वंदे मातरम्' एक अद्भुत राष्ट्रीय गीत है। कुल छह छन्दों वाले इस संस्कृतनिष्ठ बांग्ला भाषा के गीत के पहले दो छंद तो खासकर बहुत ही मनमोहक और हृदयंगम हैं और इन्हें ही राष्ट्रगीत के रूप में लिया गया है। भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा इस गीत के खंडित व सम्पूर्ण स्वरूप को लेकर इन दिनों सड़क से संसद तक बहस चलाई जा रही है। भाजपा का आरोप है कि आजादी की लड़ाई के शुरुआती दौर से ही कांग्रेस ने इस गीत के साथ अन्याय किया है और आजादी के बाद भी सम्पूर्ण गीत को न लेकर इसके एक अंश को ही राष्ट्रगीत की मान्यता दी। कांग्रेस का कहना है कि ऐसा किसी द्वेषवश नहीं, बल्कि उस वक्त सभी धर्मावलम्बियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। इस गीत के रचयिता बंकिमचन्द्र चटर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के पहले स्नातक थे और पहले हिन्दुस्तानी थे जिन्हें इंग्लैंड की महारानी ने भारतीय उपनिवेश में सन् 1858 में डिप्टी कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया था। चटर्जी अच्छे लेखक और कवि थे। उनका लिखा यह गीत मानों जनता के विरोध का क्रांति गीत ही बन गया। बंगाल में इसकी लोकप्रियता को देखकर ही शायद उस समय कांग्रेस व अन्य स्वाधीनता संग्राम संगठनों ने भी इसे अपनाना शुरू किया। इस गीत के पहले दो छंद जो राष्ट्रगीत में लिए गए, वे सार्वभौमिक व सर्वकालिक हैं और संस्कृत में हैं तथा शेष रचना बांग्ला भाषा में है और भारतीय देवी मां दुर्गा की स्तुति में है। इसी वजह से देश के अन्य धर्मावलम्बियों द्वारा इसे सम्पूर्ण रूप में राष्ट्रगीत स्वीकार करने से इनकार किया जाता रहा है। भाजपा आज इस गीत को पूर्ण स्वरूप में लागू किए जाने की वकालत कर रही है तो अन्य लोग संविधान के पंथनिरपेक्षता का हवाला दे रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने सदन में कहा कि हमारे संविधान की प्रस्तावना 'भारत माता' से नहीं बल्कि 'हम भारत के लोग' से शुरू होती है। उन्होंने तर्क दिया कि बाबा साहेब ने तो भारत माता के विचार को ही खारिज कर दिया था। देखा जाए तो हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिहाज से यह पूरा गीत ही बहुत मनोहर और देवी स्तुति के स्तर का है। दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान हैं तथा तमाम अवसरों पर गाए जाते हैं लेकिन उनके गायन के पीछे स्वतःस्फूर्त का भाव होता है, जबर्दस्ती का नहीं। 'वंदे मातरम्' को लेकर धर्म, क्षेत्रीयता और वैचारिकता को उभारने के बजाए अगर इतने सुन्दर गीत के मर्म को समझा जाए तो इस गीत में न सिर्फ प्राकृतिक निधियों का सम्मान बल्कि रीति-रिवाजों पर गर्व, राष्ट्रीय एकता पर जोर तथा ऐतिहासिकता की भी चर्चा है, जो इसे महत्त्वपूर्ण बनाती है। अच्छा होगा, अगर इसे धर्म और राजनीति से जरा दूर ही रखा जाए।

इस गीत में न सिर्फ प्राकृतिक निधियों का सम्मान बल्कि रीति-रिवाजों पर गर्व, राष्ट्रीय एकता पर जोर, ऐतिहासिकता की भी चर्चा है, जो इसे महत्त्वपूर्ण बनाती है।

संसद में राजनीतिक विवाद दुर्भाग्यपूर्ण

मुद्दा
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम् पर हुई बहस ने निस्संदेह देश के अंदर बहुत बड़े वर्ग में देश भक्ति का भाव गहरा किया है तो दूसरी ओर क्षोभ और गुस्सा भी पैदा हुआ है। आम भारतीय को उम्मीद नहीं थी कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का भावपूर्ण पवित्र अवसर भी राजनीतिक विवाद, तनाव तथा आरोप-प्रत्यारोप का कारण बन जाएगा।

इसका सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष रहा संसद के अंदर विपक्ष द्वारा एक स्वर में वंदे मातरम् का स्वागत नहीं किया जाना। विपक्ष के नाते सरकार का मुद्दों पर विरोध का अर्थ यह नहीं है कि महान और पवित्र अवसर को भी राजनीतिक तू तू, मैं मैं बदल दिया जाए। यह सही है कि मुख्य विपक्षी पार्टी के नेताओं ने सीधे वंदे मातरम् को गलत नहीं बताया , किंतु भारत भक्ति भाव के रूप में समान रूप से सबके अंदर विद्यमान हो और यह राष्ट्रीय एकता के प्रति संकल्प और प्रतिबद्धता घनिभूत का अवसर बन जाए, इसका रंच मात्र भी संदेश नहीं दिया गया। 7 नवंबर, 1875 को महान बांग्ला साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने यह गीत लिखा था। इस तरह 150 साल 7 नवंबर, 2025 को पूरे हुए। यह सच है कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार नहीं होती तो इसका 150वां वर्ष नहीं मनाया जाता। यह भी सच्चाई है कि इसे राष्ट्रगीत स्वीकार करते हुए भी संसद में गाने की परंपरा नहीं शुरू की गई। 1992 में भाजपा के लालकृष्ण आडवाणी तथा राम नायक ने यह मुद्दा उठाया और संसद में वंदे मातरम् का गान शुरू हो सका। बावजूद जबसे लाइव प्रसारण शुरू हुआ, देश ने देखा कि कई सांसद इस राष्ट्रगीत के समय सदन से बाहर चले गए। यह प्रश्न तो उठेगा कि आखिर संसद में इसका गान क्यों नहीं होता रहा? लोकसभा में चर्चा की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दृष्टि से सारे तथ्य रखे तो राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने। दोनों के वक्तव्य का मूल यही था

संसद में जब से लाइव प्रसारण शुरू हुआ, देश ने देखा कि कई सांसद इस राष्ट्रगीत के समय सदन से बाहर चले गए। यह प्रश्न तो उठेगा कि आखिर संसद में इसका गान क्यों नहीं होता

कि यह भावगीत अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष और दासता से मुक्ति तक ही प्रासंगिक नहीं था यह सदा के लिए है , जो भारत के लिए जीने व काम करने की प्रेरणा देता रहेगा। 7 नवंबर , 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 1 वर्ष तक चलने वाले समारोहों की भव्य शुरुआत हुई। विशेष सिक्का और डाक टिकट भी जारी हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर गीत, हर काव्य का अपना एक मूल भाव होता है, मूल संदेश होता है। वंदे मातरम् का मूल भाव है- भारत, मां भारती। लोकसभा में भी उनका स्वर यही था। अमित शाह ने इसे स्वतंत्रता, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति का सबसे शक्तिशाली जय घोष बताया। इस गीत को विवादास्पद या किसी एक धर्म का बताने वाले कुछ तथ्यों का ध्यान रखें- 1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे गाया था, 1905 में बंगाल में विभाजन विरोधी और स्वदेशी आंदोलन के दौरान वंदे मातरम् विरोध का मुख्य सुर बना, 7 अगस्त , 1905 को वंदे मातरम् नारे के रूप में गाया गया था, 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने विदेश में वंदे मातरम लिखा ध्वज ही फहराया था। कांग्रेस के वाराणसी अधिवेशन में वंदे मातरम् गीत को पूरे भारत समारोहों के लिए अपनाया गया, 24 जनवरी, 1950 को इसे राष्ट्रीय गीत के तौर पर स्वीकार किया गया।

यह अंग्रेजी शासन के विरोध का सबसे बड़ा भावनात्मक गीत बन गया था। पूरे भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध उठने वाले हर विरोध और आंदोलन में वंदे मातरम् गूंजने लगा। प्रश्न है कि क्या वंदे मातरम् जिसने हजारों भारतवासियों, जिनमें हंसते-हंसते बलिदान होने वाले क्रांतिकारी भी थे,को प्रेरित किया, उसका 150वां वर्ष नहीं मनाया जाना चाहिए? क्या इसलिए नहीं मनाया जाना चाहिए कि अगले वर्ष बंगाल के साथ कुछ राज्यों के चुनाव हैं? इससे दिल दहलाने वाला कुतर्क कुछ नहीं हो सकता। 7 नवंबर, 2025 को पूरे देश में एक साथ वंदे मातरम् के गायन से जो भाव पैदा हुआ और जिस तरह पूरे देश में वंदे मातरम् अभियान चला है, उससे उम्मीद जगती है कि भारत के लिए जीने और काम करने का भाव ही ज्यादा प्रबल होगा और विरोधी कमजोर पड़ेंगे।

'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की अखण्ड गूंज

ऐतिहासिक पर्व
डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ पत्रकार

राहुल बाबा सरीखे 'वंदे मातरम्' विरोधियों के लिए कुछेक तथ्य जानना आवश्यक है। वरना खतरा तो यह भी है कि किसी दिन अपने मोदी-विरोध की लहर में यह भी भूल जाएं कि वंदे मातरम् पहली बार 1896 में कांग्रेस के ही कलकत्ता अधिवेशन (अब कोलकाता) में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने 7 अगस्त, 1905 में एक राजनीतिक राष्ट्रीय पहचान के रूप में गाया था, तब वह कटा-फटा भी नहीं था। पूरा गीत था, जिसे बंकिम बाबू ने अपने चर्चित उपन्यास आनंद मठ में दिया था। वर्ष 1947 में पंडित ओंकार नाथ ठाकुर ने गाया था। समय की अनंत और अविराम धारा में कुछ तिथियां केवल पंचांग के पन्ने नहीं होतीं, वे किसी राष्ट्र की चेतना का 'प्रस्थान बिंदु' बन जाती हैं। 7 नवंबर 1875 एक ऐसी ही ऐतिहासिक तारीख थी, जब बंगाल के एक शांत कोने में ऋषि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की कलम से स्याही नहीं बल्कि भारत की आत्मा टपकी थी। उस दिन जिस गीत- 'वंदे मातरम्' का जन्म हुआ, आज वर्ष 2025 में हम उसी महामंत्र के 150 वर्ष पूरे होने का ऐतिहासिक पर्व मना रहे हैं। यह उत्सव केवल एक गीत की रचना का नहीं है, यह उस 'नाद-ब्रह्म' का उत्सव है जिसने एक सोए हुए उपमहाद्वीप को राष्ट्र के रूप में जगा दिया। यह पर्व उन शब्दों का है जिन्होंने बिना किसी शस्त्र के ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी। यह उस दौर का गीत है, जब भारत गुलामी के गहन अंधकार में डूबा था। निराशा के उस वातावरण में, बंकिम बाबू ने जब अपनी मातृभूमि को देखा तो उन्हें वहां केवल मिट्टी, नदियां या पहाड़ नहीं दिखे। उन्हें वहां साक्षात् 'जगद्धात्री' मां के दर्शन हुए। उन्होंने देखा- सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्'। यह गीत किसी बंद कमरे की बौद्धिक कसरत नहीं था बल्कि एक दैवीय अंतर्दृष्टि थी। वर्ष 1882 में जब यह उनके कालजयी उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा बना तो यह मात्र एक कविता से रूपांतरित होकर 'संन्यासी विद्रोह' का रणघोष बन गया लेकिन नियति ने इसके लिए इससे भी बड़ा मंच और व्यापक आकाश तैयार कर रखा था। वर्ष 1905 में जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल के सीने पर आरी चलाने का दुस्साहस किया तो प्रतिरोध की उस ज्वाला में 'वंदे मातरम्' घी बनकर गिरा। देखते ही देखते यह दो शब्दों का संबोधन, एक विराट जन-आंदोलन में बदल गया। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने जब इसे सुरों में पिरोया, तो इसकी गूंज कलकत्ता की गलियों से निकलकर लाहौर, पुणे और मद्रास तक जा

यह गीत किसी बंद कमरे की बौद्धिक कसरत नहीं था बल्कि एक दैवीय अंतर्दृष्टि थी। वर्ष 1882 में जब यह उनके कालजयी उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा बना तो यह मात्र एक कविता से रूपांतरित होकर 'संन्यासी विद्रोह' का रणघोष

पहुंची। यह वह दौर था जब 'वंदे मातरम' बोलना राजद्रोह था, लेकिन भारतवासियों के लिए यह 'राष्ट्रधर्म' बन चुका था। स्वतंत्रता की वेदी पर चढ़ने वाले अनगिनत परवानों के लिए यह गीत 'गीता' के श्लोकों जैसा पवित्र था। खुदीराम बोस, मदनलाल ढींगरा, रामप्रसाद बिस्मिल और भगत सिंह जैसे वीरों ने जब फांसी के फंदे को गले लगाया तो अंतिम सांस के साथ जो शब्द वायुमंडल में विलीन हुए, वे 'वंदे मातरम्' ही थे। यह गीत उस समय भय से मुक्ति का पर्याय बन गया था। इसने भारतीयों को सिखाया कि अपनी जननी जन्मभूमि की आराधना करना कोई अपराध नहीं बल्कि सर्वोच्च मानवीय कर्तव्य है। इसी ऐतिहासिक महत्व को स्वीकारते हुए स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने इस गीत को वही सम्मान दिया जो राष्ट्रगान 'जन गण मन' को प्राप्त है। 150 वर्षों का यह सफर गवाह है कि सरकारें बदलती रहीं, नीतियां बनती-बिगड़ती रहीं लेकिन 'वंदे मातरम्' का ओज कभी कम नहीं हुआ। शिया धर्म गुरु यासूब अब्बास कहते हैं कि वंदे मातरम् का विरोध सिर्फ जहालियत है। इसमें कहीं भी मातृभूमि की पूजा करने की बात नहीं कही गई है। उस धरती के प्रति सम्मान की बात है, जहां हम पैदा हुए हैं, जहां हमें वापस जाकर मिल जाना है। वे अपनी बात को और आगे बढ़ाते हुए इस्लाम की चर्चा करते हैं और कहते हैं कि इस्लाम में अल्लाह के सामने झुकने की बात कही गई है, यह सच है और हर मुसलमान को ऐसा करना भी चाहिए। इस्लाम बिल्कुल ऐसा नहीं कहता कि आप किसी का सम्मान न करें। सम्मान का मतलब पूजा नहीं है। वंदे मातरम् का सीधा अर्थ मां का सम्मान है, और कुछ भी नहीं।

मुस्लिम स्कॉलर नासिरुद्दीन हैदर खान की मानें तो यह मामला नासमझी का ज्यादा है। यह हमारे देश का राष्ट्रगीत है, इसे पढ़ने, गाने या न पढ़ने, गाने के लिए कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। कोई जोर-जबरदस्ती करता है तो भारत का कानून पीड़ित के साथ खड़ा है। सात हजार गीतों में दूसरे नंबर पर चुना जाना इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। मूल रूप से बांग्ला एवं संस्कृत में लिखा गया यह गीत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद किया गया, यह भी इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। एक अन्य मुस्लिम स्कॉलर गुफरान नसीम कहते हैं कि इससे जुड़ा विवाद 1937 में ही खत्म हो गया था, जब मौलानाओं की आपत्ति के बाद जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने पहली दो पंक्तियों को राष्ट्रगीत के रूप में मंजूरी दी थी। समिति ने पाया था कि पहले दो पैरा मातृ भूमि की प्रशंसा में हैं, गीत में उसके आगे हिन्दू देवी-देवताओं का जिक्र किया गया है, इसीलिए दो पारा को ही मान्यता दी गई जिससे किसी की भावना आहत न होने पाए और अंत में 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्र ने राष्ट्रगीत के रूप में मंजूर कर लिया।

▶ प्रधान न्यायाधीश की कोर्ट ने संपूर्ण न्यायिक व्यवस्था को कलंकित कर उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने पर बरती सख्ती

▶ आपत्तिपूर्ण उद्धरणों वाला आवेदन निरस्त, जुर्माना राशि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा करने के दिए गए निर्देश

न्यायाधीशों की निष्पक्षता, ईमानदारी व विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगाने पर दो हजार का जुर्माना

हरिभूमि जबलपुर।

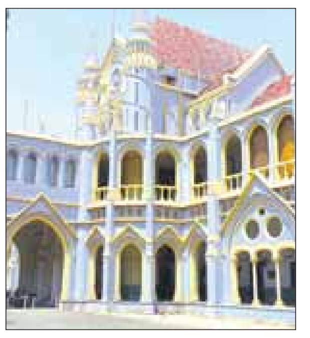

प्रधान जिला न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्रा की अदालत ने न्यायाधीशों की निष्पक्षता, ईमानदारी व विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगाने वाला आपत्तिपूर्ण उद्धरणों से भरा हुआ एक आवेदन दो हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए निरस्त कर दिया। कोर्ट ने जुर्माना राशि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अपनी टिप्पणी में कहा कि संपूर्ण न्यायिक व्यवस्था को कलंकित कर उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला इस तरह का आवेदन कदापि स्वीकारणीय नहीं है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि बाई का बगीचा, जबलपुर निवासी अनिमेष सिन्हा व विनायक सिंह की ओर से व्यक्त की गई आशंका कि उन्हें पीठासीन अधिकारी से न्याय प्राप्त नहीं हो पाएगा, पूर्णतः काल्पनिक व आधारहीन है। मात्र आशंका, प्रकरण का आधार नहीं हो सकती, इसके लिए न्याय की विफलता की युक्तियुक्त आशंका विद्यमान होनी चाहिए।

कोर्ट ने यह भी कहा कि आवेदकों ने पीठासीन अधिकारी पर पूर्णतः मिथ्या व आधारहीन आरोप लगाए हैं और जिला न्यायालय में पदस्थ न्यायिक अधिकारियों यानि व्यवहार न्यायाधीशों की निष्पक्षता, ईमानदारी व उनकी विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाकर संपूर्ण न्यायिक व्यवस्था को कलंकित कर उसकी गरिमा को आघात पहुंचाया है। इसलिए, प्रस्तुत आवेदन सारहीन होने से जुर्माने सहित निरस्त किया जाता है।

क्या था मामला

यह मामला शोभापुर, जबलपुर निवासी सुमन श्रीवास्तव की ओर से प्रस्तुत प्रकरण से संबंधित था, जिसमें अनिमेष व विनायक सहित अन्य प्रतिवादी हैं। आवेदिका की ओर से अधिवक्ता शालिनी वी जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि संपत्ति विवाद के प्रकरण में इस तरह के अनुचित उद्धरणों वाला आवेदन कार्रवाई के योग्य है।

जज के विरुद्ध की थी बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी

जिस आवेदन को दो हजार का जुर्माना लगाकर निरस्त किया गया, उसमें कोट किया गया था कि 1940 के दशक में ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने कहा था- अगर भारत को आजादी दी गई, तो सत्ता बदमाशों, धोखेबाजों, लुटेरों के हाथों में चली जाएगी; सभी भारतीय नेता घटिया दर्जे के और कमजोर लोग होंगे। उनकी जबान मीठी होगी और दिल बेवकूफ होंगे। वे सत्ता के लिए आपस में लड़ेंगे और भारत राजनीतिक झगड़ों में खो जाएगा। एक दिन ऐसा आएगा जब भारत में हवा और पानी पर भी टैक्स लगेगा। यही नहीं आवेदन में यह भी लिख दिया गया था कि अगर जज को लगता है कि वह प्रापर्टी माफिया और अमीर बिजनेसमैन द्वारा डाले गए दबाव को झेल नहीं पा रहे हैं, तो उन्हें दूसरे फायदेमंद करियर और अपनी मर्जी से इस्तीफा देने के बारे में सोचने के लिए कहा जाना चाहिए।

एएसडीआर सूची में शामिल मतदाताओं के नामों का होगा वाचन

मतदान केंद्रों पर आज लगेंगे विशेष कैम्प

जबलपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत रविवार 14 दिसम्बर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक जिले के प्रत्येक मतदान केंद्र पर विशेष कैम्प का आयोजन किया जायेगा। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार विशेष कैम्प में एसआईआर के अंतर्गत घर-घर सत्यापन के दौरान पाये गये अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं (एएसडीआर सूची) के नामों का पुनः वाचन किया जायेगा।

विशेष कैम्प में नये मतदाताओं से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने फॉर्म-6 भी भरवाये जायेंगे। यदि किसी मतदाता को मतदाता सूची में नाम या पता में संशोधन कराना है या मोबाईल नंबर दर्ज कराना है अथवा वोटर आईडी कार्ड में रंगीन फोटो लगवाना है तो ऐसे मतदाता भी कैम्प में फॉर्म-8 भर सकते हैं।

साथ ही ऐसे व्यक्ति जिन्हें गणना प्रपत्र गणना फार्म प्राप्त नहीं हुए हैं यह मानकर कि उनके नाम मतदाता सूची में नहीं है वे भी विशेष कैम्प में बीएलओ से संपर्क कर नये मतदाता के तौर पर सूची में नाम जुड़वाने फॉर्म-6 भर सकेंगे। विशेष कैम्प में एएसडीआर सूची के वाचन के वीडियो और फोटो बीएलओ एप पर अपलोड करने के निर्देश सभी बीएलओ को दिये गये हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसआईआर के तहत घर-घर सत्यापन के दौरान मिले अनुपस्थित या स्थानांतरित अथवा मृत या दोहरी प्रविष्टि वाले (एएसडीआर) मतदाताओं के नाम 23 दिसम्बर को प्रकाशित की जाने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं किये जायेंगे।

बकरी की सार में छुपा रखा था अवैध शराब का जखीरा

जबलपुर। गोहलपुर थाना अंतर्गत बकरी की सार में अवैध शराब का स्टॉक कर अवैध कारोबार में लिप्त आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने 559 पाव देशी शराब जब्त की है। गोहलपुर थाना प्रभारी रीतेश पांडे ने बताया कि नूरी नगर पसियाना गोहलपुर निवासी 55 वर्षीय मोहम्मद मुबीन अपने घर में बकरी बांधने वाले कमरे में देशी शराब बेचने के लिए रखे हुए था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी मोहम्मद मुबीन को गिरफ्तार कर उसके पास से 11 पेटियों में रखे 550 पाव देशी शराब जब्त की है जिसकी कीमत 60 हजार रूपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

धोखाधड़ी : पत्नी के क्लासमेट ने लगाई चपत

एम्स में नौकरी दिलाने के नाम पर 1 लाख की ठगी

हरिभूमि जबलपुर।

एम्स भोपाल में फार्मेसी इंचार्ज के पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर 1 लाख रुपए की धोखाधड़ी का प्रकरण गोरखपुर थाना पुलिस के सामने आया हैं। पीड़ित शिवशक्ति एंकलेव निवासी 38 वर्षीय पुनीत कुमार शर्मा की रिपोर्ट पर आरोपी लखनादौन निवासी अविनाश डेविड के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही हैं। पुलिस के अनुसार पीड़ित पुनीत ने बताया कि आरोपी अविनाश डेविड उसकी पत्नी का क्लासमेट था। जिस वजह से पुनीत की आरोपी से पहचान हुई। आरोपी अविनाश ने अगस्त में पुनीत की पत्नी से चैट पर बात करने के दौरान ऑफर बताया कि एम्स में फार्मेसी इंचार्ज की वैकेंसी है। अविनाश ने कहा कि उसकी एम्स डायरेक्टर से अच्छी बातचीत होती है यदि उसके पति पुनीत जॉब के लिये इच्छुक हों तो बताए। पुनीत की पत्नी ने उससे पूछकर आरोपी अविनाश डेविड से कहा कि उसके पति जॉब करना चाहते हैं, चैट में बातचीत के अनुसार अविनाश डेविड से 5 अगस्त 2025 को बात हुई थी। आरोपी अविनाश ने कहा कि इसमें 1 लाख 50 हजार रुपये का खर्चा आयेगा। जॉइनिंग लेटर के समय एक लाख रुपये तथा ज्वाइनिंग के बाद 50 हजार रुपये देने होगें। 16 अगस्त 2025 को आरोपी अविनाश ने किसी अजय सिंह के मेल आईडी से ज्वाइनिंग लेटर पुनीत की ईमेल आईडी एवं अविनाश की मेल आईडी से मेल आया था। 25 अगस्त को अविनाश डेविड पुनीत के घर आकर 1 लाख रुपये उससे नगद ले गया। 4 सितंबर को उक्त मेल आईडी से ज्वाइनिंग डेट 2 सप्ताह के लिये बढ़ाने का मेल प्राप्त हुआ तो पुनीत ने अविनाश से पूछा। आरोपी अविनाश की बातों से पुनीत को संदेह हुआ कि वह झूठ बोलते हुए गुमराह कर रहा हैं। जिस पर पुनीत ने अविनाश से पैसे वापस करने की बात कही तो वह जल्द लौटाने का आश्वासन देने लगा। कई दिन निकलने के बाद भी आरोपी अविनाश ने पुनीत को रुपए वापस नहीं किए एवं धमकी देने लगा कि जो करना है कर लें। शिकायत जांच पर पाया गया कि आरोपी अविनाश द्वारा पुनीत शर्मा की नौकरी एम्स भोपाल में फार्मसी इंचार्ज के पद पर लगाने के नाम पर 1 लाख 50 हजार रूपये मांगे गए जिसमें से 1 लाख रूपये ज्वाइनिंग लेटर के समय प्राप्त कर ज्वाइनिंग का डेट बढ़ाकर गुमराह करता रहा और पैसे देने से इंकार कर धमकी देने लगा। आरोपी द्वारा विश्वासघात करते हुये धोखाधड़ी कर पैसे हड़पना पाया जाने से आरोपी अविनाश डेविड के विरूद्ध थाना गोरखपुर में शुक्रवार को धारा 318(4), 316(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

जबलपुर में विकास की उड़ानः उप मुख्यमंत्री ने सराहे ननि और महापौर के प्रयास

जबलपुर। उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने शहर के विकास कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया, जिसे मंत्री श्री देवड़ा ने सराहा।

महापौर ने बताया कि माँ नर्मदा नदी को प्रदूषण मुक्त करने में बड़ी सफलता मिली है और अब नदी में नाले का गंदा पानी नहीं मिल रहा। शहर की प्रमुख सड़कें अब गड्ढामुक्त हैं और सीवर लाइन बिछाने का कार्य 96% पूर्ण हो चुका है। जल संकट और जल प्लावन की समस्या भी प्रभावी योजना और क्रियान्वयन से समाप्त हुई है। उप मुख्यमंत्री ने महापौर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, "जबलपुर में नागरिकों के लिए बुनियादी सुविधाओं में लगातार सुधार हो रहा है।" महापौर ने अतिक्रमण हटाने की मुहिम और नगर निगम, जिला व पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्यवाही की सफलता का भी उल्लेख किया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि देश में स्वच्छता सर्वेक्षण में पांचवां और वायु गुणवत्ता में दूसरा स्थान प्राप्त कर नगर निगम ने कीर्तिमान स्थापित किया है।

8 माह में गंदगी फैलाने वालों से 24.82 लाख रुपये से अधिक जुर्माना वसूला

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर, भोपाल और कोटा मण्डलों में स्टेशन परिसर एवं रेलगाड़ियों को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने के लगातार प्रयास जारी हैं। रेलवे प्रशासन नियमित सफाई और यात्रियों को जागरूक करने के साथ-साथ स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी करता है। चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से नवम्बर तक आठ माह में 12,550 व्यक्तियों से कुल 24,82,940 रुपये जुर्माना वसूला गया। अकेले नवम्बर माह में 1,331 व्यक्तियों से 2,70,850 रुपये जुर्माना वसूला गया। रेल प्रशासन ने बताया कि जुर्माने के साथ-साथ ऐसे लोगों को समझाईश भी दी जाती है और स्टेशन परिसर स्वच्छ रखने का आग्रह किया जाता है। यात्रियों से अनुरोध है कि रेलवे को अपनी संपत्ति समझकर गंदगी न फैलाएं और स्वच्छता में सहयोग करें। अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

इस रविवार को भी लगेगा कृषि उपज मंडी में जैविक हाट

जबलपुर। जैविक खेती अपना रहे किसानों को उनके उत्पादों की अच्छी कीमत दिलाने तथा नागरिकों को एक ही स्थान पर रसायन मुक्त उत्पादों की उपलब्ध कराने जिला प्रशासन और कृषि विभाग के संयुक्त प्रयासों से रविवार 14 दिसम्बर को भी कृषि उपज मंडी परिसर में जैविक हाट लगाया जायेगा। ज्ञात हो कि जिला प्रशासन जबलपुर एवं कृषि विभाग द्वारा जैविक हाट बाजार का आयोजन प्रत्येक रविवार को किया जा रहा है। इस रविवार को जैविक हाट का तीसरा आयोजन होगा। उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम के अनुसार जबलपुर जिले में ऐसे बहुत से किसान है जो गैर रसायन आदान सामग्री से साग-सब्जी, फल एवं अनाज उत्पादित कर रहे हैं। ऐसे किसानों को बाजार उपलब्ध कराने इस सप्ताह भी कृषि उपज मंडी प्रांगण जबलपुर में रविवार को 10 बजे से जैबिक हाट लगाया जायेगा। जैविक हाट में किसान अपने उत्पादों को लेकर उपलब्ध रहेंगे। हाट में गेहूं, चना, उड़द दाल, मूंग दाल, अरहर दाल, चावल, आदि अनाज एवं कोदो कुटकी, रागी, चिया सीड आदि मिलेट उपलब्ध रहेगे। साग-सब्जी में पालक भाजी, लौकी, सेम गाजर, टमाटर, बैगन और भी हरी सब्जियां किसान लेकर आएंगे। जबलपुर के प्रगतिशील कृषक उन्नत किस्म के अमरुद, अनार, पपीता, आंवला जैसे फल भी उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराएंगे। ये सभी उत्पाद रासायनिक उर्वरक व कीटनाशकों से मुक्त रहेंगे। इनके उत्पादन के लिए किसानों को भली भांति प्रशिक्षण भी दिया गया है, जिससे बिना उत्पादन घटाये एवं बिना लागत बढ़ायें किसानों ने जैविक विधि से कृषि उत्पादन प्राप्त किया हैं। उप संचालक कृषि ने शहर के नागरिकों से जैविक हाट में आने तथा गुणवत्ता युक्त जैविक उत्पादों को क्रय कर उन किसानों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया है जो इसमें भागीदारी कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से जैविक हाट में कपडे का बैग लेकर आने तथा शहर को पॉलीथिन मुक्त बनाने में सहभागी बनने का अनुरोध भी किया है।

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर एसपी ने किया ईनाम घोषित

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय द्वारा जिले के विभिन्न थानों के फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर ईनाम की घोषणा की हैं। इनमें कैंट थाने के धारा 296, 115(2), 351(3), 3(5) बी.एन.एस. में फरार आरोपी पीर जी का बगीचा निवासी नदीम चारारन पिता मोह. इस्माईल, मोह. अहमद पिता मोह. अमीन, अमीन खान पिता मोह. सरीफ एवं सरीफ खान पिता मोह. सलीम पर 5 हजार रुपए, गढ़ा थानांतर्गत धारा 109(1), 296, 126(2), 3(5) बी.एन.एस. में फरार आरोपी आमनपुर निवासी 28 वर्षीय यशवंत सागोतिया पर 5 हजार, मदन महल थानांतर्गत धारा 109, 3(5) बीएनएस में फरार आरोपी नारायण चौक, द्वारका नगर घमापुर निवासी 28 वर्षीय बाबू उर्फ कृष्णा हासवानी पिता झम्मटमल हासवानी पर 4 हजार, थाना लार्डगंज अंतर्गत धारा 108 बीएनएस में फरार आरोपी रानीताल गेट नंबर 1 निवासी 30 वर्षीय गगन सोनकर पिता भूरा सोनकर पर 4 हजार, हनुमानताल थानांतर्गत धारा 296, 119(1), 351(2) बी.एन.एस. में फरार आरोपी चारखंबा, हनुमानताल निवासी 24 वर्षीय रिंकू अंसारी पिता गुड्डू उर्फ हाजी पर 4 हजार, गोरखपुर थानांतर्गत धारा 420,409 भादवि में फरार आदर्श नगर, ग्वारीघाट रोड निवासी आरोपी मोहित राय पिता आर.के. राय पर 4 हजार, रांझी थानांतर्गत धारा 3/5 धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 में फरार आरोपी शंकर नगर करमेता, माढ़ोताल निवासी 48 वर्षीय विनोद चैम्बर्स पिता स्व. विनय चैम्बर्स, एमजीएम स्कूल रोड निवासी 49 वर्षीय राजीव जॉन पिता डोनाल्ड पिंथ एवं चंदन कॉलोनी रांझी निवासी 65 वर्षीय लखिंदर सिंह पिता स्व. दर्शन सिंह पर 3-3 हजार रुपए, धारा 296, 119(1), 115(1), 124(4), 351(2), 3(5) बी.एन.एस. में फरार आरोपी 22 वर्षीय राज कोल पिता कैलाश, 20 वर्षीय आयुष कोल पिता राकेश, गुप्ता होटल के पीछे कोलाना मोहल्ला निवासी 19 वर्षीय आदित्य कोल पिता मुकेश, इंद्रा नगर, रांझी निवासी 25 वर्षीय सत्यम कुशवाहा पिता शिवकुमार, 18 वर्षीय कमल रैकवार पिता हीरालाल पर 3-3 हजार रुपए, रांझी थाने के ही धारा 296, 324(4), 351(2), 3(5) बी.एन.एस. में फरार आरोपी 25 वर्षीय सत्यम कुशवाह पिता शिवकुमार, 26 वर्षीय राहुल यादव पिता मुन्ना यादव एवं 30 वर्षीय रंजीत उर्फ छोटू ठाकुर पिता रामनरेश ठाकुर पर 3-3 हजार रुपए, बरेला थानांतर्गत धारा 296, 119(1),118(1), 126(2), 351(2), 3(5) बी.एन.एस. के फरार आरोपी कलारी के पीछे गौर निवासी 22 वर्षीय राहुल कुशवाहा उर्फ दीपक उर्फ विधायक कुशवाहा एवं गौर तिराहा सालीवाड़ा निवासी 22 वर्षीय अक्षय क्षत्री पिता हरि बहादुर क्षत्री पर 3-3 हजार रुपए, संजीवनी नगर थानांतर्गत धारा 316(5), 318(4), 61(2), 238 बीएनएस में फरार आरोपी गंगानगर पॉमग्रीन अपार्टमेंट निवासी शैलेन्द्र गौतम पिता रमेश गौतम, पुरवा रोड निवासी प्रकाश बर्मन पिता सुखचैन बर्मन पर 3-3 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की गई हैं।

हरिभूमि
जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा
सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 741.ऋतू ठाकुर पिता\पति विजय सिंग ठाकुर पता- ब्रम्हदेव कॉलोनी भाठा गाँव, 742. ओमप्रकाश देवांगन पिता\पति शरद कुमार देवांगन पता- दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर, 743. पूरण दास टंडन पिता\पति स्व. शिव दास टंडन पता- रामेश्वर नगर भनपुरी वार्ड न.-04 रायपुर, 744. हेमंत वर्मा पिता\पति बी.आर.वर्मा पता– रायपुर, 745. नूतनलता पिता\पति स्व. लखन लाल पता- सिद्धार्थ चौक टिकरापारा, 746. संतोष धीवर पिता\पति श्री पालू राम धीवर पता- ग्राम व पोस्ट सारागांव, 747. अंजना यादव पिता\पति जगत राम यादव पता- संजय नगर रायपुर, 748. आरती धीवर पिता\पति नारायण धीवर पता- मठपारा रायपुर, 749. मुकेश कुमार बैस पिता\पति राजेंद्र कुमार बैस पता- भाटागांव रिंग रोड रायपुर, 750. डी.डी. मेश्राम पिता\पति किशन मेश्राम पता- डॉ. राजेंद्र नगर रायपुर, 751. गौतम लाल साहू पिता\पति दरबारी राम साहू पता- परसवानी मगरलोड, 752. भोजेंद्र कुमार साहू पिता\पति स्व. जयसिंह साहू पता- नयापारा गोपुलपुर वार्ड धमतरी, 753. तोषण कुमार साहू पिता\पति चुम्मन लाल साहू पता- कातलबोड कोकड़ी, 754. यशोदा पाल पिता\पति पूरण पाल पता- करेली बड़ी, 755. हेमपुष्पा साहू पिता\पति गोपीचंद साहू पता- मुड़ पार सुरगी राजनादगांव, 756. रमेश रामटेके पिता\पति स्व. रामा रामटेके पता- डोंगरगढ़ गाँव, 757. लखन लाल अहीर पिता\पति स्व. अमरसिंह अहीर पता- डोंगरगढ़ गाँव, 758. शम्भू नाग पिता\पति सुखदेव नाग पता- जगदलपुर, 759. हुमैरा कुरैशी पिता\पति जाकिर कुरैशी पता- पिथौरा, 760. दिलशान खान पिता\पति असगर खान पता- गुप्ता पारा वार्ड न.14, 761. बासुदेव वर्मा पिता\पति विश्राम वर्मा पता- धाराशिव लवन, 762. ईशांत देवांगन पिता\पति स्व. रघु राम देवांगन पता-सरगीपाल कोंडागांव, 763. अंजू पाण्डेय पिता\पति अश्वनी पाण्डेय पता- गणेश नगर रावण भाठा जामुल भिलाई, 764. N.K. दुबे पिता\पति श्री G.L दुबे पता-ईतवारी MP (BHILAI), शोभना यादव पिता\पति एम.पी. यादव पता-न्यू बोरसी दुर्ग, 765. महेंद्र देशमुख पिता\पति पवन कुमार देशमुख पता- गंज पारा दुर्ग, 766. पूर्णिमा चौहान पिता\पति घनश्याम चौहान पता- सुपेला भिलाई दुर्ग, 767. ख़ुशी साहू पिता\पति उपेन्द्र कुमार साहू पता- कुरूद, 768. भोज कुमार पिता\पति श्री आत्माराम पता- EWS -700 आदित्य नगर, 769. जय शोभा शोंड़े पिता\पति स्व. श्री श्रवण कुमार पता- भिलाई नगर सेक्टर-06, 770. सोनल निर्मलकर पिता\पति धन्नू लाल निर्मलकर पता- मैथिल पारा वार्ड न.-32 दुर्ग, 771. सुमन यादव पिता\पति कृष्णा यादव पता-नेहरु नगर उतई वार्ड क्र.09, 772. प्रिया सोनी पिता\पति नीलेश सोनी पता- वार्ड न.-19 बेमेतरा, **बिलासपुर संस्करण–** 773. राजेश शर्मा पिता /पति ईश्वर प्रसाद शर्मा पता- भटगांव बालको, 774. मनीष कुमार साहू पिता/पति गोपाल साहू पता- डोड़की बालको, 775. अनूप प्रकाश पिता/पति स्व. मसीह प्रकाश पता- कोरबा, 776. पूर्वा श्रीवास पिता/पति ईश्वर कुमार श्रीवास पता- भैरव ताल कोरबा, 777. रीतिका सोनी पिता /पति विक्की सोनी पता- मिशन रोड कोरबा, 778. बजरंग अग्रवाल पिता/पति आर.एन. अग्रवाल पता- टी.पी. नगर कोरबा, 779. नम्रता गान साहू पिता/पति घनश्याम साहू पता- पुलिस लाइन बालकों, 780. भुवन सिंह बिझवार पिता/पति स्व. मनहरण सिंह पता- मड़वारानी, 781. मनीषा वैष्णव पिता/पति मनहरण वैष्णव पता - सियाही मुड़ी, 782. अंकिता वैष्णव पिता/पति प्रमोद वैष्णव पता- सियाही मुड़ी, 783. रामायण सिंह पिता/पति उखाजी पता- मिशन रोड रामसागर पारा, 784. राहुल साहू पिता/पति राजेश्वर कुमार साहू पता- रामपुर कोरबा, 785. राजेन्द्र विश्वकर्मा पिता/पति परदेसी विश्वकर्मा पता- मानस नगर, 786. श्रुति पटेल पिता/पति श्री शिव कुमार पटेल पता- दरी कैलास नगर, 787. तरुण पिता /पति रेशम लाल पता- गेवरा घाट कोरबा, 788. दिलीप यादव पिता/पति पुनराम यादव पता- कोरबा, 789. सुनील दास कुलदीप पिता/ पति सुकृत दास कुलदीप पता- सियाही मुडी दर्रि कोरबा, 790. दशरथ शर्मा पिता/पति आर.एस. शर्मा पता- शांति नगर बालको, 791. संजय गजभईये पिता/पति टी.डी.गजभईये पता – बालको, 792. संतोषी श्रीबास पिता/पति सनत श्रीवास पता- रामशान रोड नेहरू नगर बालको, 793. सिधारार्थ डहरे पिता/पति धीरज डहरे पता- परसाभाठा बालको, 794. खयाती कुमारी निषाद पिता/पति राकेश कुमार निषाद पता- मुड़ पारा कोरबा, 795. बलराम सारथी पिता/पति देव प्रसाद सारथी पता- नेहरू नगर बालको, **भोपाल संस्करण –** 796. ललित शर्मा पिता\पति जगदीश प्रसाद शर्मा पता- वार्ड नं 15 रविन्द्र नाथ टैगोर विदिशा रोड, 797. हीतांशु पिता\पति प्रेम नारायण साहु पता- मकान न.-73 वार्ड नं.-73 नियर दुर्गा मंदिर, 798. मानवी पिता\पति संतोष बौरासी पता- जनता नगर करोंद, 799. अनिता सिंह पिता\पति लाल बहादुर सिंह पता- 108 त्रिवेणी नगर करोंद, 800. सुमित कुशवाह पिता\पति नारायण सिंह कुशवाह पता- विदिशा, 801. राजकुमार जैन पिता\पति नरेन्द्र कुमार जैन पता- दुर्गा नगर विदिशा, 802. धुरव दांगी पिता\पति ब्रजेश दांगी पता- बंटी नगर विदिशा, 803. हरिराम विश्वकर्मा पिता\पति चिरोंजी लाल पता- शंकर नगर विदिशा, **जबलपुर संस्करण –** 804. अभिषेक पिता\पति अजय पता- सिंगौड़ी, 805. वेदिका पिता\पति संदीप पता-सिंगौड़ी, 806. अर्पण साहू पिता\पति प्रतीक साहू पता- सिंगौड़ी, 807. पलक साहू पिता\पति कृष्ण लाल साहू पता- सिंगौड़ी, 808. नमामि राय पिता\पति विवेक राय पता- सिंगौड़ी, 809. अर्थव साहू पिता\पति प्रतीक साहू पता- सिंगौड़ी, 810. पूजा राय पिता\पति पुरुषोत्तम राय पता- सिंगौड़ी, 811. ललित हरिजन पिता\पति सुशील हरिजन पता- वार्ड नंबर 1 बिरसिंहपुर पाली उमरिया।

नियम एवं शर्तें लागू*
शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

नगर परिषद मझौली में लोक अदालत का आयोजन

मझौली। नगर परिषद मझौली में शनिवार को लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें करों एवं अन्य मदों में कुल 5 लाख 69 हजार 570 रुपये की वसूली की गई। लोक अदालत के दौरान संपत्ति कर के अंतर्गत 2 लाख 92 हजार 233 रुपये, जल कर से 67 हजार 573 रुपये तथा अन्य मदों में 2 लाख 9 हजार 764 रुपये की वसूली की गई।

इस अवसर पर नगर परिषद मझौली के लक्ष्मी नारायण राजपूत, प्रभारी विश्वनाथ नेटी, राम सजीवन चौधरी, रमेश साहू, आनंदराज दुबे, दिलीप साहू, पल्स दीप जती, अनिल रैकवार, शैलेश सहित समस्त नगर परिषद कर्मचारी उपस्थित रहे।

लिटिगेशन के 115 प्रकरणों में एक करोड़ के अवार्ड पारित, प्रिलिटिगेशन के 477 प्रकरणों में 7461592 के अवार्ड पारित

नेशनल लोक अदालत में अनेक लोग हुए लाभन्वित

सिहोरा। माननीय कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन व्यवहार न्यायालय सिहोरा मे किया गया। जिसका शुभारंभ श्री सुधांशु सिन्हा जिला न्यायाधीश (तृतीय) के द्वारा माँ सरस्वती वंदना कर किया गया। जिसमे श्री श्याम सुन्दर झा जिला न्यायाधीश (प्रथम),अजय उइके न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,श्रीमती खालिदा तनवीर खान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,सुश्री उर्वशी यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट,प्रथम श्रेणी,सुश्री दीपशिखा दांगी,न्यायिक मजिस्ट्रेट,प्रथम श्रेणी एवं अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रविदीप सिंह बैस सहित सम्माननीय अधिवक्तागण उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत मे व्यवहार न्यायालय सिहोरा मे राजीनामा के आधार पर न्यायालय मे लंबित (लिटिगेशन प्रकरण) 914 प्रकरण रखे गये जिसमे से 115 प्रकरणों का निराकरण किया गया, 10487482 रूपये (अंकन-एक करोड़ चार लाख **सत्तासी हजार चार सौ बयासी) रूपये का अवार्ड पारित किया गया। इसी प्रकार प्रीलिटिगेशन के 3468 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये जिसमे 477 प्रकरणों का निराकरण कर7461592रूपये (चौहत्तर लाख इकसठ हजार पांच सौ बन्नावे) का अवार्ड पारित किया गया।**

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री सुधांशु सिन्हा जिला न्यायाधीश (तृतीय) सिहोरा के न्यायलय में लंबित लिटिगेशन के रखें गये 13 प्रकरणो में से 9 प्रकरणो का निराकरण करते हुऐ 420000 का अवार्ड पारित किये गये तथा प्रिलिटिगेशन के रखे गये दो प्रकरण में एक का निराकरण किया गया।श्री श्याम सुन्दर झा जिला न्यायाधीश (प्रथम) सिहोरा न्यायलय में लिटिगेशन के 525 प्रकरण में से 51प्रकरण का निराकरण कर 5926710 का अवार्ड पारित किया गया तथा प्रिलिटिगेशन के 1170 प्रकरण में से 114 प्रकरण का निराकरण कर 843283 का अवार्ड पारित किया गया। श्री अजय उईके न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायलय में लिटिगेशन के 321 प्रकरण में से 22 प्रकरण का निराकरण कर 1325711 का अवार्ड पारित किया तथा प्रिलिटिगेशन के 1505 प्रकरण में से 293 प्रकरण का निराकरण कर 747532 का अवार्ड पारित किया ।श्रीमती खालिदा तनवीर खान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायलय में लिटिगेशन के 13 प्रकरण में से 04 प्रकरण का निराकरण तथा प्रिलिटिगेशन के 242 प्रकरण में से 2 प्रकरण का निराकरण कर 109000का अवार्ड पारित किया। उर्वशी यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायलय में लिटिगेशन के 14 प्रकरण में से 14 प्रकरण का निराकरण कर 1115000 का अवार्ड पारित तथा प्रिलिटिगेशन के 52 प्रकरण में से 52 प्रकरण का निराकरण कर 5490000 का अवार्ड पारित किया।सुश्री दीपशिखा दांगी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायलय में लिटिगेशन के 28 प्रकरण में से 15 प्रकरण का निराकरण कर 1700061 का अवार्ड पारित किया तथा प्रिलिटिगेशन के 497 प्रकरण में से 14 प्रकरण का निराकरण कर 271400का अवार्ड पारित किया

व्हीएफजे में एवीएनएल चेयरमैन कप 2025 का भव्य शुभारंभ

जबलपुर। व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर (व्हीएफजे) में आज निर्माणी के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रवीण कुमार के मुख्य आतिथ्य में एवीएनएल चेयरमैन कप 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। श्री कुमार ने एवीएनएल ध्वज फहराकर और मशाल रैली करके कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। साथ ही दीप प्रज्वलन कर खेल प्रतियोगिताओं की सफलता की कामना की। व्हीएफजे के स्पोर्ट्स ऑफिसर श्री प्रणव प्रियांक ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि 13 से 18 दिसंबर तक आठ प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी और सभी खिलाड़ियों को खेल सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। उद्घाटन समारोह में व्हीएफजे, हैवी व्हीकल फैक्ट्री चेन्नई, इंजन फैक्ट्री चेन्नई, मशीन एवं प्रोटोटाइप फैक्ट्री अंबरनाथ और ऑर्डनेंस फैक्ट्री मेडक के खिलाड़ी शामिल हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में महिला कल्याण समिति एवीएनएल द्वारा संचालित स्कूलों अंकुर विद्या मंदिर और विद्या मंदिर के बच्चों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं, जबकि व्हीएफजे सांस्कृतिक कला परिषद के कलाकारों ने संगीत प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य अतिथियों ने सांकेतिक मैच खेलकर और गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि श्री प्रवीण कुमार ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह टूर्नामेंट टीम बिल्डिंग, सहयोग और व्यक्तित्व विकास का उत्कृष्ट मंच है। कार्यक्रम का समापन श्री गौरव दीक्षित द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर श्री टी. डोलाशंकर, श्री आशुतोष कुमार, श्री रामेश्वर मीणा, श्री बी. राजेश कन्ना, श्री प्रणव प्रियंक सहित अन्य महाप्रबंधक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

देर रात साहू से मिलने पहुंचे अपर कलेक्टर

सिहोरा। देर रात जिला प्रशासन की तरफ से सिहोरा जिले की मांग को लेकर आमरण अनशन कर रहे प्रमोद साहू से मिलने अपर कलेक्टर नाथुराम गौड़ के अलावा सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े, जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल,पूर्व विधायक दिलीप दुबे, पूर्व जिलाध्यक्ष रानू तिवारी ने सिविल अस्पताल पहुंचकर उपमुख्यमंत्री से मिले आश्वासन से उन्हें अवगत कराते हुए शीध्र मुख्यमंत्री से वार्ता का आश्वासन देते हुए जूस पिलाया। हालाकी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रचारक साहु ने जिला बनाने तक क्रमिक अनशन का संकल्प दोहराया है।

कैमरों की निगरानी में हो उपार्जन : कुंजाम

तहसीलदार ने किया धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण

सिहोरा

सिहोरा में धान खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शीता के साथ सरल एंव सुगम बनाने के उद्देश्य से तहसीलदार सिहोरा रूपेश्वरी कुजांम ने धान खरीदी केंद्र जय भवानी वेयर हाउस का निरीक्षण किया।

औचक निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्र में तय मानकों के तहत खरीदी हो तौलाई,बारदाना उपलब्धता,किसानों के लिए पेय जल,टेन्ट,सुरक्षा व्यवस्था,सी सी टी व्ही कैमरे की व्यवस्थाओं के साथ कंट्रोल रूम वाईफाई स्थापित करने के निर्देश दिए। तथा मैदानी स्तर पर समीक्षा की।धान खरीदी केंद्र प्रभारी और समिति सदस्यों को निर्देशित करते हुए तहसीलदार ने कहा कि किसानों को तुलाई के दौरान किसी भी प्रकार की देरी या असुविधा न हो किसानों के लिए बडे. टेंट की व्यवस्था की जाये।

खरीदी केंद्रों में खरीदी पारदर्शी तरीके से की जाए तथा 24 घंटे कैमरे चालु रहे खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पटवारी प्रीति साहू के साथ अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

इनका कहना है

सभी केन्द्रों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ कैमरे चालु रखने के निर्देश खरीदी प्रभारी तथा समिती प्रवंधको को दिये गये है।

रुपेश्वरी कुंजाम
तहसीलदार सिहोरा

ट्रांसको ने सायबर क्विज का आयोजन

जबलपुर के सैयद, योगेश जैन पहले और दूसरे स्थान पर रहे

जबलपुर

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) द्वारा कार्मिकों के साथ उनके परिवारजनों को जोड़ते हुए पहली बार साइबर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

इस साइबर क्विज के माध्यम से साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन फ्रॉड, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार आदि विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे गए, जिनके जरिए प्रतिभागियों की समझ और सतर्कता को परख कर उन्हें सही उत्तर बताये गए। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न ट्रांसको कार्यालय के 85 कार्मिकों और उनके पारिवारिक सदस्यों सहित कुल 198 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

जबलपुर के सैयद अली रहे प्रथम

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जबलपुर स्काडा सेंटर के सैयद आज़म अली ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर मुख्य वित्त अधिकारी जबलपुर कार्यालय मे पदस्थ

योगेश जैन और तृतीय स्थान सिवनी के कार्यपालन अभियंता विकास भरिया को हासिल हुआ। क्विज आयोजित करने में प्रोग्रामर प्रवीण शुक्ला का विशेष योगदान रहा।

साइबर सुरक्षा को परिवार तक पहुंचाना उद्देश्य

इस अभिनव पहल के सूत्रधार डाक्टर हिमांशु श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण पहल से इस अनूठी साइबर क्विज की शुरुआत संभव हो सकी। इस पहल का उद्देश्य साइबर अवेयरनेस को रोचक एवं सहभागितापूर्ण तरीके से कार्मिकों और उनके परिवारजनों तक पहुँचाना है।

डाक्टर हिमांशु ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ प्रश्नोत्तर के माध्यम से साइबर सुरक्षा के प्रति सजगता बढ़ाने में प्रभावी सिद्ध होती हैं। एम.पी. ट्रांसको द्वारा भविष्य में भी इस तरह की सहभागितामूलक जागरूकता गतिविधियाँ हर माह आयोजित किए जाने की योजना है।

प्रबंध संचालक ने विजेताओं दी बधाई

एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक ने इस अनोखी क्विज आयोजित करने के लिए संयोजक और प्रतिभागियों का अभिनंदन करते हुए विजेताओं को बधाई प्रेषित की है उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्यों को भी साइबर सतर्कता से जोड़ना एक अनुपम पहल है।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी में दो सप्ताह का ऑटोकैड प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

परियोजना के प्रारंभ से समाप्ति तक है ऑटोकैड की महत्ता

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी (MPPGCL) अपने अभियंताओं के सतत विकास के लिए प्रयासरत है, इसी परिप्रेक्ष्य में कंपनी द्वारा सिविल इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग व परियोजना उत्पादन निकाय से संबद्ध अभियंताओं के लिए को दो सप्ताह का ऑटोकैड प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रथम चरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में 10 अभियंताओं को ऑटोडेस्क प्रमाणित केन्द्र के मुख्य प्रशिक्षक अविनाश विश्वकर्मा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में ऑटोकैड के सभी उपयोगी फीचर्स जैसे टू-डी, थ्री-डी मॉडलिंग , लेयर बनाना, डाइमेंशनिंग, लेआउट, प्लाटिंग, एडिटिंग, रेंडरिंग आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। पावर जनरेटिंग कंपनी के अधीक्षण अभियंता प्रशिक्षण डॉ. अशोक तिवारी ने जानकारी दी कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 10-10 अभियंताओं के तीन चरणों में ऑटोकैड का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए उत्कृष्ट व अनुभवी प्रशिक्षकों का चयन किया गया है।

प्रथम चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर पावर जनरेटिंग कंपनी के मुख्य अभियंता मानव संसाधन व प्रशासन डीके कश्यप, संयुक्त सचिव मनीष कटारे व कार्मिक अधिकारी वर्तिका गुरबानी उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी प्रशिक्षु अभियंताओं को ऑटोडेस्क प्रमाणित ऑटोकैड प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। मुख्य अभियंता डीके कश्यप ने कहा कि वर्तमान में अभियंताओं के लिए ऑटोकैड प्रशिक्षण इसलिए जरूरी है क्योंकि सभी ड्राइंग्स एवं डिजाइन में ऑटोकैड का महत्वपूर्ण योगदान है। किसी भी परियोजना के प्रारंभिक दौर से लेकर के परियोजना समाप्त होने तक सभी ड्राइंग्स एवं डिजाइन ऑटोकैड पर ही बनाई जाती है, इसलिए सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल आदि सभी इंजीनियरों को ऑटोकैड में पारंगत होना आवश्यक है। कार्मिक अधिकारी वर्तिका गुरबानी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयोजन किया।

गीता भवन में लगेगी बच्चों के बनाए स्वच्छता के चित्र

मुख्यमंत्री करेंगे अवलोकन : महापौर

जबलपुर। नगर निगम के सहयोग से साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संस्था मित्रसंघ के संयोजन में भंवरताल पार्क में लगातार चतुर्थ वर्ष एक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वच्छता ,'जीरो वेस्ट' की थीम पर आधारित इस प्रतियोगिता में शहर के हजारों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों के एक वर्ग ने वीरांगना रानी दुर्गावती के कार्यकाल में जलसंरक्षण के विषय पर भी चित्र बनाये। इस प्रतियोजित में 3100 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर छात्रों को स्वच्छता का महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा, ''गंदगी को हटाना है, और स्वच्छता को अपनाना है'' और सभी से अपने शहर को साफ और सुंदर बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। महापौर ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों में कम उम्र से ही पर्यावरण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा होती है। महापौर अन्नू ने घोषणा कि की विजेता बच्चों के द्वारा बनाये गए चित्रों को घंटाघर कन्वेंसशनल सेण्टर में निर्मित होने जारहे गीता भवन में लगाया जायेगा। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव से बच्चों की भेंट करवाकर उनका उत्साहवर्धन कर उन्हें आशीर्वाद भी दिया जायेगा।

विजेताओं को मिले पुरस्कार

महापौर श्री अन्नू के हाथों प्रतियोगिता के प्रतिभाशाली विजेताओं को सम्मानित किया गया। ग्रुप ''ए'' के विजेता स्पर्श विश्वकर्मा प्रथम, अबू सूफिरतन द्वितीय एवं वेदिका साहू तृतीय इसी प्रकार ग्रुप ''बी'' के विजेता यश पटैल प्रथम, बलविन्दर कौर द्वितीय, आरोही श्रीवास्तव तृतीय को क्रमशः 5100, 2100 और 1100 रुपये के नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही, महापौर श्री अन्नू ने अपनी ओर से भी इन सभी 6 विजेता छात्र-छात्राओं को 1-1 हजार रुपये की अतिरिक्त राशि उपहार स्वरूप प्रदान की। इसके अलावा, सात-सात छात्र-छात्राओं को नगद सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए।

ये रहे उपस्थित

चित्रकला प्रतियोगिता के मंच पर महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के साथ निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, पार्षद श्रीमती माधुरी सोनकर, महेश राजपूत, श्रीमती अंजना मनीष अग्रहरि, श्रीमती अर्चना सिसोदिया, श्रीमती शारदा कुशवाहा, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, मित्रसंघ के अध्यक्ष सच्चिदानंद शेकटकर और सयोजक परितोष वर्मा, राहुल अग्रवाल, शालिनी वर्मा, विजेंद्र यादव, महेश झरिया के साथ प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के श्रीमती दीपा अग्रवाल, संचालिका आकृति कल इंस्टीट्यूट, राकेश तिवारी, ड्राइंग एंड पेंटिंग डिपार्टमेंट माता गुजरी कॉलेज, मिस संजीत कौर छाबड़ा ड्राइंग एंड पेंटिंग डिपार्टमेंट आर्मी स्कूल सदस्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उद्घोषक सत्यम तिवारी के किया।

जबलपुर के यश घनघोरिया को अहम जिम्मेदारी

कांग्रेस के टैलेंट हंट में युवा नेतृत्व पर भरोसा

जबलपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस में संगठन को मजबूत करने और नए चेहरों को आगे लाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। प्रदेश कांग्रेस ने प्रवक्ताओं के चयन के लिए टैलेंट हंट कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है, जिसमें जबलपुर से ताल्लुक रखने वाले और वर्तमान में प्रदेश युवक कांग्रेस अध्यक्ष यश घनघोरिया को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यश घनघोरिया का समिति में शामिल होना न सिर्फ जबलपुर बल्कि महाकौशल अंचल के लिए भी राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यह समिति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार बनाई गई है। समिति का उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से ऐसे प्रवक्ताओं का चयन करना है, जो संगठन की विचारधारा, नीतियों और जनता के मुद्दों को प्रभावी और संवेदनशील तरीके से सामने रख सकें। जबलपुर के युवा नेता यश घनघोरिया को समिति में सदस्य बनाए जाने को संगठन में युवाओं पर बढ़ते भरोसे के तौर पर देखा जा रहा है। यश घनघोरिया लंबे समय से युवक कांग्रेस के माध्यम से जमीनी राजनीति में सक्रिय हैं और युवाओं के मुद्दों को मुखरता से उठाते रहे हैं। उनकी नियुक्ति से यह संकेत भी मिल रहा है कि कांग्रेस आने वाले समय में युवा नेतृत्व को आगे कर संगठन को नई ऊर्जा देना चाहती है।

हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया के बीच एक और चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक का नाम इस टैलेंट हंट समिति में शामिल नहीं किया गया है। मीडिया प्रमुख को समिति का चेयरमैन या सदस्य न बनाए जाने से संगठन के भीतर सवाल उठ रहे हैं और इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं।

टैलेंट हंट समिति के अध्यक्ष के रूप में अभय तिवारी, प्रभारी मीडिया एवं कम्युनिकेशन को जिम्मेदारी दी गई है। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस संगठन में प्रतिभाशाली और विचारशील साथियों को उचित अवसर देना पार्टी का संकल्प है। 'टैलेंट हंट' अभियान कांग्रेस के भविष्य के प्रवक्ताओं को पहचानने और उन्हें मंच देने का सशक्त माध्यम बनेगा। उनका यह बयान साफ करता है कि पार्टी आने वाले समय में नई पीढ़ी को जिम्मेदारी देकर संगठन को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर, टैलेंट हंट समिति में जबलपुर के यश घनघोरिया की सक्रिय भूमिका से यह उम्मीद की जा रही है कि महाकौशल क्षेत्र से भी नए और प्रभावी प्रवक्ता सामने आएंगे, जो कांग्रेस की आवाज को मजबूती से प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर रख सकेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने अनशनरत साहू से की बात

16 दिसंबर को मुख्यमंत्री से वार्ता का आश्वासन सिहोरा जिला बनवाने के लिए भूख हड़ताल जारी

सिहोरा

सिहोरा जिला बनाए जाने की मांग को लेकर जारी आंदोलन ने अब सरकार के शीर्ष स्तर तक दस्तक दे दी है। जबलपुर आए उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने अनशनरत प्रमोद साहू से फोन पर बातचीत की और आश्वासन दिया कि मंगलवार 16 दिसंबर को भोपाल में होने वाली कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री से सीधी वार्ता कराई जाएगी। इसके बावजूद पांचवें दिन भी सिहोरा और खितौला में बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला। सर्व दलीय लक्ष्य जिला आन्दोलन समिति ने कहा मुख्यमंत्री से निर्णायक वार्ता और ठोस आश्वासन मिलने तक प्रमोद साहू का आमरण अनशन और धरना स्थल पर क्रमिक अनशन यथावत जारी रहेगा। इधर कलेक्टर जबलपुर की मध्यस्थता में आंदोलन समिति का प्रतिनिधिमंडल जबलपुर में वित्त मंत्री एवं प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा से मिला।इस दौरान सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े के साथ समिति के विकास दुबे,सुशील जैन,रमेश पटेल,शिशिर पांडे,साधना जैन एवं अरुण जैन आदि शामिल रहे। इस बैठक में वित्त मंत्री की ओर से यह आश्वासन दिया गया कि 16 दिसंबर को कैबिनेट

बैठक के बाद मुख्यमंत्री से आंदोलनकारियों की वार्ता कराई जाएगी और सिहोरा जिला की मांग पर गंभीरता से विचार होगा। शनिवार को क्रमिक अनशन में संतोष वर्मा,ललित दुबे,अरविंद श्रीवास्तव,उमेश चौबे 24 घंटे के सत्याग्रह में बैठे। हालांकि आंदोलन समिति ने दो टूक कहा है कि जब तक मुख्यमंत्री से प्रत्यक्ष और निर्णायक संवाद नहीं होता तब तक आंदोलन और सत्याग्रह वापस नहीं लिया जाएगा।

श्री मोती लाल- गुप्तेश्वर शहीद गुलाब सिंह वार्ड निवासी श्री मोती लाल (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री सीताराम शर्मा- शिवनगर गढ़ा निवासी श्री सीताराम शर्मा (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शारदा बेन- शीतलामाई ताड़ी खाना के पास निवासी श्री शारदा बेन (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जगत नारायण शुक्ला- सुहागी अधारताल निवासी श्री जगत नारायण शुक्ला (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती यशोदा बाई ठाकुर- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री आरके ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती यशोदा बाई ठाकुर (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सरजू प्रसाद खरे- नारायण नगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री सरजू प्रसाद खरे (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुमित्रा सोंधिया- कुचबंधिया मोहल्ला नेहरू वार्ड निवासी श्री रामदीन सोंधिया की धर्मपत्नी श्रीमती सुमित्रा सोंधिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विजय मोरवाल - कछपुरा ब्रिज के पास गढ़ा निवासी श्री विजय मोरवाल (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुशील विश्वकर्मा- ओम कला मंदिर रोड चांदमारी लालमाटी निवासी श्री सुशील विश्वकर्मा (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गुलाब बर्मन- छापर मांडवा बृजमोहन नगर रामपुर निवासी श्री गुलाब बर्मन (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उषा ठाकुर- शीतलामाई वार्ड निवासी श्री कैलाश नारायण ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती उषा ठाकुर (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री श्रीराम सोनी- यादव कॉलोनी प्रगति कॉलोनी निवासी श्री श्रीराम सोनी (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लक्ष्मी नारायण गुप्ता- सूजी मोहल्ला मिलौनीगंज निवासी श्री लक्ष्मी नारायण गुप्ता (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मदन शुक्ल- संजय नगर अधारताल निवासी श्री गोरे लाल शुक्ल के पुत्र श्री मदन शुक्ल (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 90/- प्रति क्वाकार से.मी.
सिंगल साइज:- 3x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
डबल साइज:- 5x4 से.मी. रंगीन 400/-
डबल साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362160

ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई, अवैध तरीके से बेच दिए 15 बंधक प्लॉट... तीन डायरेक्टरों पर एफआईआर

डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर संतोष कुमार सिंह, संजीव जायसवाल और अनिरुद्ध देव को बनाया आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शासन के स्वामित्व में बंधक प्लॉट अवैध रूप से बेचने के मामले में डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के तीन डायरेक्टरों के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने शिकंजा कसा है। जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में ईओडब्ल्यू ने एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

शुरूआती जांच में पता चला कि कंपनी के डायरेक्टरों ने सरकार के आधिपत्य में बंधक रखे भूखंडों को गलत तरीके से बेचकर खुद को फायदा और सरकारी खजाने को हानि पहुंचाई है। इन पर आरोप डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर संतोष कुमार सिंह, संजीव जायसवाल और अनिरुद्ध देव को आरोपी बनाया गया है। जांच में कंपनी के कई अन्य संबंधित संदिग्ध व्यक्तियों के नाम भी सामने आए हैं। ईओडब्ल्यू की टीम इनकी भूमिका की जांच कर रही है। जांच बढ़ने के साथ ही आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है।

ऐसे किया आरोपियों ने फर्जीवाड़ा

ईओडब्ल्यू की जांच में पाया गया कि इंदौर के आइकॉनस लैंडमार्क-1 और आइकॉनस लैंडमार्क-2 प्रोजेक्ट के कुल 249 भूखंड विकास के बदले कॉलोनी सेल, इंदौर में सरकार के पक्ष में बंधक रखे गए थे। नियमों के मुताबिक इन भूखंडों का स्वामित्व कार्यपूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त होने तक सरकार के पास ही रहता है। बिना अनुमति इनके विक्रय पर प्रतिबंध होता है। इसके बावजूद कंपनी के डायरेक्टरों ने कायदों को धता बताते हुए 15 भूखंड बेच दिए। इस दौरान उनके द्वारा बिना किसी सूचना और कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र प्राप्त किए बिना ही सौदा किया गया। खुलासा होने के बाद धोखाधड़ी और जालसाजी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दस्तावेजों को खंगाल रही एजेंसी

भूखंडों के अवैध रूप से सौदा करने के इस फर्जीवाड़े के खुलासा के बाद अब ईओडब्ल्यू की टीम संबंधित खरीदारों, संदिग्ध दस्तावेजों और सरकारी खजाने को हुए नुकसान का आकलन कर रही है। ईओडब्ल्यू की टीम के मुताबिक जांच में अभी कई और नाम सामने आ सकते हैं। उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

डॉ. मनीषा उपेंद्र कोठेकर बनी एनसीआईएसएम की चेयरपर्सन

भोपाल। एनसीआईएसएम की नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार प्रमुख पदों पर नई नियुक्तियां की गई हैं। आईईएस विवि के एडमिन मैनेजर डॉ. पुनीत अजमेरिया और नीमा छात्र संघ के अध्यक्ष डॉ हरेंद्र सिंह भदौरिया ने भी सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। डॉ भदौरिया ने बताया कि डॉ. मनीषा उपेंद्र कोठेकर को एनसीआईएसएम की चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। डॉ भदौरिया ने नई कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए कहा कि एनसीआईएसएम में हुई ये नियुक्तियां पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को वैश्विक मानकों पर ले जाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं।

काचेगुड़ा-मदार स्पेशल ट्रेन 24 दिसंबर से

भोपाल। यात्रियों की बढ़ती मांग और सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने काचेगुड़ा, मदार-काचेगुड़ा के बीच एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन भोपाल मंडल के महत्वपूर्ण स्टेशनों इटारसी और भोपाल होकर संचालित होगी। गाड़ी संख्या 07733 काचेगुड़ा-मदार स्पेशल 23 दिसंबर को रात 11.30 बजे काचेगुड़ा से रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन भोपाल रात 11.10 बजे पहुंचेगी। इसके बाद यह तीसरे दिन दोपहर 1.00 बजे मदार स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में यह भोपाल सुबह 10.10 बजे पहुंचेगी। इसके बाद यह ट्रेन तीसरे दिन सुबह 10 बजे काचेगुड़ा पहुंचेगी।

लिव इन पार्टनर की हत्या, प्राइवेट पार्ट जलाया, किसी और व्यक्ति के साथ देख प्रेमी ने बेलन से पीटकर मार डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

धार पुलिस ने धामनोद में महिला की हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। महिला को लिव इन पार्टनर ने ही मौत के घाट उतारा था। उसने महिला को किसी और के साथ आपत्तिजनक हालात में देख लिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। 9 दिसंबर 2025 को धामनोद के पुराने रैदास मोहल्ले में सुनीता उर्फ कुंता का शव मिला था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। शुक्रवार को आई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उसकी बॉडी पर मारपीट, जलने के निशान और प्राइवेट पार्ट पर सूजन पाई गई। उसके हाथ-पैर भी मुड़े हुए थे, जिससे महिला के साथ क्रूरता करने की बात स्पष्ट हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि सुनीता पिछले कई वर्षों से अपने पति से अलग होकर अजय उर्फ रवि चौहान के साथ लिव इन में रह रही थी।

मौके पर ही मौत

पुलिस ने बताया कि घटना वाले दिन अजय काम करके घर लौटा तो सुनीता को एक अन्य व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक हालात में देखा। अजय को देखकर वह मौके से भाग गया। अजय ने गुस्से में आकर किचन में रखे बेलन से सुनीता के सिर पर कई वार किए। वह जमीन पर गिर गई। अजय ने माचिस से सुनीता के प्राइवेट पार्ट को भी जलाया। ज्यादा खून बहने से सुनीता की मौके पर ही मौत हो गई।

बल प्रमुख ने संजय टाइगर रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर को भेजा नोटिस, कहा घटनाएं चिंताजनक

मध्य प्रदेश में अब तक 50 बाघों की मौत, पिछले 25 सालों का टूटा रिकॉर्ड

कई वन्य जीवों की मौत बिजली, सड़क दुर्घटना और रेल के कारण से हुई है

वहीद खान ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में बाघों की मौत का आंकड़ा पिछले 25 सालों का टूट गया है। मध्य प्रदेश में यह काफी लंबे समय के बाद हुआ है कि 1 साल के भीतर 50 बाघों की मौत हुई है। देश भर में बाघों की मौत के मामले में मध्य प्रदेश नंबर वन हो चुका है। लगातार हो रही बाघ और तेंदुए की मौत के बाद सुरक्षा पर सवाल उठ गए हैं। यही कारण है कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक और बल प्रमुख वी एन अंबाड़े ने संजय डुबरी टाइगर रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर को नोटिस भेजा है।

मध्य प्रदेश में बाघों और तेंदुओं की लगातार मौत और सुरक्षा के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने अफसर को हड़काया है। अफसर को नोटिस जारी करते हुए कहा है कि वन एवं वन जीव संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है लेकिन देखने में आया है कि पिछले कई महीनो में बाघ और तेंदुओं की मौत की घटनाएं बढ़ी है। इन घटनाक्रमों में कई वन्य जीवों की मौत बिजली, सड़क दुर्घटना और रेल के कारणों से हुई है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि निर्देश जारी करने के बाद भी वन्य जीव संरक्षण के प्रति लापरवाही बढ़ती जा रही है। सभी अधिकारी कर्मचारी वन्य जीव संरक्षण के प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए काम करें। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे और अन्य एजेंसियों से संपर्क स्थापित भविष्य में किया जाए। जैसे कि घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। इस संबंध में कार्य योजना बनाने और अधिकारी कर्मचारी सुरक्षा योजना में जुटे रहे। प्रदेश के टाइगर रिजर्व के अंदर वन्यजीवों की पुख्ता व्यवस्था होने के बावजूद भी बाघ और वन्यजीवों का शिकार हड्डी आदि जब्त होना। यह दुर्भाग्यपूर्ण है इस घटनाओं से अधिकारियों कर्मचारियों की लापरवाही नजर आती है। इसलिए फिर से निर्देश दिए हैं कि विवेचना सभी मामलों में की जाएं। इसके साथ ही कर्मचारियों की लापरवाही की विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मुख्यालय को जानकारी भेजें। वन्य जीव सुरक्षा विभाग की प्राथमिकता है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही असहनीय होगी।

मध्य प्रदेश में बाघ और तेंदुए की लगातार मौत और सुरक्षा के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने अफसर को हड़काया

सांकेतिक चित्र।

दोषी अफसर पर कार्रवाई की मांग- दुबे

हमारी मांग पहले से ही यह रही है कि बाघों की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हो। उनके सुरक्षा के लिए लाखों करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं लेकिन फिर भी मौत हो रही है शिकार हो रहे हैं। इस पर ध्यान देने की जरूरत है अफसर के खिलाफ जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

अभी नोटिस भेजा है आगे कार्रवाई भी करूंगा: बल प्रमुख

प्रदेश भर में बाघों की मौत यह चिंता की बात है। इसलिए सभी मुख्य वन संरक्षक को निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा संजय टाइगर रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर को नोटिस भेज कर जवाब मांगा गया है। लगातार प्रदेश भर में बाघों की मौत यह विभाग के लिए चिंता का विषय है। यही कारण है कि अफसर के खिलाफ अभी तो नोटिस जारी की है और आगे कार्रवाई की जाएगी।

- वीएन अंबाड़े, पीसीसीएफ (हाफ)

पीएम मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे, समारोह के लिए तैयारियां शुरू

भोपाल मेट्रो का लोकार्पण 20 को मिंटो हाल में होगा आयोजन

एम्स से सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन तक दौड़ेगी मेट्रो, बाहरी कामों को तेजी से पूरा करने में जुटा हुआ है अमला

मेट्रो प्रशासन ने कार्यक्रम को दिया अंतिम रूप, मेट्रो स्टेशनों को यात्रियों के लिए किया जा रहा है चकाचक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल मेट्रो का लोकार्पण अब 21 के बजाए 20 दिसंबर को होगा। शुक्रवार को मप्र मेट्रो ने भोपाल में मेट्रो के लोकार्पण की तारीख की घोषणा कर दी। लोकार्पण कार्यक्रम शहर के मिंटो हाल में होगा जहां केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकार्पण कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ेंगें। इसी दिन में राजधानी में मेट्रो का संचालन शुरू हो जाएगा। मेट्रो प्रशासन का कहना है कि 20 दिसंबर को मिंटो हाल में दिनभर कार्यक्रम चलेंगे। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं।

लंबे समय से मेट्रो के संचालन का इंतजार कर रहे लोगों को अब 20 दिसंबर से मेट्रो में यात्रा करने का मौका मिलेगा। मेट्रो प्रशासन ने उक्त तारीख की पुष्टि करते हुए कार्यक्रम की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक एस कृष्ण चैतन्य ने बताया कि 20 दिसंबर को भोपाल मेट्रो का लोकार्पण किया जाएगा। लोकार्पण समारोह मिंटो हाल में होगा।

सिक्योरिटी व अन्य स्टॉफ तैनात कर दिया गया

मेट्रो के जिन स्टेशनों पर बाहरी और कुछ निर्माण कार्य चल रहे हैं उन्हें तेजी से पूरा किया जा रहा है। इसके लिए अमला 24 घंटे काम कर रहा है। जबकि सिक्योरिटी व अन्य स्टॉफ तैनात कर दिया गया है।

यह प्रोजेक्ट अगले 100 वर्षों की आवश्यकता

मेट्रो प्रबंधन सोमवार को पूरे आपरेशन से जुड़ी विस्तृत जानकारी जारी करेगा, जिसमें संचालन समय, किराया व अन्य यात्रियों से संबंधित विवरण शामिल होगा। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रोजेक्ट अगले 100 वर्षों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

एग्जिट टेस्ट का विरोध: छात्रों ने कहा

एमबीबीएस छात्रों की तरह वर्ष 28-29 के बाद किया जाए लागू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शैक्षणिक सत्र 2021-22 बैच से नेशनल एग्जिट टेस्ट (नेक्स्ट) लागू करने के आदेश का मध्यप्रदेश समेत देशभर में आयुष छात्र विरोध में आए गए है। आयुष छात्रों का कहना है कि एमबीबीएस छात्रों की तरह वर्ष 2028-29 के बाद इस आदेश को लागू किया जाए। बता दें कि भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग द्वारा आयुष विभाग, प्रिंसिपल सेक्रेटरी, वीसी, डायरेक्टर, डीन, रजिस्ट्रार व अन्य संबंधित अथॉर्टीज को पत्र भेजकर सूचित किया कि शैक्षणिक सत्र 2021-22 बैच के छात्रों से नेशनल एग्जिट टेस्ट लागू होगा और इनकी संभावित परीक्षा मार्च 2027 में होगी। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने बताया कि एनसीआईएसएम को एनएमसी की तरह आयुष छात्रों हेतु फिलहॉल नेशनल एग्जिट टेस्ट परीक्षा को स्थगित कर देना चाहिए। छात्रों के हित को देखते हुए एनसीआईएसएम उनकी मांगों को जरूर मानेगी।

प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

डॉ राकेश पाण्डेय ने बताया कि आयुष मेडिकल एसोसिएशन व निजी आयुर्वेद महाविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ ने आयुष मंत्रालय भारत सरकार, नेशनल कमीशन फॉर इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन नईदिल्ली, केंद्रीय आयुष मंत्री के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बीएएमएस आयुर्वेद, बीयूएमएस यूनानी, बीएसएमएस सिद्धा व सोवा-रिग्पा स्नातक आयुष छात्रों के लिए फिलहाल नेशनल एग्जिट टेस्ट स्थगित करने की मांग की है।

25 दिसंबर तक कराना होगा रजिस्ट्रेशन

प्राथमिक शिक्षकों को ब्रिज कोर्स करना होगा अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील और उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पारित आदेशों के क्रम में प्राथमिक शिक्षक पात्र परीक्षा वर्ष 2020 के परिणाम के आधार पर नियुक्त बीएड योग्यताधारी प्राथमिक शिक्षकों के लिए नेशनल ओपन स्कूल (एनआईओएस) द्वारा ब्रिज कोर्स की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इसकी सूचना जारी करते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने कहा है कि संबंधित शिक्षक 25 दिसम्बर 2025 तक एनआईओएस के पोर्टल पर समय-सीमा में रजिस्ट्रेशन न कराने वाले अथवा निर्धारित समय-सीमा में ब्रिज कोर्स उत्तीर्ण न करने वाले प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के अनुसार जारी नहीं रखी जा सकेंगी।

शिक्षक भर्ती: 17 तक दस्तावेज करने होंगे अपलोड

भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित माध्यमिक शिक्षक विषय खेल, गायन, वादन तथा प्राथमिक शिक्षक खेल, गायन, वादन, नृत्य चयन परीक्षा वर्ष 2024 के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने सूचना जारी की है। जिसमें बताया गया है कि परीक्षा परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों में से जिन अभ्यर्थियों ने अब तक दस्तावेज अपलोड नहीं किये हैं। उक्त शिक्षक 16 एवं 17 दिसम्बर 2025 को पोर्टल पर प्रोफाइल पंजीयन कर दस्तावेज अपलोड करने के लिए कहा गया है। अभ्यर्थी 18 दिसम्बर को उनके द्वारा चयनित जिलों में दस्तावेज सत्यापन के लिए उपस्थित होकर दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे।

बस्तर ओलंपिक में किशन ने गोल्ड जीतकर पाई सफलता

बीजापुर के गांव छोटे तुमदार के 27 वर्षीय युवक को मिली सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

बीजापुर जिले के छोटे से गांव छोटे तुमदार (भैरमगढ़) के 27 वर्षीय किशन कुमार हपका ने साबित कर दिया है कि सच्चा खिलाड़ी परिस्थितियों से नहीं, अपने हौसले से पहचाना जाता है। डीआरजी का जाबाज जवान रहे किशन को वर्ष 18 जुलाई 2024 में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आकर अपना एक पैर खोना पड़ा था। हादसा इतना बड़ा था कि कोई भी सामान्य इंसान हार मान ले, लेकिन किशन की सोच ने उनके लिए नया रास्ता तैयार कर दिया।

प्रतिभा को प्रदर्शित करने का फैसला किया

किशन ने बस्तर ओलंपिक में तीरंदाजी खेल में अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का फैसला किया। शरीर ने साथ छोड़ा, पर दिल में खेलने का जुनून और देश सेवा की भावना आज भी उतनी ही मजबूत है। यही जुनून उन्हें फिर से मैदान में ले आया। अपने साहस से लड़ते हुए किशन ने न सिर्फ खुद को संभाला, बल्कि बस्तर ओलंपिक के जिला स्तरीय खेलों में चयनित होकर संभाग स्तरीय प्रतियोगिता तक पहुंचने का इतिहास रच दिया। किशन ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में पहला स्थान कर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया।

दीपक टंडन पर गंभीर आर्थिक आरोप

रायपुर। डीएसपी कल्पना वर्मा पर गंभीर आरोप लगाने वाले कारोबारी दीपक टंडन के खिलाफ अब कानूनी शिकंजा कसता नजर आ रहा है। जानकारी के मुताबिक कोरबा जिले की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कटघोरा, जिला कोरबा कु. रंजू वैष्णव की कोर्ट ने दीपक टंडन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। उन पर लगभग 28 लाख (28,00,000) रुपए के धोखाधड़ी (फ्रॉड) का आरोप है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी दीपक टंडन को 12 दिसंबर को कोर्ट में पेश होना था। बताया जा रहा है कि पेशी के लिए नोटिस जारी किए जाने के बावजूद उनके उपस्थित न होने पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। बताया जाता है कि दीपक टंडन पर कोरबा निवासी फरियादी ने 28 लाख रुपए की आर्थिक धोखाधड़ी का आरोप लगाया है, जिसके संबंध में मामला न्यायालय में लंबित है। लगातार अनुपस्थित रहने और जांच में सहयोग न करने के चलते वारंट जारी किया गया।

24 दिसंबर से 5 जनवरी तक ट्रेनों में थर्ड और सेकंड एसी तक वेटिंग

नया साल के जश्न के लिए भोपाल सहित मप्र के लोगों की अयोध्या पहली पसंद

अयोध्या, मथुरा, वैष्णो देवी, वाराणसी, गोवा, मुंबई और जम्मू-कश्मीर जाने वाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इस बार क्रिसमस की छुट्टियां व नए साल में घूमने जाने वाले या फिर वापस आने वालों को ट्रेन की लंबी वेटिंग से दो-चार होना पड़ सकता है। जिन पैसेंजर ने 2 महीने पहले रिजर्वेशन कराया था, उनकी वेटिंग भी कंफर्म होना मुश्किल है।

दरअसल 24 दिसंबर से 5 जनवरी तक ट्रेनों के स्लीपर कोच से लेकर थर्ड और सेकंड एसी तक लंबी वेटिंग है। लंबी वेटिंग को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने कुछ रूटों पर स्पेशल ट्रेन चलाने व अतीरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है, लेकिन यात्रियों को इन ट्रेनों में सफर के लिए अधिक किराया चुकाना पड़ेगा। इस साल सबसे अधिक धार्मिक स्थालों पर जाना लोग पसंद कर रहे हैं। इसके चलते वैष्णो देवी, अयोध्या, मथुरा आदि धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट अधिक देखने को मिल रही है।

अब तक 11 लोगों ने अयोध्या जाने के लिए कराई टैक्सी बुक

फाइल फोटो

नए साल की आहट के साथ ही स्वागत एवं जश्न की जोरशोर से तैयारी शुरू हो गई है। ट्रैवल्स कंपनियों के संचालक वीएस बघेल ने बताया कि इस बार सबसे अधिक अयोध्या जाने के लिए लोग टैक्सी बुक करा रहे हैं। कुछ लोग मथुरा व खाटू श्याम के लिए बुकिंग करा रहे हैं। अभी तक 17 लोगों ने टैक्सी के लिए बुकिंग कराई है। जिसमें सबसे अधिक 11 लोगों ने अयोध्या, 5 लोगों ने मथुरा व दो लोगों ने खाटूश्याम के लिए बुकिंग की है। यह संख्या ओर बढ़ सकती है।

भोपाल से चेन्नई

भोपाल से 12 ट्रेनें दक्षिण भारत जाती हैं। इनमें 24 दिसंबर से 5 जनवरी के बीच सीट उपलब्ध नहीं है। इन ट्रेनों में स्लीपर में 38, थर्ड एसी में 28 और सेकंड एसी में 17 वेटिंग है।

भोपाल से गोवा

गोवा जाने के लिए भोपाल से सीधी दो ट्रेन गोवा एक्सप्रेस व मंगला एक्सप्रेस में लंबी वेटिंग की स्थिति देखने को मिल रही है।

ट्रेनों में वेटिंग के हालात

नए साल के जश्न के लिए अयोध्या जाने वाली तुलसी एक्सप्रेस में 30 दिसंबर से 7 जनवरी के बीच 90 के आस-पास वेटिंग लिस्ट देखने को मिल रही है। इसी तरह गोरखपुर यशवंतपुर एक्सप्रेस इस बीच करीब 74 से अधिक की वेटिंग देखने को मिल रही है। वैष्णोदेवी, जम्मू कश्मीर जाने वाली मालवा एक्सप्रेस में 110 के ऊपर वेटिंग लिस्ट देखने को मिल रही है। इसी तरह भोपाल से मुंबई रूट पर भोपाल से जाने वाली लगभग सभी ट्रेनों में 24 दिसंबर से 5 जनवरी तक 56 से लेकर 180 तक वेटिंग है। भोपाल से मुंबई जाने वाली ट्रेनों के थर्ड एसी में वेटिंग 50 से 75 और सेकंड एसी में 30 से 45 तक है।

सुकमा में एंबुलेंस के इंतजार में युवक ने तोड़ा दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सुकमा

जिले के जगरगुंडा इलाके में एम्बुलेंस की अनुपलब्धता के कारण एक युवक की मौत हो गई।

इसके बाद शव को ले जाने के लिए भी एम्बुलेंस नहीं मिलने पर परिजन खाट पर शव ले जाने को मजबूर हुए। घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर कर दिया है।

क्या है पूरा मामला

जगरगुंडा क्षेत्र में रहने वाले युवक बारसे रामेश्वरम (40) की तबीयत खराब थी। परिजनों ने एम्बुलेंस के लिए कई बार फोन किया, लेकिन घंटों बीतने के बाद भी एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। इसके बाद परिजन युवक को दोपहिया वाहन से इलाज के लिए अस्पताल लेकर रवाना हुए, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही युवक ने रास्ते में दम तोड़ दिया। यपरिजनों ने शव ले जाने के लिए फिर एम्बुलेंस की मांग की, लेकिन अवकाश का हवाला देते हुए एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं कराई गई।

घाट पर ले गए शव

अंततः परिजन मजबूर होकर खाट पर शव को घर ले गए। यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर दूर स्थित जगरगुंडा अस्पताल क्षेत्र की है। जगरगुंडा अस्पताल से छह किलोमीटर दूर चिमलिपेंटा गांव में युवक रहता था। उल्लेखनीय है कि केंद्र और राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही हैं, लेकिन स्थानीय और जिला स्तर पर अधिकारियों की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को इस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अगले साल भी बरकरार रह सकती है गोल्ड की चमक

इस साल 67% से अधिक रिटर्न दे निवेशकों को किया मालामाल

निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प लेकिन रणनीति बनाना जरूरी

सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर करें निवेश

चालू वर्ष में असाधारण रूप से रिटर्न दिया

10 साल के सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 प्रतिशत रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण 'वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है।

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67% का रिटर्न दिया है। जानाकारों का मानना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत प्रति दस ग्राम 5 से 16% 0 और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर निवेश करना जरूरी है। दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 'चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है।

काफी बेहतर प्रदर्शन

भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है।' 'कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉन्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया

यह भी कारक

वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का एक महत्वपूर्ण कारक रही हैं। इसके साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति की लगातार चिंताएं और ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने जैसी सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की ओर आकर्षित किया है। इसके अलावा, दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी और त्योहारों की मांग ने सोने की कीमतों में तेजी को और बढ़ावा दिया है।' अगले साल के परिदृश्य के बारे में कहा जा रहा है कि 'यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती हैं।

क्या कहते हैं जानकार

जानकारों का कहना है कि 'हमारा अनुमान है कि आने वाले वर्ष में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, क्योंकि जिन कारणों ने इस साल कीमतों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, उनके अगले वर्ष भी जारी रहने की संभावना है।' मौजूदा हालात सोने में निवेश के लिए अनुकूल हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो अपने निवेश में विविधता और मुद्रास्फीति तथा वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हालांकि, सोने में निवेश को जोखिम के बचाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एकमात्र निवेश विकल्प के रूप में। निवेश का लगभग पांच प्रतिशत से 10 प्रतिशत कीमती धातुओं (सोना और चांदी) में निवेश होना चाहिए। सोने और चांदी में निवेश जोखिम के आधार पर होना चाहिए।' चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं (वर्तमान में लगभग 4,200 डॉलर प्रति औंस), इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश महत्वपूर्ण है। आगे की वृद्धि भू-राजनीतिक जोखिमों और मुद्रास्फीति की चिंताओं पर निर्भर है। सुरक्षित निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो में आठ से 12 प्रतिशत का हिस्सा सोने में होना उपयुक्त है।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

वर्तमान समय में सबसे अच्छा तरीका यह है कि गोल्ड ईटीएफ में एसआईपी के माध्यम से निवेश करें या कीमतों में चार से पांच प्रतिशत की गिरावट पर अतिरिक्त हिस्सेदारी जोड़ें। अब तक हुई तेज बढ़ोतरी को देखते हुए एकमुश्त निवेश के बजाय एसआईपी (व्यवस्थित निवेश योजना)/ एसटीपी (व्यवस्थित हस्तांतरण योजना) के जरिए निवेश करना बेहतर होगा। 'वर्तमान परिवेश में, गोल्ड ईटीएफ निवेश का पसंदीदा तरीका है, क्योंकि ये खरीद-बिक्री के लिहाज से सुगम हैं। साथ ही भौतिक रूप से सोना रखने के उलट, इसके रख-रखाव या सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। पारंपरिक जरूरतों के लिए, खासकर भारत में, जहां शादी, त्योहारों और पारिवारिक अवसरों में सोने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, भौतिक सोने में थोड़ा सा हिस्सा रखना पूरी तरह से उचित है। 'हालांकि, पूंजी सृजन के मकसद से सोने के आवंटन का अधिकांश हिस्सा ईटीएफ के माध्यम से बनाए रखना सबसे अच्छा है।

सिल्वर ईटीएफ ने कराई जबरदस्त कमाई, 11 माह में दिया 100% से ज्यादा रिटर्न

सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस साल सिर्फ फिजिकल चांदी ही नहीं, बल्कि सिल्वर ईटीएफ ने भी निवेशकों की जबरदस्त कमाई करवाई है। सिल्वर ईटीएफ ने इस साल अब तक यानी करीब 11 महीने में ही 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशक सोच रहे हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा बुक कर लेना चाहिए या निवेश जारी रखना चाहिए। सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है और स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार करता है। इसमें फिजिकल चांदी खरीदने की जरूरत नहीं होती। निवेशक ट्रेडिंग अकाउंट के जरिए इसकी यूनिट खरीद और बेच सकते हैं। यह भौतिक चांदी की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशक बिना चांदी खरीदे, उसके दाम बढ़ने का फायदा उठा सकते हैं। यह 99.9% शुद्ध चांदी में निवेश करता है और डीमैट खाते के ज़रिए शेयरों की तरह खरीदा-बेचा जा सकता है, जो सुरक्षा और स्टोरेज की झंझट से बचाता है।

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ हैं, जिन्होंने इस अवधि में औसतन 98.51% का रिटर्न दिया है। इन 21 फंडों में से 10 ने साल 2025 में अब तक 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक सबसे ज्यादा 100.89% का रिटर्न दिया है। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रू सिल्वर ईटीएफ का नंबर आता है, जिसने 100.72% का रिटर्न दिया है। एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ और एसबीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक क्रमशः 100.29% और 100.04% का रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने इस अवधि में 99.98% का रिटर्न दिया है। एक्सिस सिल्वर एफओएफ और टाटा सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने इसी अवधि में क्रमशः 94.38% और 92.52% का रिटर्न दिया है।

क्यों आई तेजी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में चांदी में सुरक्षित निवेश के साथ-साथ मजबूत औद्योगिक मांग (इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, सोलर पैनल आदि के लिए) भी है। इसके साथ ही, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की ठोस खरीदारी और त्योहारी मांग ने कीमतों में और तेजी ला दी। एक्सपर्ट के अनुसार इस साल की शुरुआत में ईवी, सोलर पैनल, ग्रीन ट्रांजिशन और वैश्विक विद्युतीकरण को लेकर आशावाद ने लगातार औद्योगिक मांग की उम्मीदों को बढ़ाया। वैश्विक निवेशकों ने ब्याज दरों में कटौती, कम वास्तविक यील्ड और कमजोर डॉलर की

उम्मीदों के बीच चांदी ईटीएफ में पैसा लगाया, जिससे यह तेजी और बढ़ गई।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर चांदी में आपका निवेश आपकी तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना ठीक रहेगा, लेकिन अगर आप 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना चाहते हैं, तो यह अभी भी फायदेमंद है। अगर चांदी में आपका निवेश आपके पोर्टफोलियो में तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना सही है। वहीं 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना अभी भी फायदेमंद है।

यह कैसे काम करता है

सिल्वर ईटीएफ फंड कुल संपत्ति का कम से कम 95% हिस्सा 99.9% या उससे ज़्यादा शुद्ध चांदी या चांदी से जुड़े डेरिवेटिव्स में निवेश करता है। आप इसे स्टॉक की तरह ब्रोकरेज अकाउंट के ज़रिए खरीद और बेच सकते हैं, जिससे यह आसान और तरल हो जाता है। इसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) चांदी की कीमत के साथ ऊपर-नीचे होता है।

मुख्य लाभ

भौतिक चांदी खरीदने, रखने और उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं होती। यह सोने और चांदी के माध्यम से आपके पोर्टफोलियो को संतुलित करने में मदद करता है। और कम पैसों (जैसे 500 रुपये) से भी एसआईपी के ज़रिए निवेश शुरू कर सकते हैं।

ऐसे करें निवेश

- ब्रोकर के साथ डीमैट और ट्रेडिंग खाता : किसी भी ब्रोकर के पास खाता खोलें जो ईटीएफ में निवेश की सुविधा देता हो।
- सही सिल्वर ईटीएफ चुनें: अपनी ज़रूरत के हिसाब से जैसे निप्पॉन, कोटक, आईसीआईसीआई आदि के सिल्वर ईटीएफ चुनें।

पहली-पहली लगी है नौकरी तो निवेश को दें पहली प्राथमिकता

कई जगह निवेश कर बनाएं भविष्य सुरक्षित, युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड कर सकते हैं तैयार

अगर आपकी भी पहली नौकरी लगी है और सैलरी आ गई है तो ध्यान दें। पूरी सैलरी को महज मौज मस्ती के लिए खर्च न करें। इसमें से कुछ हिस्सा बचत करें यानी निवेश करें। इससे आपको भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। अपनी सैलरी का कुछ हिस्सा कई जगह निवेश करें। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड तैयार कर सकते हैं। पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन की तलाश करें और पैसा बचाएं। इससे आपको कभी भी पैसों की तंगी नहीं होगी। रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ निवेश के ऑप्शन के बारे में जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे। यह मजबूती आपके परिवार और बच्चों के लिए बेहद अहम होगी। जिन लोगों की पहली नौकरी लगी है, उन लोगों को यहां जरूर निवेश करना चाहिए।

निवेश के लिए सुरक्षित ऑप्शन

पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को निवेश जरूर करना चाहिए। खासकर युवा लोगों को निवेश को जरूर प्राथमिकता देनी चाहिए और अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा बचाकर एक अच्छी स्कीम में जरूर निवेश करना चाहिए। अगर आप एक युवा हैं और आपकी पहली नौकरी लगी है और आप निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन चुने और रणनीति बनाकर निवेश करें। अपने लक्ष्य को पहचानें और आगे बढ़ते जाएं। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर अपने भविष्य के लिए काफी अच्छा फंड बना सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

अगर आप एक युवा हैं तो आपको अपने पोर्टफोलियो में म्यूचुअल फंड एसआईपी को जरूर शामिल करना चाहिए। यहां आप हर महीने केवल 500 रुपये एसआईपी शुरू कर सकते हैं और इसे लंबे समय तक जारी रख सकते हैं। लंबे समय में म्यूचुअल फंड एसआईपी में आपको काफी अच्छा रिटर्न मिल सकता है, जो आपके भविष्य को सुरक्षित बनाएगा।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम भी काफी लोकप्रिय सरकारी स्कीम है, जहां निवेशक थोड़े थोड़े निवेश के साथ अच्छा फंड बना सकते हैं। पीपीएफ में आपको सालाना 15 सालों तक निवेश करना होगा। यहां आपको 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। यह भी निवेश का बेहतर विकल्प है। यह युवाओं के बीच काफी लोप्रिय है। इसलिए पीपीएफ में निवेश का विकल्प भी युवा चुन सकते हैं।

एफडी और आरडी

सुरक्षित निवेश के लिए आपको अपनी कुछ सेविंग्स को बैंक एफडी में भी जरूर निवेश करना चाहिए्र इसके अलावा रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी भी एक बेस्ट ऑप्शन है, जहां आप हर महीने थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं, और एक फिक्स्ड ब्याज दर से रिटर्न पा सकते हैं। हालांकि इसमें रिटर्न बेहद कम मिलता है, लेकिन निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प है। अपने निवेश के पोर्टफोलियो में गोल्ड को भी थोड़ी जगह दें और यहां पर भी अपने पैसों को जरूर निवेश करें। गोल्ड में निवेश करने के लिए आप डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं।

टैक्स और कानूनी झंझट से बचने के लिए भर दे आईटीआर

एक जनवरी से पहले निपटा लें ये चार जरूरी काम

करदाताओं के लिए अपने पैन को आधार से लिंक करना जरूरी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी कानूनी झंझटों से मुक्ति चाहते हैं तो एक जनवरी से पहले कुछ जरूरी काम निपटा लें, वरना बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे हैं वे जरूरी काम जिन्हें इसी महीने में निपटाना बेहद जरूरी है। दिसंबर 2025 में करदाताओं के लिए चार जरूरी वित्तीय डेडलाइन, जिन्हें समय पर पूरा करना बचाएगा जुर्माने और कानूनी परेशानियों से। वित्त वर्ष 2025 अपने आखिरी चरण में है और करदाताओं के लिए दिसंबर कई अहम डेडलाइन लेकर आया है। अगर ये काम समय पर पूरे नहीं किए गए, तो आपको आर्थिक नुकसान और दस्तावेजों की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बिलेटेड आईटीआर फाइलिंग का अंतिम मौका

अगर आप वित्त वर्ष 2024-25 का आईटीआर समय पर नहीं जमा कर पाए हैं, तो 31 दिसंबर 2025 तक विलंब शुल्क के साथ इसे फाइल किया जा सकता है। 5 लाख रुपये तक की आय पर 1,000 रुपये और 5 लाख रुपये या उससे अधिक आय पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। 31 दिसंबर के बाद यह अवसर खत्म हो जाएगा। इसलिए इस पर ध्यान दें और अपनी आईटीआर जमा करवा दें।

पैन -आधार लिंकिंग

सभी करदाताओं के लिए अपने पैन को भी आधार से लिंक करना बेहद अनिवार्य है। इसके लिए अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2025 ही है। अगर इस दौरान आप लिंकिंग नहीं करवा पाए तो आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। इससे आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा और बैंक खाता या निवेश से जुड़े सभी काम प्रभावित हो सकते हैं। इसे इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जल्द पूरा करें। वरना आपको पछतान पड़ेगा और काम प्रभावित होंगे। इसलिए समय रहते अपने पैन को आधार के लिंक जरूर करवा लें।

एडवांस टैक्स की अंतिम किस्त

जिन करदाताओं की अनुमानित कर देनदारी 10,000 रुपये से अधिक है, उन्हें 15 दिसंबर 2025 तक चौथी और अंतिम एडवांस टैक्स किस्त जमा करनी होगी। समय पर भुगतान न करने पर ब्याज और जुर्माना लग सकता है। अगर आप भी इस श्रेणी में आते हैं तो आपको भी यह काम समय रहते पूरा कर लेना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी से बचा जा सके। इसलिए अपनी किस्त समय से जमा करवा दें और परेशानी से मुक्ति पा लें।

ऑडिटेड आईटीआर की फाइलिंग

टैक्स ऑडिट के दायरे में आने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 10 दिसंबर 2025 है। इसे समय पर जमा करना जरूरी है, ताकि रिटर्न लेट न माना जाए और कानूनी परेशानियों से बचा जा सके। इसलिए 31 दिसंबर की तारिख आप सभी के लिए काफी है। इससे पहले की अपने जरूरी काम पूरे कर लें और परिशानियों का बाय बाय कर दे। अगर समय रहते ये काम पूरे नहीं कर पाएंगे तो आपको कानूनी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है और आर्थिक रूप से जो नुकसान होगा वह अलग। समय रहते ये चार काम निपटा लेंगे तो जुर्माने से भी बच जाएंगे और आप खुद को तनाव मुक्त भी महसूस करेंगे।

गुरू रामदास खालसा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कुकरीखेड़ा, बरेला जबलपुर
म.प्र.उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल एवं BCI नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त एवं रानी दुर्गावती वि.वि. जबलपुर से संबद्धता प्राप्त
E-mail Id : grkistacs@gmail.com

महाविद्यालय में कॉलेज कोड 28 के तहत सहायक प्राध्यापकों की भर्ती हेतु आवेदक की शैक्षणिक एवं अनुभव संबंधी प्रमाण पत्रों की छाया प्रति एवं 02 फोटो सहित आवेदन पत्र आमंत्रित करता है। विवरण निम्न अनुसार है :-

क्र.	पद एवं संख्या	योग्यताएं एवं अनुभव
1	सहायक प्राध्यापक विधि संकाय- 05 अंग्रेजी- 01 अर्थशास्त्र- 01	BCI/ UGC के प्रभावशील नियम लागू होंगे।

आवेदक अपना आवेदन पत्र महाविद्यालय के संचालक/ प्राचार्य के पते पर रू 1100/- का डिमांड ड्राफ्ट/ नगद के साथ सीधे या डाक द्वारा महाविद्यालय के पते पर अंतिम तिथि 22/12/2025 के पूर्व भेजें।
अधिक जानकारी के लिए महाविद्यालय के दूरभाष क्रमांक 9425604021 पर संपर्क कर सकते है।
• स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत — सचिव

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
नागपुर मंडल में विभिन्न अभियांत्रिकी कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:
निविदा क्रमांक: ई/45/एनजीपी/2025-2026
कार्य का नाम: (1) RPF पोस्ट/आउट पोस्ट, गोंदिया और डोंगरगढ़ में टॉयलेट/बाथरूम के साथ लेडीज़ चेंजिंग रूम का निर्माण। (2) ADEN/गोंदिया के अधिकार क्षेत्र में धनोली स्टेशन पर स्टेशन तक के अप्रोच के लिए RCC सड़क का निर्माण। (3) ADEN/डोंगरगढ़ के अधिकार क्षेत्र में डोंगरगढ़ में 01 प्रेशर फिल्टर प्लांट का प्रावधान। (4) ADEN/डोंगरगढ़ के अधिकार क्षेत्र में बड़े पुल के दोनों तरफ बैलास्ट रिटेनिंग, दीवार निरीक्षण सीढ़ियाँ, पैरापेट दीवार को ऊँचा करना, सेस मरम्मत कार्य का प्रावधान। (5) वरिष्ठ DEN पूर्व / नागपुर के अधिकार क्षेत्र में स्टेशनों पर दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुविधाओं का प्रावधान।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 4,26,43,320/-
बयाना राशि: ₹ 3,63,200/-
उपरोक्त निविदा के लिए, बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियाँ दिनांक **30.12.2025** के **15:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे।
इन निविदाओं के अंतर्गत प्राप्त सभी मैन्युअल ऑफर्स को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मंडल अभियंता (पूर्व), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
MS/50-225
स्वच्छ भारत अभियान — एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
नागपुर मंडल में विभिन्न अभियांत्रिकी कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:

1. निविदा क्र: सी/45/एनजीपी/2025-2026
कार्य का नाम: ADEN/Tr./NGP के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत (1) कि.मी. 1083/13-15 पर LHS क्र. 545, कि.मी. 1083/13-15 पर LHS क्र. 546 पर क्षतिग्रस्त सड़क की सतह में सुधार और RUB बॉक्स के तल स्तर के संबंध में बढ़े हुए भूजल स्तर के कारण आउटफॉल ड्रेनेज के लिए किमी 1081/ 28-30 पर पुल सं. 76 तक कवर स्लैब के साथ खुली नाली का प्रावधान, आंशिक रूप से खुली नाली और KT-RRL सेक्शन के बीच कि.मी. 1083/13-15 पर LHS क्र. 546 पर नवरगांव की ओर मुख्य आउटॉल तक कवर स्लैब। (2) KT-RRL सेक्शन के बीच कि.मी. 1084/27-29 पर LHS 547 और KNHN-KP सेक्शन के बीच किमी 1114/7-9 पर LHS 562, KAV-KRDH सेक्शन के बीच LHS 1/KRD/ 25-27, LHS 2KRD/7 पर क्षतिग्रस्त सड़क सतह में सुधार। (3) नागपुर की तरफ अप्रोच बैंक पर पियर्स के आसपास की गंदगी, बोल्डर पिचिंग को रोकने के लिए गैबियन मेश और बोल्डर फिलिंग लगाकर महत्पूर्ण पुल क्र. 34 UP & DN की मरम्मत। ADEN/Tr./NGP के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत अप्रोच पाथवे और इंस्पेक्शन स्टेप्स और दूसरे सुरक्षा काम वगैरह का प्रावधान।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 6,32,62,089/-
बयाना राशि: ₹ 4,66,300/-

2. निविदा क्र.: सी/46/एनजीपी/2025-2026
कार्य का नाम: वरिष्ठ DEN/C/नागपुर के अधिकार क्षेत्र में TMR-KGE (SL) TBSR (H-beam) 364 संख्या।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,36,56,218/-
बयाना राशि: ₹ 2,18,300/-

3. निविदा क्र.: सी/47/एनजीपी/2025-2026
कार्य का नाम: (1) वरिष्ठ DEN (मध्य)/ नागपुर के अधिकार क्षेत्र अधीन SSE / P.Way : कामठी (KP), थारसा (TAR), भंडारा रोड (BRD),तुमसर रोड (TMR) के अंतर्गत पटरी के रखरखाव के विविध P.Way कार्य। (2) वरिष्ठ DEN (मध्य)/नागपुर के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत SSE / P.Way: कामठी (KP), थारसा (TAR), भंडारा रोड (BRD), तुमसर रोड (TMR) अनुभाग में ट्रैक की ओवरहॉलिंग, बॉक्सिंग और ड्रेसिंग गिट्टी, साइड ड्रेन की सफाई और अन्य संबद्ध ट्रैक संबंधी P.Way जैसे विभिन्न प्रकार के कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 5,22,51,818/-
बयाना राशि: ₹ 4,11,300/-

4. निविदा क्र.: ई/43/एनजीपी/2025-2026
कार्य का नाम: वरिष्ठ DEN (ई)/नागपुर के अधिकार क्षेत्र में रेलवे सामग्री ले जाने के लिए SSE/P.Way/RJN, SSE/P.Way/DGG, SSE/P.Way/AGN के लिए अलग-अलग 3टी और 4.5टी क्षमता वाले ट्रक को 02 वर्ष (24 महीने) के लिए उपलब्ध करना।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 2,35,33,789/-
बयाना राशि: ₹ 2,67,700/-

5. निविदा क्र.: ई/44/एनजीपी/2025-2026
कार्य का नाम: ADEN/गोंदिया के अधिकार क्षेत्र में: (1) G-GDM सेक्शन (तीसरी लाइन) व (2) G-GJ सेक्शन (तीसरी लाइन) के बीच बचा हुआ सिविल कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 7,98,83,383/-
बयाना राशि: ₹ 5,49,400/-

उपरोक्त निविदाओं के लिए, बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियाँ दिनांक **30.12.2025** के **15:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे।
इन निविदाओं के अंतर्गत प्राप्त सभी मैन्युअल ऑफर्स को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है ।
वरिष्ठ मंडल अभियंता (मध्य), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
MS/46-209
स्वच्छ भारत अभियान — एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव मध्य प्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)
प्रारूप V
(नियम 10 देखे)
क्र. 1270/अ.वि.अ./भू-अर्जन/2025 — नरसिंहपुर, दिनांक 08/12/2025

रा.मा.क्र. 32/अ-82/2024-25 मौजा ग्राम- मडवा प.ह.नं. 28/75 तहसील - नरसिंहपुर
धारा 19 (1) के तहत पुनर्वासन एवं पुनर्व्यावस्थापन घोषणा का प्रकाशन सचिव राजस्व विभाग

जहां सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजन मछरेवा सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र हेतु ग्राम-. मडवा प.ह. नं. - 32 / 82 नं.ब.- 451 तहसील नरसिंहपुर जिला नरसिंहपुर में कुल 0.075 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है। इसलिये घोषणा की जाती है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू-खंड है, जो 0.075 हेक्टेयर है ग्राम मडवा तहसील नरसिंहपुर जिला नरसिंहपुर में है, जिसका विस्तृत ब्यौरा निम्नलिखित है :-

ग्राम- मडवा तहसील - नरसिंहपुर प.ह.नं.- 32/82

क्रमांक	हितग्राही का नाम और पता	खसरा संख्या	कुल रकबा हेक्टेयर	अर्जन हेतु रकबा (हे.)	(सिंचित/ असिंचित)	रिमार्क
1	दीपसिंह पिता तेजराम लक्ष्मीबाई, त्रिवेणी बाई पिता दीपसिंह गौड़ पता मड़वा नरसिंहपुर नरसिंहपुर म.प्र.	2/9	0.607	0.075	सिंचित	
योग			0.607	0.075		

1. यह घोषणा हितबद्ध व्यक्तियों के आक्षेपों को सुनने और भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013, (2013 का 30) की धारा 15 में यथा उपबंधित सम्यक जांच करने के पश्चात की गयी है। 2. कार्यपालन यंत्री पेंच व्यपवर्तन बांध जल संसाधन संभाग क्र. 01 चौरई, जिला छिंदवाड़ा (म. प्र.) के द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है कि भू-अर्जन के कारण विस्थापित होने वाले संभावित कुटुम्ब की संख्या निरंक है अत: इनके लिये पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित करने का प्रश्न उद्भूत नही होता है। 3. मछरेवा सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र हेतु हितबद्ध व्यक्तियों में से किसी भी व्यक्ति का विस्थापन नही होने से धारा 19 की उपधारा (2) के तहत पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन स्कीम का सार प्रकाशित करने की आवश्यकता नही है। 4. उक्त भूमि के या उक्त भूमि के किसी भाग में पड़े कोयला, लौह पत्थर, स्लेट या अन्य खनिजों की खानें है, खान और खनिज के ऐसे भागों में जिन्हे उस प्रयोजन, जिसके लिए भूमि अर्जित की जा रही है, की परियोजना के निर्माण चरण के दौरान खोदे जाने या हटाये या उपयोग किए जाने की अपेक्षा है, को छोडकर आवश्यक नही है। 5. अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नरसिंहपुर के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

(मणिन्द्र कुमार सिंह)
अनुविभागीय अधिकारी सह भू-अर्जन अधिकारी नरसिंहपुर

G-22653/25
"स्वच्छता ही सेवा"

(रजनी सिंह)
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर (म. प्र.)

चौधरी को लेकर सियासी गलियारे में हलचल तेज

अगड़े- पिछड़े समाज में मजबूत पकड़ को मिली तरजीह, 7 बार सांसद बने चौधरी

भाजपा दे रही देश के सबसे बड़े सूबे की कमान

आज उत्तर प्रदेश अध्यक्ष का होगा ऐलान

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश भाजपा को जल्द ही नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने वाला है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और महाराजगंज से सात बार के सांसद पंकज चौधरी ने शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके प्रस्तावक बने, जबकि दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। चौधरी को लेकर सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। पार्टी इनको प्रदेश में बड़ी जिम्मेदारी दे रही है। पार्टी को पिछड़े समाज में इनकी मजबूत पकड़ होने का फायदा मिल सकता है। परंपरागत मत सहेजने के साथ पीडीए कमजोर करने का दांव पार्टी ने खेला है।

पंकज चौधरी

गोरखपुर में पार्षद से शुरू किया राजनीतिक सफर

गोरखपुर के घंटाघर हरबंश गली स्थित घर में 20 नवंबर 1964 में जन्मे चौधरी ने एमपी इंटर कॉलेज और गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक तक की शिक्षा ग्रहण किया। औद्योगिक घराने में जन्मे चौधरी ने राजनीति में कदम रखा और डिप्टी मेयर बने। चौधरी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1989 में गोरखपुर नगर निगम में पार्षद का चुनाव लड़ने के साथ की थी। वो पार्षद के चुनाव में जीते थे। 1989 में ही गोरखपुर से कटकर महाराजगंज अलग जिला बना, जिसके बाद से पंकज चौधरी ने महाराजगंज को अपनी राजनीति का केंद्र बनाया।

महराजगंज में खाटी के भाजपा कार्यकर्ताओं समेत अन्य लोगों में खुशी

चौधरी का नाम चर्चा में आने से महराजगंज में खाटी के भाजपा कार्यकर्ताओं समेत अन्य लोगों में खुशी है। चुनाव में भी पार्टी ने इन्ही पर हर बार भरोसा जताया। पिछड़े समाज में इनकी मजबूत पकड़ के अलावा संगठन में इनको लेकर कभी गतिरोध सामने नहीं आया। शुरूआत से ही पार्टी की ओर से मिली जिम्मेदारी का बखूबी निवर्हन कर आगे बढ़ते चले गए।

परंपरागत कुर्मी वोट को आकर्षित किया

कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करने में भरोसा रखते हैं। राजनीति के जानकार बताते हैं कि अपना दल व अन्य सहयोगियों से परंपरागत कुर्मी वोट को अपने ओर आकर्षित करने में चौधरी काफी मददगार साबित हो सकते हैं। ये प्रदेश में पिछड़े समाज के काफी मजबूत नेता माने जाते हैं।

1991 में पहली बार सांसद बने

गोरखपुर के उद्योगपति स्वर्गीय भगवती चौधरी एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष उज्ज्वल चौधरी के छोटे सुपुत्र पंकज चौधरी ने गोरखपुर नगर निगम के पार्षद के तौर पर 1989 में राजनीति का सफर शुरू किया। 1990 में ही भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्य समिति सदस्य हुए। 10 वीं लोकसभा में वर्ष 1991 में महराजगंज संसदीय सीट से भाजपा के सिंबल पर सांसद चुने गए।

जब पीएम मोदी पैदल पहुंचे थे चौधरी के घर

माता जी देखिए, मैं खुद आपसे मिलने आ गया

चौधरी का कद तो पीएम नरेंद्र मोदी ने उसी दिन बढ़ा दिया जिस दिन गोरखपुर में उनकी माता से मिलने प्रधानमंत्री 150 मीटर पैदल चल कर उनके घर पहुंचे। 7 जुलाई 2023 को गीता प्रेस के शताब्दी वर्ष समारोह का था। इस दौरान वे अचानक चौधरी के घर पहुंच गए थे। चौधरी की माता का आशीर्वाद लिया। गोरखपुर के घंटाघर हरिवंश गली में स्थित पंकज चौधरी के घर का रास्ता संकरा होने के चलते करीब 150 मीटर दूर ही प्रधानमंत्री का वाहन रुक गया। वहां से प्रधानमंत्री , राज्यपाल व मुख्यमंत्री के साथ पैदल चल घर पहुंचे थे।

खबर संक्षेप

शादी में 20 लाख और कार मांगी, पहुंचा जेल

बरेली। यूपी के बरेली से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। शुक्रवार देर रात एक बारात में दहेज को लेकर हंगामा हो गया। 7 फेरों से पहले दूल्हे ने कार और 20 लाख रुपए मांग रख दी। वर पक्ष ने कहा कि ऐसा न होने पर सात फेरे नहीं होंगे। वधू पक्ष ने असमर्थता जाहिर कर दी। पुलिस पहुंच गई और दूल्हा हवालात में पहुंच गया।

मोबाइल देख रहे होटल मालिक की मौत

महेंद्रगढ़। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के कनीना में एक 42 वर्षीय होटल मालिक की होटल में कुर्सी पर बैठे-बैठे अचानक मौत हो गई। होटल मालिक की मौत से जुड़ा एक सीसीटीवी भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि वह मोबाइल देखते-देखते कुर्सी से नीचे लुढ़क गए। होटल के कर्मचारी उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने जाच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बीड में डीजल टैंकर से टकराई गाड़ी, छाया धुआं

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में तालुका के पाली गांव के पास सोलापुर-धुले राष्ट्रीय राजमार्ग पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक गाड़ी की टक्कर डीजल टैंकर से हो गई। टक्कर जोरदार थी कि देखते ही देखते दोनों गाड़ियों में आग लग गई और हाईवे पर आग का गोला बन गया। टक्कर के तुरंत बाद आग भड़क उठी। धुएं का गुबार छा गया।

दिल्ली में पटाखे बैन! नियम तोड़ा तो खैर नहीं

नई दिल्ली। गोवा के नाइटक्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत के पांच दिन बाद दिल्ली सरकार का आबकारी विभाग भी नींद से जागा है। विभाग ने क्रिसमस और नए साल के जश्न से पहले लाइसेंस वाली जगहों पर इलेक्ट्रिक पटाखों सहित किसी भी तरह के पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती से रोक लगा दी है। नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है।

उबर राइडर ने लड़की से की छेड़छाड़

चंडीगढ़। ट्राइसिटी में रोजाना हजारों लोग बाइक टैक्सी बुक करते हैं। शुक्रवार सुबह परीक्षा देने निकली 11वीं की छात्रा उबर बाइक पर बैठी ही थी कि चालक ने छेड़छाड़ शुरू कर दी। छात्रा ने हिम्मत दिखाई, विरोध किया, पिता को फोन किया, वीडियो भी बनाया। इसके बाद आरोपी रुका नहीं, तेज भगाने लगा और अंत में बाइक गिरा दी। इससे छात्रा को चोट आई है।

मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामला, सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

ऐसे लड़कों को सबक सिखाना चाहिए, जमानत याचिका पर 'सुनवाई' करने से किया इनकार

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने यह कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। मिहिर शाह शिवसेना के पूर्व नेता का बेटा है। शीर्ष कोर्ट ने टिप्पणी की कि इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंचने इस तथ्य पर गौर किया कि आरोपी एक संपन्न परिवार से है और उसके पिता उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना से जुड़े रहे हैं। बेंच ने शुक्रवार को कहा कि वह शेड में मर्सिडीज खड़ी करता है, बीएमडब्ल्यू निकालता है, उससे टक्कर मारता है और फरार हो जाता है। उसे कुछ समय अंदर रहने दीजिए। इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। कोर्ट ने जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। मिहिर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने कहा कि हाईकोर्ट ने मामले में प्रमुख गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद जमानत के लिए आवेदन करने की अनुमति दी थी। शीर्ष कोर्ट का सख्त रुख देखते हुए उन्होंने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

आरोपी संपन्न परिवार से है

उसे कुछ समय अंदर रहने दीजिए, अर्जी वापस ली

देश का सर्वोच्च न्यायालय

9 जुलाई को गिरफ्तार किया गया

मिहिर शाह (24 वर्षीय) को पिछले साल नौ जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि उसने मुंबई के वर्ली इलाके में अपनी बीएमडब्ल्यू कार से एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी थी, जिसमें कावेरी नखवा (45 वर्षीय) की मौत हो गई थी और उनके पति प्रदीप नखवा घायल हो गए थे। आरोप है कि हादसे के बाद मिहिर शाह बांद्रा-वर्ली सी लिंक की ओर तेज गति से बढ़ा, जबकि महिला

मुख्य आरोपी और चालक दोनों न्यायिक हिरासत में

हादसे के समय कार में मौजूद शाह के चालक राजऋषि को भी उसी दिन गिरफ्तार किया गया था। दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। शाह ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 21 नवंबर के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार किया गया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि आरोपी अत्यधिक नशे में था और स्कूटर से टकराने तथा पीड़िता को घसीटने के बावजूद उसने कार नहीं रोकी।

दोनों का व्यवहार जमानत देने के लिए आश्वस्त नहीं करताः हाईकोर्ट

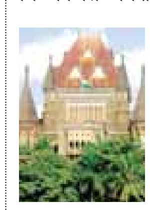

मुंबई। हाईकोर्ट ने भी कहा था कि कथित अपराध के समय और उसके बाद आरोपी का व्यवहार कोर्ट को जमानत देने के लिए आश्वस्त नहीं करता। कोर्ट ने कहा कि शाह ने दुर्घटना के बाद तेज रफ्तार से भागने की कोशिश की और पीड़िता को कार के नीचे घसीटता रहा। सीट बदलना, पिता को फोन करना और फरार होना, साक्ष्यों से छेड़छाड़ करना उचित नहीं दिखता।

सुप्रीम कोर्ट ने सपा नेता की याचिका पर नोटिस जारी किया

उत्तर प्रदेश में एसआईआर का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में समाजवादी पार्टी के नेता अरविंद कुमार सिंह की याचिका पर नोटिस जारी किया है। इस में उन्होंने उत्तर प्रदेश में एसआईआर को चुनौती दी है। सिंह ने इस प्रक्रिया से जुड़ी

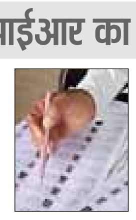

अधिसूचना को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने जनगणना, नियंत्रण तालिका, मसौदा मतदाता सूची को अपडेट करने और अंतिम मतदाता सूची जारी करने की अपील की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश जारी किया है।

कई पार्टियों के नेता कोर्ट में रहे मौजूद

सपा के अलावा, डीएमके, टीवीके, सीपीआई (एम), उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी, टीएमसी और इनके नेता भी अदालत में मौजूद थे। इन सभी ने तमिलनाडु,बंगाल, केरल में चुनौती दी है।

जगदलपुर में गृहमंत्री शाह का ऐलान

अगले साल नक्सल फ्री हो जाएगा बस्तर..हथियार डालें, चुनें पुनर्वास

ओलंपिक खेलों का किया समापन

ओलंपिक खेलों के समापन पर खिलाड़ियों के साथ शाह

एजेंसी ▶▶ जगदलपुर

बस्तर ओलंपिक के समापन के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जगदलपुर पहुंचे।इस दौरान शाह ने एक बार फिर देश से नक्सलवाद खात्मे को लेकर बड़ी बात कही। शाह ने कहा कि देश से नक्सलवाद 31 मार्च 2026 के दिन खत्म होगा। बस्तर के विकास में लाल आतंक सांप की तरह फन फैलाकर बैठा था,जिसके दंश से पूरा राज्य प्रभावित हो रहा था,लेकिन अब बस्तर में शांति लाने की बारी है। इतनी ही विनम्रता से मैं अपील भी करता हूं कि गुमराह होकर जो लोग हाथों में हथियार लिए घूम रहे हैं,वो आकर पुनर्वासन योजना में जुड़े। नक्सलवाद से किसी का भला नहीं होगा। शांति ही विकास का रास्ता प्रशस्त कर सकती है। आप अपना नया जीवन चुनिए।

केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लें लाभ

शाह ने भारत माता की जय के साथ भाषण की शुरुआत की। छत्तीसगढ़ को नए आयाम तक पहुंचाने के लिए उन्होंने पूर्व सीएम रमन सिंह, सीएम विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव को धन्यवाद दिया। शाह ने कहा कि बस्तर की धरती ने काफी आतंक सहा है,लेकिन मौजूदा सरकार की योजनाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों ने बस्तर की तस्वीर बदलने की कोशिश की है।

सरेंडर्ड नक्सलियों की नुआ टीम को दी बधाई

शाह ने बस्तर ओलंपिक की तारीफ करते हुए कहा कि जब 700 ज्यादा सरेंडर नक्सल बच्चों ने बस्तर ओलंपिक में हिस्सा लेने की जानकारी मुझे मिली तो मैं बहुत खुश हुआ। नक्सलवाद में पूरा जीवन बर्बाद हो जाता। अभी जो परेड हुई है उसमें सरेंडर किए हुए खिलाड़ी संभाग स्तर पर आए हैं। मैं सभी दर्शकों के लिए कहना चाहता हूं कि इन खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत करें। ये खिलाड़ी जो नुआ बाट के लिए खेले हैं वो देश के लिए बड़ा उदाहरण हैं,क्योंकि इन खिलाड़ियों ने विनाश की जगह विकास का रास्ता चुने है। यहां की सभी जनजातियां भारत की समृद्ध विरासत है। छत्तीसगढ़ सरकार ने आधुनिक स्टूडियो बनाकर पारंपरिक गीतों को सहेजने का काम किया है.इसे संगीत के साथ इससे जुड़ी किताबें भी प्रस्तुत की हैं।

हाईकोर्ट ने खरिज की कंपनी की अपील

ज्यादा वेतन व बड़ा पद पायलट को श्रम कानूनों से छूट नहीं देता

दिल्ली हाईकोर्ट

बकाया वेतन और अन्य भुगतान को दी थी चुनौती

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने किंग एयरवेज की सभी अपीलें खारिज करते हुए साफ शब्दों में कहा कि एयरलाइन पायलट, चाहे वे पायलट इन कमांड ही क्यों न हों, औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत वर्कमैन माने जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि किसी कर्मचारी का ज्यादा वेतन, बड़ा पद या उड़ान के दौरान कमान संभालना, उसे श्रम कानूनों से बाहर नहीं करता है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने यह फैसला किंग एयरवेज और उसके पूर्व पायलटों के बीच चले विवाद में सुनाया। एयरलाइन ने पायलटों को बकाया वेतन और अन्य भुगतान देने के आदेश को चुनौती दी थी।

वर्कमैन होने का फैसला काम की प्रकृति का आधार

कोर्ट ने कहा कि किसी कर्मचारी के वर्कमैन होने का फैसला उसके काम की असली प्रकृति से होता है। पायलट का मुख्य काम विमान उड़ाना है, जो एक तकनीकी और कौशल आधारित जिम्मेदारी है।भले ही उड़ान के दौरान पायलट इन कमांड को जिम्मेदार माना जाता हो, लेकिन वह न तो दफ्तर के कामकाज में और न ही कर्मचारियों के प्रशासनिक मामलों में कोई प्रबंधकीय या पर्यवेक्षी भूमिका निभाता है।

वह प्रबंधन या सुपरविजन के बराबर नहीं

कोर्ट ने एयरलाइन की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि पायलटों का ऊंचा वेतन या सीनियर कमांडर का पद उन्हें वर्कमैन की श्रेणी से बाहर कर देता है। कोर्ट ने कहा कि वेतन की सीमा तभी मायने रखती है, जब यह साबित हो कि कर्मचारी वास्तव में सुपरवाइजरी काम करता है, जो इस मामले में साबित नहीं हुआ। कोर्ट ने यह भी कहा कि विमानन नियमों में जिस निगरानी या नियंत्रण की बात होती है, वह केवल उड़ान की सुरक्षा से जुड़ी होती है।

पायलटों के पक्ष में फैसला बरकरार रखा

बकाया वेतन के मामले में भी कोर्ट ने पायलटों के पक्ष में फैसला बरकरार रखा। अदालत ने माना कि पायलटों की नौकरी गलत तरीके से खत्म की गई थी। इसलिए उन्हें दोबारा सेवा में लेना, सेवा की निरंतरता देना और बकाया वेतन देना सही है।

कलाकारों ने देवताओं का रूप धरा

वाराणसी। वाराणसी में शनिवार को काशी विश्वनाथ मंदिर के रेनोवेशन की चौथी सालगिरह के मौके पर एक जुलूस में देवी-देवताओं का रूप धारण किए कलाकारों ने हिस्सा लिया।

उत्तराखंड के खटीमा में बड़ा बवाल

युवक की हत्या पर लोगों ने दुकानों में लगाई आग, धारा 163 लागू

मौके पर पुलिस को किया गया तैनात

एजेंसी ▶▶ खटीमा

उत्तराखंड के खटीमा में एक युवक की हत्या के बाद आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने हमलावरों की दुकान में आग लगा दी। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर तनाव को देखते हुए प्रशासन ने धारा 163 लागू किया है। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया है। प्रशासन द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बवाल का नजारा

युवक की मौत के बाद हंगामा

शुक्रवार रात्रि खटीमा रोडवेज परिसर में दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। आपसी विवाद के दौरान चली चाकूबाजी में 23 वर्षीय तुषार शर्मा की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को हालत नाजुक होने पर हायर सेंटर रेफर किया गया है।

आज सोनिया के दरबार में सिद्धारमैया और डीके लगाएंगे हाजिरी

फैसला आज, किसे मिलेगा कर्नाटक मुख्यमंत्री का ताज?

अंदरूनी खींचतान के बीच आज दोनों की होगी 'नेतृत्व' से मुलाकात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में 14 दिसंबर को कांग्रेस की राजनीति का सबसे अहम दरबार लगने वाला है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एक साथ कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। और, यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब कर्नाटक में सत्ता के शीर्ष पद को लेकर अंदरखाने खींचतान चरम पर है। मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस के दोनों बड़े नेता के बीच संघर्ष चल रही है। सियासी गलियारों में इसे सिर्फ एक औपचारिक बैठक नहीं बल्कि फैसले की घड़ी के तौर पर देखा जा रहा है।

■ लोग फैसले की घड़ी देख रहे

अहम बताई जा रही यह आमने- सामने की बैठक

सोनिया गांधी

कांग्रेस के भीतर यह लगभग तय माना जाता है कि कर्नाटक के नेतृत्व विवाद पर आखिरी फैसला हाईकमान ही करेगा। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पहले ही कह चुके हैं कि इस कन्फ्यूजन को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और वह खुद मिलकर सुलझाएंगे। अब जब सिद्धारमैया और शिवकुमार एक साथ दिल्ली पहुंच रहे हैं, तो साफ है कि मामला निर्णायक मोड़ पर है।

पूर्व का फार्मूला बना सबसे बड़ी अड़चन

सरकार को करीब 140 विधायकों का मजबूत समर्थन हासिल है, लेकिन 20 नवंबर को सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद फिर यह चर्चा तेज हो गई कि मुख्यमंत्री पद को ढाई-ढाई साल के फार्मूले पर बदला जाना था।

कांग्रेस विधायक की भविष्यवाणी

6 जनवरी को शिवकुमार ही बनेंगे मुख्यमंत्री

इस बीच, सत्ताधारी कांग्रेस के विधायक ने बड़ी भविष्यवाणी करते हुए तारीख बताई है कि शिवकुमार मुख्यमंत्री कब बनेंगे? विधायक एचए इकबाल हुसैन ने शनिवार को दावा करते हुए कहा है कि शिवकुमार 6 जनवरी को मुख्यमंत्री बनेंगे। इसी के साथ उन्होंने अपने बयान में कहा कि जिस पद पर अभी सिद्धारमैया हैं, उसे शिवकुमार के लिए खाली किया जाना चाहिए।

युवाओं को जोड़ना और रामायण के वैश्विक और सांस्कृतिक पहलुओं पर जोर दिया गया

वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस की सफलता हेतु सिद्ध श्री मां दरबार में हुआ सुंदरकांड का भव्य आयोजन

हरिभूमि जबलपुर।

संस्कारधानी के मध्य गढ़ा में स्थित धर्म आध्यात्म उपासना श्रद्धा भक्ति का केंद्र सिद्ध श्री मां दरबार में वैसे तो पूरे वर्ष के 365 दिवस ही विभिन्न धार्मिक आयोजन पूज्य दैवज्ञ ग्रहस्त संत पंडित श्री अरुण शर्मा जी के मार्गदर्शन में निरंतर होते रहते हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला में संस्कारधानी में आगामी माह वर्ष 2026 के प्रथम सप्ताह में आयोजित होने वाले वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस की सफलता हेतु सिद्ध श्री मां दरबार में भगवान राम के अनन्य भक्त सेवक अंजनी नंदन श्री हनुमंत लाल जी की उपासना पूजन अर्चन के साथ सुंदरकांड का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजन दीपक प्रज्वलन कर भगवान श्री राम के पूजन अर्चन, भगवान हनुमंत लाल का पूजन अर्चन, मां जगत जननी का पूजन अर्चन कर संगीत मय सुंदरकांड पाठ का आयोजन सभी उपस्थित भक्तों के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पूज्य पंडित अरुण शर्मा जी ने आयोजन के संबंध में बताया कि वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस

रामायण के ज्ञान, संस्कृति और मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर के विद्वानों, शोधकर्ताओं और भक्तों को एक मंच पर लाने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय आयोजन है, जो जबलपुर मध्य प्रदेश में ब्रह्मऋषि मिशन समिति द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें आगामी चौथा सम्मेलन 2 से 4 जनवरी 2026 को मानस भवन, जबलपुर में होगा और 'मेकिंग यूथ रामायण एंबेसडर' (MYRA) थीम पर केंद्रित होगा। इसके पूर्व विश्व रामायण सम्मेलन विभिन्न रूपों और स्थानों (भारत, श्रीलंका, यूके) में आयोजित किए गए, जिनमें युवाओं को जोड़ना और रामायण के वैश्विक और सांस्कृतिक पहलुओं पर जोर दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित संस्कारधानी के प्रतिष्ठित नागरिक गढ़ा रामलीला समिति के संयोजक पंडित अशोक मनोध्या जी ने बताया कि संस्कारधानी की वैश्विक पहचान बन चुके वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस के चौथे संस्करण के आयोजन की तैयारियां तेजी से जारी हैं। आगामी 2 से 4 जनवरी 2025 तक मानस भवन में आयोजित होने जा रहे विराट आयोजन की मुख्य समितियों और सह-समितियों के कार्यों की समीक्षा बैठक ज्ञानेश्वरी दीदी,डॉ. अखिलेश गुमास्ता, विधायक श्री अजय बिश्नोई, पंडित अशोक मनोध्या,एवं आयोजन समिति से जुड़े अन्य प्रमुख व्यक्तितवो के संयोजन में निरंतर जारी है । आयोजन की व्यापकता को देखते हुए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जिनकी कार्य प्रगति की विस्तृत समीक्षा निरंतर की जा रही है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस का आयोजन 2016 मे गढ़ा रामलीला समिति के स्वंरिणम वर्ष के उपलक्ष्य मे आयोजित की थी और यह चौथा आयोजन होने जा रहा है।

वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस की सफलता के उद्देश्य से अब तक लगभग 12 हजार सुन्दरकाण्ड पाठ पूर्ण कर लिए गए हैं, जो आयोजन की आध्यात्मिक ऊर्जा और भव्यता को बढ़ाने वाले हैं। इसी क्रम में आज सिद्ध श्री मां दरबार में भी मां भगवती के सम्मुख सुंदरकांड का आयोजन किया गया साथ ही साथ ही संयोजन के माध्यम से भगवान हनुमंत लाल भगवान श्री राम और मां जगत जननी सेकार्यक्रम की सफलता हेतु प्रार्थना की गई की। इस अवसर पर सिद्ध श्री मां दरबार के पूज्य संत श्री अरुण शर्मा जी,पूज्य माताजी, पंडित अशोक मनोध्या,पंडित रामनाथ दुबे, लोकराम कोरी, विनोद दुबे, अजय गुप्ता,सुबीर सेन गुप्ता आशीष शर्मा, अभिषेक शर्मा, डॉक्टर संदीप नेमा, सरदार तलविंदर सिंह ओबेरॉय, चंद्रशेखर शर्मा,पंडित देवेंद्र गोटिया, डॉ आर एस चंडोक, पंडित मुकेश तिवारी, देवेंद्र नेमा, शंकर सोनी,डॉ विमल शुक्ला, रोमगी शर्मा, संजय गुप्ता, भूपेंद्र उपाध्याय, प्रवीण लखेरा,आशीष मिश्रा, पंडित प्रणव राजोरिया, पंडित शिवम् पाण्डेय साहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम उपरांत महा आरती के पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया।

मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

जबलपुर। आज मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा अध्यक्ष जबलपुर नरेश कुलस्ते ने बताया कि संघ के प्रांतीय आह्वान पर अपनी न्यायोचित 15 सूत्रीय मांगों जैसे पदनाम परिवर्तन, ग्रेड पे 1300 से 1800 करने, सातवें वेतनमान का लाभ 01/01/2016 से देने, OPS लागू करने, आउटसोर्स, दैनिक वेतन भोगी, स्थाई कर्मचारी, अंशकालिक, आशा, उषा, रसोईया, सहायिका, कोटवार को सम्मानजनक वेतन एवं शासकीय व्यवस्था में करने एवं पदोन्नति करने जैसी मांगों को लेकर जिला शाखा जबलपुर द्वारा मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम तीसरे चरण का ज्ञापन मध्य प्रदेश के सभी 55 जिलों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सौंपा गया है। इसी कड़ी में जिला जबलपुर में जनप्रतिनिधि राकेश सिंह मंत्री मध्य प्रदेश शासन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन कार्यालय नागपाल गार्डन मदन महल जबलपुर में सौंपा गया। इस दौरान विशेष रूप से संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष आईटी सेल एवं संभागीय अध्यक्ष विपिन पीपरे, प्रांतीय सचिव सहदेव रजक, संभागीय सलाहकार वैद्यनाथन अय्यर, संभागीय प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिवेंद्र पटेल, जिला स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष रविंद्र राय, सुरेश बाल्मिक, प्रेम नारायण ठाकुर, संजय रजक, ओमप्रकाश पनगरहा, राजू महतो, मोहित वर्मा, सुनील पाठक, संतोष पटेल, हब्बीब ख़ान, अरविंद पोर्ते, संजय झारीया, शिवनारायण चतुर प्रसाद, तीरथ प्रसाद, पुरुषोत्तम यादव, ममता वैद्य एवं अन्य साथियों ने उपस्थित होकर अपने हक की आवाज बुलंद की।

हेमंत साहू बने सहसचिव

जबलपुर। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के संस्थापक पूर्व सांसद रामनारायण साहू ,राष्ट्रीय अध्यक्ष उमेश साहू एवं युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष एसपी गुप्ता के निर्देशानुसार जबलपुर निवासी भाजपा अंत्योदय प्रकोष्ठ के नगर सह संयोजक हेमंत साहू को राष्ट्रीय युवा सह-सचिव के पद पर नियुक्त किया गया।साहू जी की नियुक्ती पर संगठन के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई प्रेषित की।

पेंशनर्स की लंबित मांगों पर वित्त मंत्री को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के कार्यवाहक प्रान्ताध्यक्ष एच.पी. उरमलिया के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने आज वित्त मंत्री के नगर आगमन पर उनसे सौजन्य भेंट करके राज्य के 4.50 लाख पेंशनर्स की लंबित आर्थिक मांगों के संबंध में 6 सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए बताया कि राज्य पेंशनर्स को जुलाई 2025 से तीन प्रतिशत लंबित मंहगाई राहत का भुगतान एरियर्स के साथ किया जाये। म.प्र. राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को पेंशनर्स हित में विलोपित कराया जाये। राज्य के पेंशनर्स को कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध करायी जाये तथा दवाईयों के लिए प्रत्येक पेंशनर्स को दो हजार रूपये प्रतिमाह भुगतान किया जाये। आदि अन्य मांगें मांग पत्र में

अंकित हैं, के निराकरण के लिए शासन स्तर से यथाशीघ्र संगठन के पदाधिकारियों से चर्चा उपरांत समुचित आदेश जारी कराये जायें ताकि राज्य में पेंशनर्स में व्याप्त आक्रोश समाप्त हो सके। वित्तमंत्री ने आश्वस्त किया है कि संगठन के पदाधिकारियों को भोपाल में बुलाकर वित्त विभाग के सचिव के साथ चर्चा उपरांत शीघ्र ही मांगों पर आवश्यक निर्णय दिलाये जाने का आश्वासन दिया है। मंत्री जी का पुष्पहारों से स्वागत करते हुए उनको हार्दिक धन्यवाद प्रेषित किया गया। प्रतिनिधि मंडल में एच.पी. उरमलिया, शेषमणि पाण्डेय, बी.एस.पी. गौर, ए.के. शुक्ला, श्रवणकुमार श्रोति, उमेश हंश, एस.पी. शुक्ला, सी.एल. दोहरे, के.सी. अवस्थी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नामदेव समाज का युवक-युवती परिचय एवं विवाह सम्मेलन आज

जबलपुर। मध्यप्रदेश नामदेव क्षत्रिय एकता परिषद के तत्वावधान में संत श्री नामदेव महाराज की जयंती के अवसर पर नामदेव समाज का युवक-युवती परिचय एवं सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन आज 14 दिसंबर को बंशी वाले मैरिज गार्डन, दमोहनाका में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक चलेगा। परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष रामभरत नामदेव, कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष जे.पी. वर्मा एवं जिला अध्यक्ष रूपराम नामदेव ने बताया कि सम्मेलन में प्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में युवक-युवतियां एवं उनके अभिभावक शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम में धार्मिक आयोजन, अतिथि स्वागत, प्रतिभा सम्मान, युवक-युवती परिचय, सामूहिक विवाह, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

खेल केवल मनोरंजन नहीं, आर्थिक व सामाजिक विकास का आधार : रोहाणी

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी "खेल सृष्टि में भारतीय दृष्टि" संपन्न

हरिभूमि, जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, क्रीड़ा भारती एवं प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी "खेल सृष्टि में भारतीय दृष्टि" का आयोजन महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक अशोक रोहाणी के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

इस अवसर पर रोहाणी ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि आर्थिक एवं सामाजिक विकास का अभिन्न अंग है। ऐसी संगोष्ठियां भारतीय खेल परंपराओं पर शोध और चिंतन को

बढ़ावा देती हैं तथा भविष्य के खिलाड़ियों को दिशा प्रदान करती हैं। कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो. राजेश वर्मा, प्रांत प्रचारक बृजकांत, डॉ. पंजाबराव चंदेलकर, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र कोष्टी, मुख्य वक्ता राज चौधरी, जनभागीदारी अध्यक्ष आशीष राव, प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी एवं संगोष्ठी संयोजक डॉ. ज्योति जुनगरे उपस्थित रहे। अतिथियों ने सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य वक्ता राज चौधरी ने कहा कि खेल केवल शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास और उच्चतम स्तर तक पहुंचने की प्रक्रिया है। वक्ताओं ने खेलों को शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास का सशक्त माध्यम बताया। तृतीय सत्र में प्रतिभागियों द्वारा शोध पत्रों का वाचन किया गया। समापन सत्र में दिग्विजय सिंह (उपाध्यक्ष, म.प्र. ओलंपिक संघ) मुख्य अतिथि एवं डॉ. अल्का नायक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

डॉ. सलमा जमाल विश्व हिंदी परिषद अधिवेशन द्वारा दिल्ली में सम्मानित

जबलपुर। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवयित्री/ कथाकार डॉ. सलमा जमाल जो विश्व हिंदी परिषद में शैक्षणिक महामंत्री पद पर मनोनीत हैं, उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पर्यावरण पर आलेख प्रस्तुत किया और कवि सम्मेलन में भाग लिया। परिषद के सचिव डॉ. विपिन कुमार ने सलमा जमाल को हिंदी के उत्कृष्ट कार्यों के लिए 'हिंदी सेवी' सम्मान से सम्मानित कर शॉल, मोमेंटो और सम्मान पत्र प्रदान किया।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 21 एवं 22 नवंबर 2025 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में 11 देश के सम्माननीय साहित्यकार उपस्थित हुए। इस सम्मेलन में ऑफलाइन या ऑनलाइन या सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़कर सभी लोगों ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों और हिन्दी के प्रति प्रेम प्रदर्शित किया, इससे हम सभी लोग गौरवान्वित और हर्षवान्वित महसूस कर रहे हैं।

14 से 16 दिसंबर तक महेश भवन, गोपालबाग में होगी कथा

माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा तीन दिवसीय "नानी बाई का मायरा" कथा का आयोजन

हरिभूमि, जबलपुर।

माहेश्वरी महिला मंडल, जबलपुर द्वारा संस्कारधानी में पहली बार तीन दिवसीय भव्य धार्मिक आयोजन "नानी बाई का मायरा" का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन महेश भवन, गोपालबाग में 14, 15 एवं 16 दिसंबर 2025 को प्रतिदिन दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक संपन्न होगा।

कथा का वाचन श्रद्धेय नेहा जी जेठा द्वारा किया जाएगा, जबकि सहयोगी के रूप में श्रीमती दीप्ति जेठा उपस्थित रहेंगी। आयोजन को लेकर समाजजनों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

मंडल की ओर से अर्चना माहेश्वरी, अनीता जेठा, सरोज जेठा, श्वेता सारडा, मोना डागा एवं गीता जेठा ने समाज के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं एवं मातृशक्ति से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा का लाभ लेने की अपील की है।

प्रस्तावित रेल रोको आंदोलन को लेकर जीआरपी सतर्क

जबलपुर। जीआरपी ने जानकारी में बताया कि सिहोरा में 13.12.2025 को पूर्वान्ह 11 बजे से रेल रोको आंदोलन प्रस्तावित था, प्रदर्शन की घोषणा को भांपते हुए सिहोरा रेलवे स्टेशन पहुँचकर स्टाफ के साथ चेकिंग की गई, जहां कोई भी प्रदर्शनकारी उपस्थित नहीं मिला। थाना जीआरपी जबलपुर का बल मौके पर तैनात है ताकि किसी प्रकार की कोई असामान्य स्थिति उत्पन्न न हो।

मोक्षधाम परिसर में ठंड से राहत का प्रयास

रोटरी क्लब एक्सीलेंस द्वारा जरूरतमंदों को कंबल वितरण

जबलपुर। ठंड के मौसम में जरूरतमंद एवं गरीब परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब एक्सीलेंस, जबलपुर द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम

मेडिकल स्थित मोक्षधाम परिसर में संपन्न हुआ, जहां ठंड से पीड़ित और खुले में जीवनयापन करने वाले लोगों को कंबल वितरित किए गए। कंबल प्राप्त कर जरूरतमंदों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। उन्होंने बताया कि इससे उन्हें ठंड से राहत मिलेगी और वे अब चैन की नींद सो सकेंगे। इस सेवा कार्य में रोटरी क्लब एक्सीलेंस के सभी सदस्यों ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष अशोक कुमार साहू, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र जेठा सहित अखिलेश बादशाह, आर.के. चौकसी, एम.एल.बी. राव, आशीष जैन, अभिषेक केशरवानी, संतोष गुप्ता, राजेश, खत्री सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश आगमन का दिया आमंत्रण

जद (यू) मप्र अध्यक्ष सूरज जायसवाल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की सौजन्य भेंट

जबलपुर। मध्य प्रदेश जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश अध्यक्ष सूरज जायसवाल ने प्रदेश प्रभारी विद्यासागर निषाद के साथ शुक्रवार को पटना में बिहार के मुख्यमंत्री निवास पर जनता दल (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सूरज जायसवाल ने नीतीश कुमार को बिहार में प्रचंड बहुमत के साथ दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मध्य प्रदेश में जनता दल (यू) की संगठनात्मक गतिविधियों, विस्तार एवं जनआंदोलनों की जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री से मध्य

प्रदेश आगमन का सादर आग्रह किया। प्रदेश अध्यक्ष ने 26 दिसंबर को मध्य प्रदेश के बामनिया में स्थित मामा बालेश्वर दयाल जी की समाधि स्थल पर आयोजित होने वाली पुण्यतिथि एवं श्रद्धांजलि सभा की जानकारी देते हुए उक्त कार्यक्रम में पधारने का आमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर भगवती मानव कल्याण संगठन के अजय अवस्थी ने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से 23 जनवरी को ब्यौहारी स्थित आश्रम में आयोजित होने वाले शिविर में शामिल होने का आग्रह किया। भेंट के दौरान जनता दल (यू) मध्य प्रदेश के प्रदेश महासचिव सोभाल सिंह भी उपस्थित रहे।

ये है दुनिया की सबसे लंबी ट्रेन जर्नी, बैठे-बैठे आधी दुनिया देख लेते हैं लोग

लिस्बन। ट्रेन का रोमांच किसे नहीं भाता? खिड़की से बाहर झांकते हुए पहाड़, नदियां, गांव और शहरों का नजारा। ये तो हर सफर का मजा है। लेकिन, भारत में हम अपनी विवेक एक्सप्रेस को सबसे लंबी ट्रेन जर्नी मानते हैं, ये ट्रेन डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी तक चलती है। इसकी कुल लंबाई 4,273 किलोमीटर है और इस सफर को पूरा करने में करीब 80 घंटे का समय लगता है। लेकिन, दुनिया में एक ऐसी ट्रेन यात्रा है जो आपके दिमाग की बत्ती गुल कर देगी। ये है पुर्तगाल से सिंगापुर तक का रेल सफर। अपनी जर्नी में ये ट्रेन लगभग 18,755 किलोमीटर का सफर तय करती है। इसे पूरा करने में 21 दिन का समय लगता है। यानी पूरे 21 दिन रेल की पटरियों पर इंसान को समय बिताना पड़ता है। ये कोई लग्जरी ट्रेन नहीं होत, बल्कि 20 से ज्यादा सामान्य ट्रेनों का कनेक्शन है । इसमें एक ही टिकट नहीं मिलता, हर देश की अलग बुकिंग और अलग वीजा की जरूरत पड़ती है।

एक ट्रेन से घूमें कई देश

अगर पैसेंजर के पास सारे डॉक्युमेंट्स मौजूद हैं, और सब कुछ सही रहा तो जर्नी की शुरूआत पुर्तगाल के दक्षिणी तटीय शहर लगोस से होती है। जहां समुद्र की लहरें और यूरोपीय सूरज की धूप है। फिर स्पेन के मैड्रिड, फ्रांस का पेरिस, जर्मनी का बर्लिन, पोलैंड का वारसॉ, बेलारूस होते हुए रूस के मॉस्को पहुंच जाता है। यहां से असली खेल शुरू होता है। अब पैसेंजर चढ़ते हैं ट्रांस-साइबेरियन रेलवे में. ये दुनिया की सबसे मशहूर रेल लाइन है जो 6,000 किलोमीटर से ज्यादा लंबी है। मॉस्को से मंगोलिया के उलानबातार, फिर चीन के बीजिंग तक, साइबेरिया के बर्फीले जंगल, बैकाल झील (दुनिया की सबसे गहरी), गोबी रेगिस्तान के रेत, सबके दर्शन हो जाते है। ये हिस्सा अकेले 6-7 दिन ले लेता है।

बीस हजार किलोमीटर लगातार दौड़ती है रेलगाड़ी

वर्ल्ड रिकॉर्ड में है शामिल

ट्रेन की आगे की जर्नी बीजिंग से दक्षिण की ओर होती है। चीन के हाई-स्पीड ट्रेन से कुनमिंग, फिर लाओस-चीन रेलवे से विएंटियाने, वियतनाम होते हुए थाईलैंड का बैंकॉक तक का सफर तय होता है। आखिर में मलेशिया के कुआलालंपुर से सिंगापुर देखने को मिलता है। चमचमाते शहर में उतरते ही 8 टाइम जोन पार हो चुके होते हैं। अपनी इस जर्नी में ट्रेन कुल तेरह देश पार करता है, जिसमें पुर्तगाल, स्पेन, फ्रांस, जर्मनी, पोलैंड, बेलारूस, रूस, मंगोलिया, चीन, वियतनाम, लाओस, थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर शामिल है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, ये सबसे लंबी संभव ट्रेन जर्नी है। इस सफर को पूरा करने में कुल लागत आती है सिर्फ 1,350 डॉलर यानी करीब 1.1 लाख रुपए।

एसेट में शामिल होकर 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप पाने का मौका

एलन में नए सत्र के एडमिशन के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट 21 दिसम्बर को

कोटा। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट में सत्र 2026-27 में होने वाली इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नए सत्र में कोटा सहित देशभर के सभी केन्द्रों पर एडमिशन के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट 21 दिसम्बर को होगा। प्रवेश व प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के लिए आयोजित किया जाने वाला एलन स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट (ए-सेट) देशभर में निर्धारित केन्द्रों पर आयोजित होगा। परीक्षा में शामिल होकर स्टूडेंट्स एलन फीस में 90 प्रतिशत तक स्कॅारलशिप प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए रजिस्ट्रेशन्ूएंससमदण्पद पर किया जा सकता है। अगला नेशनल एसेट 4 जनवरी को होगा।

जल्द प्रवेश पर दोहरा लाभ

एलन की ओर से इस एसेट में शामिल होकर एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को दोहरा लाभ दिया जा रहा है, जो स्टूडेंट्स 21 दिसम्बर को एसेट में शामिल होकर एडमिशन लेते हैं, उन्हें स्कॉलरशिप के साथ रियायती फीस पर प्रवेश का मौका मिलेगा। जेईई और नीट के बैच आगामी महीनों में शुरू होने जा रहे हैं।

ए-सेट के माध्यम से हर स्ट्रीम का स्टूडेंट स्वयं का असेसमेंट कर सकता है। यह पेपर साइंटिफिक, अकेडमिक व साइक्लोजिकल असेसमेंट के लिए तैयार किया जाता है, जिसमें बेस सब्जेक्ट व आइक्यू के प्रश्न होते हैं। पेपर के सांइटिफिक असेसमेंट के आधार पर स्टूडेंट को एलन द्वारा स्कॉलरशिप ऑफर की जाती है।

उल्लेखनीय है कि इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए देश के ख्यातनाम संस्थान एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ बेहतर परिणाम दे रहा है। जेईई-एडवांस्ड व जेईई-मेन हो या मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी दोनों परीक्षाओं में एलन के परिणाम क्वालिटी और क्वांटिटि दोनों में देश में सर्वाधिक रहे हैं। इसी तरह आईआईटी में प्रवेश करने वाला हर चौथा विद्यार्थी एलन से रहा। गत दो वर्षों से एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा ने जेईई-एडवांस्ड में आल इंडिया रैंक-1 दिए हैं। इसी तरह मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के माध्यम से होने वाले प्रवेश की बात करें तो मेडिकल एजुकेशन के टॉप इंस्टीट्यूट एम्स में भी हर चौथा विद्यार्थी एलन से है।

नियमित रेल कर्मियों का पहचान पत्र पीला और संविदा के लिए नारंगी कार्ड जारी किया जाएगा

रेलवे कर्मचारियों को मिलेगा क्यूआर कोड वाला पहचान पत्र, संविदा और नियमित कर्मचारियों के लिए अलग रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर।

रेलवे कर्मचारियों और संविदा पर नियुक्त कर्मचारियों को अब नया पहचान पत्र जारी किया जाएगा। यह देशभर में लागू होगा, जिसे लेकर रेलवे बोर्ड से आदेश दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को पहुंच गया है। बता दें कि नया पहचान पत्र क्यूआर कोड आधारित होगा, जिससे कर्मचारियों की जानकारी डिजिटल तरीके से आसानी से उपलब्ध होगी। रेलवे बोर्ड के प्रधान कार्यकारी निदेशक रेणु शर्मा ने सभी जोन को इसे लागू करने का आदेश दे दिया है। नियमित रेलकर्मियों का पहचान पत्र पीला होगा, जबकि संविदा कर्मचारियों के लिए नारंगी कार्ड जारी किया जाएगा। यह पहचान पत्र न केवल कर्मचारी की पहचान साबित करेगा, बल्कि संविदा कर्मचारियों के लिए कार्यालय में प्रवेश का प्रमाण भी होगा।

कार्ड जारी करने वाले अधिकारी की जानकारी भी मिलेगी

पहचान पत्र पर कर्मचारी की तस्वीर, हस्ताक्षर, नाम, पद, विभाग, जारी होने और वैधता की तिथि तथा जारीकर्ता अधिकारी का हस्ताक्षर शामिल होगा। क्यूआर कोड स्कैन करने पर कर्मचारी का नाम, पता, पद, कार्यस्थल, आधार नंबर, कार्ड जारी होने और वैधता की तिथि तथा कार्ड जारी करने वाले अधिकारी की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। संविदा कर्मचारियों के कार्ड में स्पष्ट रूप से-ऑन कॉन्ट्रैक्ट, अंकित रहेगा।

पेशी में लाया गया बंदी कोर्ट परिसर से फरार

रायपुर। जिला सत्र न्यायालय रायपुर परिसर में एक बार फिर सिपाहियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। इन सिपाहियों की लापरवाही के कारण एनडीपीसी एक्ट के प्रकरण का एक आरोपी न्यायालय परिसर से फरार होने में कामयाब हो गया। बंदी के फरार होने पर जेल और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस विभाग ने फरार बंदी को गिरफ्तार करने के लिए तत्काल शहर के सारे थानों को सूचना देकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। कोर्ट परिसर से फरार हुए आरोपी का नाम आशीष रजावत 26 वर्ष है। वह ककारा थाना नयापारा जिला भिंड मध्यप्रदेश का रहने वाला है। राजिम पुलिस ने 25 नवंबर को गांजा तस्करी के मामले में उसे गिरफ्तार किया था। उसके विरुद्ध थाने में 20बी एनडीपीसी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर शैलेष शर्मा की विशेष अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था।

पीजी और पीएचडी करने वाले छात्रों को पढ़नी होंगी दो भाषाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अब कॉलेज-यूनिवर्सिटी में ग्रेज्यूएशन, पोस्ट ग्रेज्यूएशन और पीएचडी करने वाले हर स्टूडेंट को अपनी मातृभाषा के अलावा एक और भारतीय भाषा पढ़नी होगी। ये कोई जबरदस्ती नहीं है, बल्कि अपनी पसंद की कोई भी भाषा चुन सकते हैं। ये पहल भारतीय भाषा समिति और यूजीसी ने मिलकर शुरू की है, ताकि हायर एजूकेशन ज्यादा बहुभाषी, समृद्ध और रोजगार-फ्रेंडली बने। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली भारतीय भाषा समिति की पहल पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सभी राज्यों के विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में साफ लिखा है कि बहुभाषावाद से ही देश में सांस्कृतिक एकता, राष्ट्रीय एकीकरण और समावेशी विकास आएगा। इसे ही ध्यान में रखकर भारतीय भाषा समिति ने एक और भारतीय भाषा सीखें कैंपेन शुरू किया है। इसका मकसद स्टूडेंट्स, टीचर्स और स्टाफ का भाषाई स्किल बढ़ाना है। अलग-अलग राज्यों की संस्कृति को समझने में मदद करके नौकरी के नए रास्ते खुल सकेंगे। 22 शेड्यूल 8 भाषाओं में से अपनी मातृभाषा के अलावा एक और भारतीय भाषा चुननी होगी। मिसाल के तौर पर अगर आपकी मातृभाषा हिंदी है तो तमिल, बंगाली, मराठी, गुजराती, कन्नड़, तेलुगु, उड़िया, मलयालम कोई भी चुन सकते हैं। इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट, आर्किटेक्चर हर तरह के कॉलेज में ये लागू होगा।

तीन तरह से किए जाएंगे ऑफर

कोर्स तीन लेवल पर होंगे। इसमें बेसिक, इंटरमीडिएट और एडवांस शामिल है। इन्हें तीन तरह से ऑफर किया जाएगा। एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स के अंतर्गत क्रेडिट मिलेगा। क्रेडिट कोर्स डिग्री में काउंट होगा। ऑडिट कोर्स सिर्फ सीखने के लिए होगा। स्टूडेंट आसानी से एंट्री-एग्जिट कर सकता है। तीन अलग सेमेस्टर या तीन माइनर कोर्स के तौर पर चल सकता है।

धोखाधड़ीः कारोबारी दीपक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

कोरबा। प्रदेश पुलिस बल में पदस्थ एक महिला डीएसपी पर ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज आरोप लगाने वाले कारोबारी के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कटघोरा के न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश पुलिस बल मे पदस्थ डीएसपी कल्पना वर्मा पर गंभीर आरोप लगाकर सुर्खियों में आए कारोबारी अंबेडकर टंडन ऊर्फ दीपक टंडन कानूनी दायरे में आ गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दीपक टंडन के खिलाफ वर्ष 2020 में दीपका निवासी महेंद्र सिंह नामक व्यक्ति ने दीपका थाना में शिकायत की थी कि उसके साथ दीपक टंडन ने लगभग 28 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है।

बस्तर ओलंपिक में 761 सरेंडर माओवादी और पीड़ित परिवार के सदस्य ले रहे भाग

जंगल में एके 47 का करते थे उपयोग, अब आत्म समर्पित माओवादी तीरदांजी में लगा रहे निशाना

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

बस्तर के जंगल में नक्सली बन कर एके-47 से हत्या करने वाले अब समर्पण के बाद बस्तर ओलंपिक में तीरंदाजी करते हुए निशाना लगा रहे हैं। बस्तर के अलग-अलग जिलों के खिलाड़ियों के साथ 761 सरेंडर माओवादी और माओवादियों से पीड़ित परिवारों के सदस्य भी खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। नक्सली जंगलों में आधुनिक हथियार लेकर घूमते थे, लेकिन अब मुख्यधारा से जुड़कर बस्तर ओलंपिक में पदक की दौड़ में शामिल हैं। सरेंडर माओवादी पोयामी भीमा, पोदियाराम मरकाम, बुधरा पोड़याम, अर्जुन माड़वी बस्तर ओलंपिक में खेल रहे हैं। मोटू ने बताया कि वर्ष 2018 से अगस्त 2025 तक बंदूक के साथ जंगल में नक्सली संगठन में रहा, ओलंपिक में खो-खो खेल रहा है। इसके अलावा नक्सल पीड़ित रामु, माड़वी सुक्का, वीरेश मौर्य, सुरेश कुमार मिच्चा, किशन, कमल, मड़कम तीरदांजी कर रहे हैं। सुकमा जिला निवासी पोयामी भीमा ने बताया कि नक्सल संगठन का डीवीसी रहा, वर्ष 2021 में टेकलगुड़ा घटना में माओवादियों ने लगभग 25 जवानों को शहीद किया था, उसमें शामिल रहा। वर्ष 2012 में कलेक्टर के अपहरण में पुलिस की ओर से बाएं पैर में गोली लगी थी, लेकिन भाग गया था। भीमा की पत्नी भी डीवीसी में रही। दोनों ने एके-47 के साथ जुलाई 2025 में आत्मसमर्पित किए। उसने बताया कि जंगल में एके-47 से निशाना लगाते थे पर अब बस्तर ओलंपिक में तीरदांजी कर रहे हैं।

20 साल तक नक्सल संगठन में रहा : नक्सल संगठन में डीवीसी रहे पोदियाराम मरकाम एवं बुधरा पोड़याम ने बताया कि लगभग 20 साल तक नक्सल संगठन में एके-47 के साथ रहा। सरेंडर होने के बाद बस्तर ओलंपिक में खेलने का अवसर मिला, जिसमें तीरदांजी कर रहे हैं। उनका कहना है कि अब मुख्य धारा में आ गए हैं, अब ऐसा काम करना है, जिससे लोग सम्मानित करें।

नक्सल संगठन में रहे डॉक्टर सुखलाल

माओवादी संगठन में कभी डॉक्टर का काम करने वाले सुखलाल ने बताया कि अबूझमाड़ इलाके में माओवादियों और ग्रामीणों का इलाज करते थे, जिसके कारण अबूझमाड़ में काफी प्रसिद्ध हैं। थ्री-नॉट-थ्री रायफल रहती थी, आठ लाख का ईनाम था, सुखलाल डॉक्टर टीम में कमांडर का काम करते थे। सरेंडर किए सुखलाल ने बताया कि ओलंपिक में वालीबॉल खेल रहे हैं।

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82 हाइट 5'-11',
एमबीबीएस, अविवाहित,
डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक
मासिक आय 1.50 लाख हेतु
हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट
शिक्षित अविवाहित वधु
चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति
मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

वधु चाहिए
पंजाबी युवक
बिलासपुर (छ.ग.)
निवासी
शिक्षित उम्र 31 वर्ष 6 माह
हाइट 5 फुट 5 इंच,
स्वयं का व्यवसाय
संपन्न परिवार हेतु
शिक्षित कन्या चाहिये।
-:सम्पर्क करें:-
9039965807

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन — मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती

शब्द पहेली - 6077

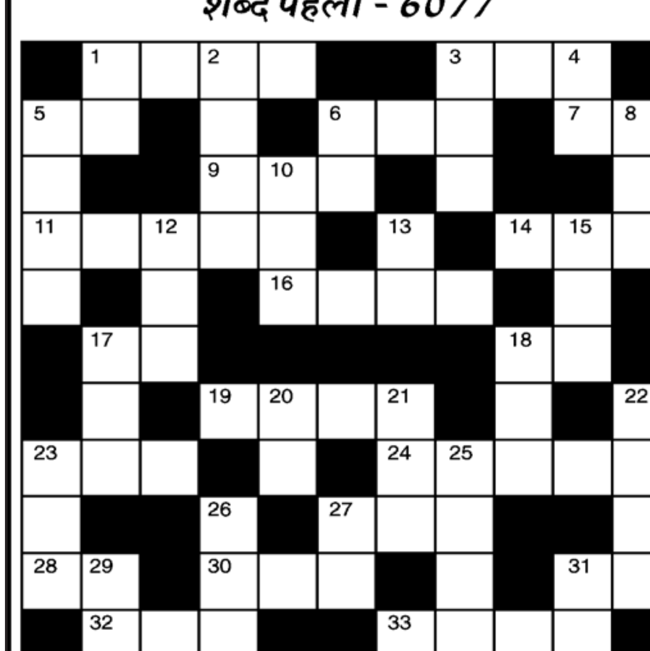

बाएँ से दाए
1. असभ्यता, मूर्खता-4
3. निर्भय, बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा, शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता, गुलामी-5
14. दानव, दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई, छाया-2
19. आदत, स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल, वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा, सूजी-2
30. गुलिस्तां, बाग-3
31. एक ग्रह, शनिश्चर-2
32. दबाना, कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा, अनोखा-3
4. लक्ष्मी, कमला-2
5. खीजना, रोना-4
6. एक पौधा, अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष, होशियार-3
10. जमीकंद, एक सब्जी-3
12. धैर्य, संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा, तला-2
21. पुत्र, बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर, बाण-2

शब्द पहेली - 6076 का हल

सूडोकू नवताल - 6087

* * * * ☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6086 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

क्या होता है डेटा: जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

इसलिए माना जाता है मूल्यवान: आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

डेटा बताता है आपकी रुचियां: डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

सोच को भी करता है प्रभावित: आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स: यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेषः विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता

शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

ऊर्जा के प्रकार: ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

नवीकरणीय: नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत: अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। उर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव: ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

ऑफ रखें उपकरण: जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

इससे बिजली होगी कम खर्च: ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

पुस्तक: काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

शगुन@क्यूआर कोड

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या! *

हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन द्वारा संभव है
कैंसर का इलाज बिना किमो-बिना रेडिएशन

देवी अहिल्या कैंसर अस्पताल इंदौर
NO CHEMO THERAPY
- स्पष्ट प्रभाव परिणाम
- कम खर्चिला
- उच्चतम सफलता दर
- कैंसर की अंतिम स्टेज पर भी प्रभावशाली उपाय
NO RADIO THERAPY
- दर्द रहित इलाज
- कोई दुष्प्रभाव नहीं
- सफल इलाज के रिकार्डस
- अच्छे अनुभवी डॉक्टर
www.dahrc.in
HELPLINE 9584040131
कैंसर की जंग में हम आपके साथ हैं ...
1, आनंद नगर, चितावद, नेमावर रोड, नवलखा, इंदौर
फोन-0731-4084422 | 9685029784

मेस्सी को देखने की जबरदस्त दीवानगी, नई-नवेली दुल्हन ने किया हनीमून प्लान रद्द

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी शनिवार को भारत दौर के लिए कोलकाता पहुंचे। मेस्सी का 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' भारत में फुटबॉल फैंस के जुनून की कई कहानियां सामने ला रहा है।

ऐसी ही एक कहानी तब सामने आई जब एक कपल ने अर्जेंटीना के इस सुपरस्टार के लिए एक बड़े बलिदान का खुलासा किया। भीड़ के बीच खड़ी एक नई-नवेली दुल्हन ने एक बेहद हैरान करने वाली बात शेयर की। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि पिछले शुक्रवार हमारी शादी हुई और हमने अपना हनीमून प्लान रद्द कर दिया क्योंकि मेस्सी आ रहे थे। यह हमारे लिए ज़्यादा जरूरी है। महिला फैन ने बताया कि यह फैसला आपसी और दिल से लिया गया था। यह मेस्सी के प्रति उनके वर्षों के अटूट प्रेम से प्रेरित था। दुल्हन ने कहा कि हम पहले मेस्सी को देखेंगे और उसके बाद हनीमून पर जाएंगे। मेस्सी को 10 से 12 सालों से फॉलो कर रहे हैं। वह जिस भी क्लब से खेलते हैं, उसे फॉलो करते हैं। पिछली बार जब मेस्सी 2011 में भारत आए थे, तो हम बहुत छोटे थे। हमें उन्हें देखने के लिए बहुत ही ज्यादा उत्साहित हैं।

मेस्सी के लिए दे सकता हूं डिवोर्स

नेपाल का एक फैन, जो लियोनल को देखने के लिए भारत आया था। उसने कहा कि मेस्सी को देखना मेरा सपना था और सिर्फ मेस्सी को देखने के लिए मैंने टिकट खरीदे हैं। मैं अपने परिवार, अपने पिता, माता और भाई का भी जिक्र करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे यहां आने की अनुमति दी और मेरे सपने को साकार किया। इसके बाद फैन ने मजाक भी कहा कि मेस्सी को देखने के लिए अपनी वाइफ को भी डिवोर्स दे सकता हूं। मैं मेस्सी को देखने के लिए कॉलेज छोड़कर इतनी दूर से यहां आया हूं।

मेस्सी फुटबॉलर नहीं बल्कि गहरी भावना

मेस्सी के भारत दौरे के दौरान एक और भावुक पल तब आया जब एक कोलकाता फैन ने अपने दिल की बात कही। हजारों फैंस के बीच खड़े इस फैन ने मेस्सी को लेकर अपने जुनून और अर्जेंटीना के भविष्य पर बात की। उन्होंने एक मुस्कान के साथ कहा कि मैं 2007 से मेस्सी से प्यार करता हूं। मोहब्बत है। इस फैन के लिए, मेस्सी केवल एक फुटबॉलर नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी गहरी भावना हैं, जो उनके करियर के हर पल के साथ मजबूत हुई है।

नबी और दिपेंदु की जर्सी पर मेस्सी ने दिए आटोग्राफ

कोलकाता। लियोनेल मेस्सी का जीओएटी दौरा साल्ट लेक स्टेडियम पर अफरा तफरी और अराजकता के बीच शुरू हुआ लेकिन भारत के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ियों दिपेंदु विश्वास और सैयद रहीम नबी के लिए यह दिन यादगार बन गया। डायमंड हार्बर मेस्सी एकादश के खिलाफ मोहन बागान मेस्सी एकादश के लिये नुमाइशी मैच खेलने वाले विश्वास ने कहा,'मेस्सी ने मेरी जर्सी के बायीं ओर, सुआरेज ने दाई ओर और रौड्रिगो डि पॉल ने बीच में आटोग्राफ दिए।' मेस्सी से दस साल बड़े विश्वास ने कहा,' वह मुस्कुरा रहे थे। उसका चमत्कारिक बायां पैर छूने का मौका मिलना वरदान से कम नहीं था।' इससे पहले डिएगो माराडोना और पेले से जर्सी पर आटोग्राफ ले चुके विश्वास ने कहा,'विश्व चैम्पियन टीम का कप्तान, इतना बड़ा खिलाड़ी। ऐसा मौका जीवन में एक बार मिलता है । वह जितनी देर मैदान पर थे, मुस्कुराते रहे।'

खबर संक्षेप

हरिकेंस ने जीता महिला बिग बैश लीग का खिताब

बेलेरिव ओवल। होबार्ट हरिकेंस ने होबार्ट के बेलेरिव ओवल में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ आठ विकेट से शानदार जीत हासिल करके पहली बार महिला बिग बैश लीग खिताब जीता। हरिकेंस ने सिर्फ 15 ओवर में 138 रनों का आसान लक्ष्य हासिल कर लिया। इसका श्रेय साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी लिजेल ली की शानदार पारी को जाता है, जिन्होंने 44 गेंदों में 77 रन बनाए। इसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। ली को हाल ही में वीमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रुपए की बेस प्राइस पर खरीदा था।

राफेल नडाल ने कराई हाथ की सर्जरी

नई दिल्ली। संन्यास ले चुके टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने बताया कि दर्द का इलाज करने और चलने-फिरने में मदद के लिए उनके दाहिने हाथ की सर्जरी हुई है। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल बाएं हाथ से खेलते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे थे। नडाल ने सोशल मीडिया पोस्ट के साथ अपनी एक फोटो भी पोस्ट की, जिसमें उनके दाहिने हाथ पर पट्टी बंधी हुई थी और हाथ स्लिंग में था। उन्होंने मजाक में यह भी लिखा कि वह अगले साल के पहले मेजर ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेल पाएंगे। नडाल के प्रतिनिधि के एक अलग बयान के अनुसार सर्जरी का मकसद उनके दाहिने अंगूठे के जोड़ के दर्द को कम करना और चलने-फिरने में मदद करना था। यह सर्जरी बार्सीलोना के एक निजी स्वास्थ्य क्लिनिक में की गई।

पोस्टर में पाक कप्तान की फोटो गायब, पीसीबी खफा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री के लिए जारी किए गए प्रचार पोस्टर में अपने कप्तान सलमान अली आगा की तस्वीर न होने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से नाखुश है। पीसीबी के सूत्र ने बताया कि इस मामले को आईसीसी के समक्ष उठाया गया है क्योंकि प्रचार पोस्टर में केवल पांच कप्तानों की तस्वीर है। इसमें सूर्यकुमार यादव (भारत), एडेन मार्कराम (दक्षिण अफ्रीका), मिचेल मार्श (ऑस्ट्रेलिया), दासुन शनाका (श्रीलंका) और हैरी ब्रूक (इंग्लैंड) शामिल है। सूत्र ने कहा, 'कुछ महीने पहले एशिया कप के दौरान भी हमें इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ा था, उस समय प्रसारकों ने हमारे कप्तान की तस्वीर के बिना ही प्रचार अभियान शुरू कर दिया था।'

शाम 7 बजे से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीसरा टी-20

सूर्यकुमार चल रहे फ्लॉप, गिल से निराशा बढ़त के लिए हाई-वोल्टेज भिड़ंत आज

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 14 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो सब की निगाहें शुभमन गिल की बल्लेबाजी पर होगी, जो इस प्रारुप में खुद को साबित कर चुके संजू सैमसन की जगह लेने के बाद अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं।

कप्तान सूर्यकुमार यादव की लंबे समय से चली आ रही खराब लय पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि उपकप्तान गिल अब तक भरोसा जगाने में नाकाम रहे हैं। संजू सैमसन जैसे स्थापित सलामी बल्लेबाज की कीमत पर टीम में शामिल किए गए गिल प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करते नजर आए हैं।

दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी का आक्रमण

एनरिच नॉर्किया, मार्को यानसन, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और लुथो सिपामला जैसे गेंदबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण पहले ही दिखा चुकी है कि भारतीय परिस्थितियों का कैसे फायदा उठाया जाए। धर्मशाला में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल होगी। दुनिया भर की मौजूदा टी20 टीमों को देखे तो दक्षिण अफ्रीका इस बार उपमहाद्वीप में खिताब जीतने के लिए काफी मजबूत और संतुलित नजर आ रहा है। क्विंटन डिकॉक की वापसी और उनके साथ कप्तान एडन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, डोनोवन फरेरा, डेविड मिलर और हरफनमौला यानसन की मौजूदगी ने उनकी बल्लेबाजी को बेहद खतरनाक बना दिया है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, संजू सैमसन।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपामला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

गिल को करना होगा असाधारण प्रदर्शन

गिल को अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के फैसले को सही साबित करने के लिए असाधारण प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ एक खराब श्रृंखला के बाद संजू सैमसन को बाहर करने का निर्णय अब भी सवालों के घेरे में है। टेस्ट और वनडे में कलात्मक बल्लेबाजी करने वाले कप्तान गिल को टी20 प्रारुप में दोबारा खुद का ढालना होगा। उन्हें बाकी तीन में से कम से कम दो मैचों में बड़ी पारियां खेलनी होंगी। ऐसा नहीं हुआ तो सैमसन की वापसी या फिर 165 की शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइक रेट वाले यशस्वी जायसवाल को न्यूजीलैंड श्रृंखला में मौका मिल सकता है।

विश्व कप से पहले भारत के पास सिर्फ आठ मैच

विश्व कप से पहले अब भारत के पास सिर्फ आठ मैच बचे हैं। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने कठिन चुनौतियां हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे शीर्ष क्रम के दो बल्लेबाजों को एक साथ खिलाना शायद टीम के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। कप्तान होने के नाते सूर्यकुमार यादव को एक साल से खराब फॉर्म के बावजूद विश्व कप तक कुछ हद तक सुरक्षा मिलने की संभावना है। लेकिन यह छूट गिल को मिलना मुश्किल है क्योंकि वह एशिया कप से पहले तक पारी का आगाज करने के लिए मूल विकल्प नहीं थे। छोटे प्रारुप की टीम में उनकी वापसी अब ऐसे फैसले की तरह दिख रही है, जिसमें बिना जरूरत एक संतुलित संयोजन से छेड़छाड़ की गई।

अंडर-19 एशिया कप

भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार यानी 14 दिसंबर को महामुकाबला होगा, जिसमें दोनों टीमों की नजर जीत की लय को बनाए रखने को होगी। भारत और पाकिस्तान ग्रुप ए में हैं और दोनों ही टीमों ने अपने-अपने पहले लीग मैच जीते थे। दोनों टीमों के अभी 2-2 अंक हैं, लेकिन बेहतरीन रन रेट के आधार पर पाकिस्तान ग्रुप ए की अंकतालिका में पहले स्थान पर है जबकि भारत दूसरे नंबर पर है। भारत ने पहले मैच में यूएई को 234 रन से हराया था, लेकिन पाकिस्तान ने मलेशिया पर तो उससे भी बड़ी जीत दर्ज की थी और उसे 297 रन से जीत हासिल हुई थी।

पाकिस्तान और भारत के बीच होने वाला मैच भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे से खेला जाएगा और दोनों टीमें दुबई में एक-दूसरे के आमने सामने होंगे। भारत और यूएई के बीच, जो मैच खेला गया था उस दौरान पिच बिल्कुल ही सपाट नजर आ रही थी और बल्लेबाजों को खूब मदद मिल रही थी। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि भारत-पाकिस्तान का मैच उसी पिच पर होता है या किसी अन्य पिच पर, लेकिन दुबई में अब तक हुए दोनों मुकाबलों में ये देखने को मिला की रन खूब बने।

भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभावना कम

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की प्लेइंग इलेवन में किसी बदलाव की संभावना कम ही नजर आती है क्योंकि टीम अपने विनिंग कांबिनेशन के साथ ही उतरना चाहेगी। भारत के लिए पारी की शुरुआत वैभव सूर्यवंशी के साथ कप्तान आयुष महात्रे करेंगे। वैभव गजब की लय में हैं और पाकिस्तान के खिलाफ भी उनसे इसी तरह से प्रदर्शन की अपेक्षा रहेगी। यूएई के खिलाफ अन्य भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। भारतीय बैटिंग लाइनअप में वैभव और आयुष के बाद एरोन जॉर्ज, विहान मलहोत्रा, वेदान्त त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू, कनिष्क चौहान होंगे जबकि गेंदबाजी की जिम्मेदारी खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन, कनिष्क सिंह संभालते नजर आएंगे।

डेजर्ट वाइपर्स की लगातार पांचवीं जीत गल्फ जायंट्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| दुबई

खुजैमा तनवीर के चार विकेट के बाद सैम कुरेन और मैक्स होल्डेन के बीच 77 गेंद में 123 रनों की अटूट साझेदारी से डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स को आठ विकेट से हराकर आईएलटी20 के मौजूदा सत्र में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। तनवीर ने 10 रन देकर चार विकेट लिए, जो आईएलटी20 के इतिहास में यूएई के किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह इसके साथ ही इस लीग के पावरप्ले में चार विकेट लेने वाले अपने देश के पहले गेंदबाज भी बन गए। गल्फ जायंट्स की टीम खराब शुरुआत के बावजूद सात विकेट पर 157 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

कुरेन ने खेली 67 रन की नाबाद पारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए वाइपर्स ने दूसरे ओवर में क्रिस वुड की गेंद पर फखर जमां (आठ गेंद में 14 रन) और फिर चौथे ओवर में हसन नवाज (नौ गेंद में सात रन) का विकेट गंवा दिया। नवाज रन आउट हुए। कुरेन और होल्डेन ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 19 गेंद शेष रहते आसान जीत दिला दी। कुरेन ने 43 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 67 रन की पारी खेली जबकि होल्डेन ने 41 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए।

गिरोना ने रीयाल सोसिएदाद को 2-1 से हराया...

मैड्रिड। यूक्रेन के स्ट्राइकर विक्टर त्सिगानकोव के आखिरी 15 मिनट में दो गोल की मदद से गिरोना ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग में रीयाल सोसिएदाद पर 2-1 से जीत हासिल की। यह 'ला लीगा' के मौजूदा सत्र में प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान पर गिरोना की पहली जीत है। गोंकालो गुएडेस ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले एक शानदार स्ट्राइक के साथ सोसिएदाद के लिए गोल किया, लेकिन त्सिगानकोव ने आठ मिनट के अंदर (76वें और 84वें मिनट) दो गोल के साथ गिरोना को रेलीगेशन जोन (20 टीमों की तालिका में आखिरी दो स्थान) से बाहर निकाल दिया। इस जीत से गिरोना की टीम तालिका में 17वें स्थान पर पहुंच गई। सोसिएदाद 14वें पायदान पर है।

अत्यधिक लचीलेपन के कारण रन बनाना मुश्किल : उथप्पा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय भारत की बल्लेबाजी रणनीति में भूमिका को लेकर स्पष्टता की कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पारी की शुरुआत में अत्यधिक लचीलेपन के कारण रन बनाना मुश्किल हो जाता है। उथप्पा ने कहा कि समस्या शुरुआती विकेट गिरने की नहीं थी, बल्कि शुभमन गिल के आउट होने के बाद अपनाई गई रणनीति की थी। भारत के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है लेकिन टीम ने उसका इस्तेमाल अच्छे से नहीं किया। उन्होंने कहा, ' शुभमन गिल आउट हुए तो अक्षर पटेल बल्लेबाजी करने आए। उस समय उन्हें एक ऐसे बल्लेबाज की भूमिका निभानी थी, जो जोखिम उठाकर बल्लेबाजी करें और तेजी से रन बनाकर अभिषेक शर्मा पर से दबाव कम कर सके।'

16 दिसंबर को आईपीएल नीलामी में खिलाड़ियों के लगेगी बोली

आईपीएल में 2008 से 2025 तक सबसे महंगे खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए जल्द ही ऑक्शन होने वाला है। 16 दिसंबर को आईपीएल की नीलामी के तहत खिलाड़ियों के नाम पर बोली लगेगी, जिसमें कुछ खिलाड़ियों को उनकी उम्मीद के हिसाब से रकम नहीं मिलेगी, जबकि कुछ प्लेयर्स को तिजोरी खोलकर पैसा मिलता नजर आएगा।

इन सभी में एक खिलाड़ी ऐसा भी होगा, जिस पर सबसे महंगी बोली लगेगी और वह आईपीएल 2026 ऑक्शन का सबसे महंगा प्लेयर बनेगा। ऐसे में जानते हैं कि साल 2008 से लेकर 2025 तक कौन-कौन से खिलाड़ी आईपीएल की नीलामी में सबसे महंगे प्लेयर बन चुके हैं। 359 खिलाड़ियों को किया गया शॉर्टलिस्ट आईपीएल ऑक्शन 2026 के लिए कुल 359 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है. 16 दिसंबर को अबू धाबी में आईपीएल 2026 का ऑक्शन होगा, जिसमें डेवोन कॉनवे, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, लियाम लिविंगस्टोन, वेंकटेश अय्यर, कैमरन ग्रीन, सरफराज खान, डेविड मिलर और पृथ्वी शॉ जैसे खिलाड़ियों पर खास नजर होगी। 359 खिलाड़ियों के लिए कुल 77 स्लॉट खाली हैं, जिनमें 31 स्लॉट विदेशी खिलाड़ियों के लिए रिजर्व रखे गए हैं।

पिछले सीजन सबसे महंगें खिलाड़ी पंत

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में ऋषभ पंत को झोली भरकर पैसे मिले थे। लखनऊ सुपर जायंट्स ने पंत पर जमकर पैसा बरसाया और उन्हें 27 करोड़ रुपए की मोटी रकम देकर न सिर्फ टीम में शामिल किया, बल्कि कप्तान भी बनाया। इस रकम के साथ ही पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी बने थे।

सबसे महंगे खिलाड़ी

साल	खिलाड़ी	टीम	कीमत
2008	एम एस धोनी	सीएसके	6 करोड़
2009	केविन पीटरसन	आरसीबी	7.55 करोड
	एंड्रयू फ्लिंटॉफ	सीएसके	7.55 करोड़
2010	शेन बॉन्ड	केकेआर	4.8 करोड़
	किरोन पोलार्ड	एमआई	4.8 करोड़
2011	गौतम गंभीर	केकेआर	11.04 करोड़
2012	रवींद्र जडेजा	सीएसके	12.8 करोड़
2013	ग्लेन मैक्सवेल	एमआई	6.3 करोड़
2014	युवराज सिंह	आरसीबी	14 करोड़
2015	युवराज सिंह	डीसी	16 करोड़
2016	शेन वॉटसन	आरसीबी	9.5 करोड़
2017	बेन स्टोक्स	आरपीएसजी	14.5 करोड़
2018	बेन स्टोक्स	आरआर	12.5 करोड़
2019	जयदेव उनादकट	आरआर	8.4 करोड़
	वरुण चक्रवर्ती	केकेआर	8.4 करोड़
2020	पैट कमिंस	केकेआर	15.5 करोड़
2021	क्रिस मॉरिस	आरआर	16.25 करोड़
2022	ईशान किशन	एमआई	15.25 करोड़
2023	सैम कुरेन	पीबीकेएस	18.5 करोड़
2024	मिशेल स्टार्क	केकेआर	24.75 करोड़
2025	ऋषभ पंत	एलएसजी	27 करोड़

राष्ट्रीय लोक अदालत

समझाइश से परिवार टूटने से बचे, दुर्घटना में मृतकों के स्वजनों को मिला मुआवजा

हरिभूमि जबलपुर।

जिला अदालत जबलपुर और तहसील अदालत सिहोरा व पाटन के अलावा कुटुम्ब न्यायालय आदि में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान परस्पर समझौतों से कई विवाद निराकृत हो गए। समझाइश से विवाद की वजह से टूटने की कगार पर पहुंच गए दाम्पत्य संबंध व परिवार टूटने से बचे। साथ ही दुर्घटना में मृतकों के स्वजनों को मुआवजा मिला और घायलों को इलाज के

सोनाली ने प्रवीण के विरुद्ध वापस लिया घरेलू हिंसा का केस

अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय डीके सिंह की पीठ के समक्ष सोनाली विरुद्ध प्रवीण का भरण-पोषण का मामला लगा था। पक्षकारों के उपस्थित होने के उपरांत न्यायिक अधिकारी व पैनल अधिवक्ता द्वारा दोनों पक्षकारों व उनके स्वजनों के मध्य सुलह के कई प्रयास किए गए। अंततः लगभग विगत छह वर्षों तक प्रकरण चलाने के बाद, दोनों पक्षकारों द्वारा समझौता करते हुए विवाद समाप्त कराने के लिए सहमत हुए। यही नहीं पक्षकार सोनाली द्वारा अपनी पति प्रवीण के विरूद्ध घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत भी प्रकरण वर्ष 2019 में ही दायर किया था, उसे भी समझौता होने के परिणामस्वरूप आवेदिका पक्षकार द्वारा वापस ले लिया गया हैं। इस प्रकार राष्ट्रीय अदालत के दौरान एक परिवार विघटित होने से बचकर, समस्त वैमनस्यता समाप्त कर संयुक्त रूप से सौहार्दपूर्ण वातावरण में रहने के लिए तैयार हुआ।

एक पीठ से निराकृत हुए 46 प्रकरण

न्यायाधीश डीपी सूत्रकार की अध्यक्षता वाली पीठ से 46 प्रकरणों का समझाइश से निराकरण कर दिया गया। इस प्रक्रिया में अधिवक्ता भगत का सहयोग रहा। गुरु गोविन्द सिंह एजुकेशन सोसायटी ने अपने कर्मचारियों को अधिक ग्रेच्युटी देने के चार मामले वापस लिए। खंडपीठ में पदस्थ स्वेता चौहान आरक्षक व अन्य न्यायालय कर्मचारी भार्गव, पाण्ड्या, प्रियंका दुबे, राहिना खान, नरेश, राखी तिवारी, अरविन्द पाठक सभी के संयुक्त प्रयास से पत्नि ने पति से छोटे भाई ने बड़े भाई से, पड़ोसी ने मोहल्ले के दुकानदार से, पुत्र ने पिता से, बिल्डर ने विक्रेता से समझौता किया और केस वापस लिए। इनमें से 25 केस पांच वर्ष पुराने थे।

जबलपुर, सिहोरा, पाटन में निपटे 8222 प्रकरण, 59 करोड़ 95 लाख 11 हजार 719 रुपये मुआवजा बंटा

जिला न्यायालय जबलपुर, सिहोरा व पाटन तहसील न्यायालयों सहित कुटुम्ब व श्रम न्यायालयों में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 8222 प्रकरणों का त्वरित व सौहार्दपूर्ण निराकरण किया गया। इस प्रक्रिया में 59 करोड़ 95 लाख 11 हजार 719 रुपये का मुआवजा बंटा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्र के मार्गदर्शन में किया गया। प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए कुल 78 खण्डपीठों का गठन किया गया, जिनके माध्यम से 2369 लंबित तथा 5853 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण आपसी समझौते से किया गया। मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावों में 43 करोड़, 90 लाख 55 हजार 948 रुपये से अधिक की अवार्ड राशि पारित की गई। वहीं चेक बाउंस मामलों में तीन करोड़ 24 लाख 14 हजार 409 रुपये की समझौता राशि निर्धारित हुई। इसके अतिरिक्त बैंक रिकवरी से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में दो करोड़ 99 लाख 74 हजार 550 रुपये की समझौता राशि प्राप्त हुई।

नेशनल लोक अदालत में निपटे डेढ़ लाख से अधिक प्रकरण

जबलपुर। न्याय तक सहज और सौहार्दपूर्ण पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत का शनिवार को प्रदेश भर में आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत में प्रदेश भर में कुल 1,10,248 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों एवं 47,035 लंबित प्रकरणों का समझौते के जरिए सौहार्दपूर्ण वातावरण में निपटारा किया गया। इन मामलों में समझौते के माध्यम से करोड़ों रुपए के दावों का समाधान हुआ। आयोजन मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक व चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा के नेतृत्व तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष प्रशासनिक न्यायाधीश विवेक रूसिया के मार्गदर्शन में हुआ। प्रदेश में कुल 1435 पीठों का गठन किया गया। जिनमें 06 पीठें उच्च न्यायालय में. जबलपुर मुख्य पीठ एवं इंदौर तथा ग्वालियर खंडपीठों में गठित की गईं। 1429 पीठें जिला एवं तहसील न्यायालयों में कार्यरत रहीं। लोक अदालत में रिट याचिकाएं, सिविल रिवीजन, द्वितीय अपीलें, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, वैवाहिक विवाद, अपराध शमनीय प्रकरण, धारा 138 एनआई एक्ट के अंतर्गत चेक बाउंस प्रकरण, श्रमिक विवाद, बैंक ऋण वसूली प्रकरण एवं विद्युत, जल बिल संबंधित विवाद शामिल थे।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर में न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल, अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति एवं न्यायमूर्ति अजय कुमार निरंकारी द्वारा लोक अदालत का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष राधेलाल गुप्ता, विभिन्न बार एसोसिएशनों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह, रजिस्ट्री के अधिकारीगण, मध्य प्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक उमेश पांडव, सदस्य सचिव, मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सुमन श्रीवास्तव मौजूद रहे।

अवैध उत्खनन कर मुरुम ले जा रहा हाईवा जब्त

जबलपुर। बरगी पुलिस ने पेट्रोलिंग के दौरान सालीवाड़ा फाटक के पास एन एच रोड पर अवैध रुप से मुरुम लोड कर ले जा रहे एक हाईवा चालक को गिरफ्तार कर उसके पास से मुरुम से भरा हाईवा जब्त किया है। बरगी थाना प्रभारी प्रशिक्षु डीएसपी हेमंत कुमार ने बताया कि शनिवार को पेट्रोलिंग सालीवाड़ा फाटक के पास एन एच रोड पर हाईवा ट्रक क्रमांक एमपी 22 एच 1476 में मुरुम लोड कर ले जा रहे ग्राम खमरिया निगरी निवासी 29 वर्षीय संदीप यादव को गिरफ्तार कर लिया है। हाईवा चालक के पास मुरूम की रायल्टी एवं वाहन के दस्तावेज नहीं थे। पूछताछ में उसने बताया कि खमरिया निवासी हाईवा मालिक अभिषेक यादव के कहने पर मानेगांव से हाईवा में मुरूम भरकर बरगी बेचने के लिए ले जा रहा था। पुलिस ने आरोपी हाईवा चालक के कब्जे से हाईवा और मुरुम जब्त करते हुये आरोपियों के विरूद्ध धारा 303(2), 317(5), 3(5) बीएनएस तथा 4/21 खान खनिज अधिनियम, धारा 53 गौण खनिज अधिनियम एवं धारा 77/177, 130(3)/177 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

विकास कार्यों में गुणवत्ता पर दिया जोर, गोराबाजार थाने का किया भूमिपूजन

दो वर्षों की उपलब्धियों की उप मुख्यमंत्री ने की सराहना

हरिभूमि, जबलपुर।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शनिवार को जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने की। बैठक में जिले के सभी जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जबलपुर जिले में बीते दो वर्षों के दौरान हुए विकास कार्यों और उपलब्धियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि सड़क, पुल, फ्लाईओवर सहित अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, औद्योगिक विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जबलपुर ने प्रदेश में नई पहचान बनाई है। महिलाओं, किसानों, मजदूरों और युवाओं को केंद्र में रखकर संचालित योजनाओं के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जबलपुर को विकास की प्राथमिकता सूची में शामिल किया गया है। नई सरकार के गठन के बाद पहली कैबिनेट बैठक जबलपुर में आयोजित होना तथा वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर भव्य स्मारक निर्माण का निर्णय इसका प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सरकार विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक और जनजातीय विरासत के संरक्षण के लिए भी निरंतर प्रयासरत है।

बैठक में इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में दमोह नाका–मदनमहल एलिवेटेड कॉरिडोर, प्रस्तावित रेल ओवर ब्रिज, रिंग रोड से जुड़ने वाले फोरलेन मार्ग, नर्मदा नदी पर बन रहे पुलों तथा सड़कों के चौड़ीकरण कार्यों की जानकारी दी गई। औद्योगिक क्षेत्र में एमएसएमई और वृहद इकाइयों में हुए निवेश से रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना जताई गई। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा, पेयजल, आवास, खेल और न्यायिक अधोसंरचना के क्षेत्र में किए गए कार्यों की भी समीक्षा की गई। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में जबलपुर को देश का पांचवां सबसे स्वच्छ शहर घोषित किए जाने को जिले की बड़ी उपलब्धि बताया गया। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे।

प्रेसवार्ता को किया संबोधित

बैठक के पश्चात उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दो वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश और जिले को मिली उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। साथ ही कानून-व्यवस्था की स्थिति, नक्सल उन्मूलन की दिशा में हुई प्रगति सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी जानकारी साझा की।

शहपुरा थाने में मामला

अलग रहने के बाद भी सास ससुर कर रहे थे प्रताड़ित

जबलपुर। शहपुरा थाना अतंर्गत वार्ड नंबर 14 शहपुरा में एक महिला ने अपने पति, सास और ससुर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। शहपुरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 14 शहपुरा निवासी 22 वर्षीय श्रीमति रागिनी बाथरे की शादी 2023 में पिपरिया निवासी शिवा बाथरे के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही पति एवं ससुर माखन लाल बाथरे, सास कौशल्या बाथरे दहेज के लिए उसे शारीरिक व मानसिक रुप से प्रताड़ित करने लगे, उसकी सास ने उसके जेवर ले लिये। ससुराल वालों द्वारा लगातार प्रताड़ति करने के कारण वह अपना बच्चा लेकर मायके आ गयी थी। फिर उसके माता पिता ने उसे समझाकर ससुराल भेज दिया था उसके पति के साथ वह अलग रहने लगी थी लेकिन सास एवं ससुर लगातार अलग रहने के बाद भी उसके पति से कहते थे के इसे घर से भगा दो तुम्हारी दूसरी शादी करा देगें जहां अच्छा दहेज मिलेगा। रक्षाबंधन पर उसका भाई उसे मायके लेकर गया तो पति, सास एवं ससुर उसे फोन लगाकर झगड़ा करते हुये मानसिक रूप से प्रताड़ति करते रहे, उसके माता पिता ने कई बार ससुराल वालों को समझाया लेकिन ससुराल वाले मायके से लड़की एवं लडकी के बच्चे को रखने का खर्चा भिजवाने का कहने लगे, और उसे लेने नहीं आये वह लगभग एक वर्ष से मायके में रह रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 498 ए, 34 बीएनएस तथा 3, 4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पटेल बारात घर की 2 हजार स्क्वायर फीट जमीन अधिग्रहित

टैक्स बकाया पर नगर निगम की सख्ती

हरिभूमि जबलपुर।

नगर निगम जबलपुर ने टैक्स बकायादारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए रांझी के तुलसी नगर स्थित पटेल मैरिज गार्डन (बारात घर) पर बड़ी कार्रवाई की है। लंबे समय से नगर निगम टैक्स जमा नहीं किए जाने के चलते निगम ने बारात घर की करीब 2 हजार स्क्वायर फीट जमीन को अधिग्रहित कर लिया है। निगम प्रशासन ने संचालक को अंतिम रूप से एक दिन की मोहलत दी है।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार पटेल बारात घर संचालक पर करीब 6 लाख रुपए का संपत्ति कर बकाया है। निगम रिकॉर्ड में यह बात सामने आई है कि बारात घर के निर्माण के बाद से अब तक टैक्स नियमित रूप से जमा नहीं किया गया। बकाया टैक्स की वसूली के लिए नगर निगम द्वारा समय-समय पर नोटिस भी जारी किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद संचालक ने टैक्स भुगतान में कोई रुचि नहीं दिखाई।

लगातार अनदेखी के बाद नगर निगम की राजस्व टीम मौके पर पहुंची और नियमानुसार बारात घर की जमीन को अधिग्रहित करने की कार्रवाई की। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि तय समय सीमा के भीतर बकाया टैक्स जमा नहीं किया जाता है, तो अधिग्रहित जमीन को नीलाम कर टैक्स की वसूली की जाएगी। नगर निगम का कहना है कि शहर में कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान टैक्स बकाया रखे हुए हैं और उनके खिलाफ चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की जा रही है। निगम ने यह भी संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में अन्य बकायादारों पर भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई की जा सकती है। इस कार्रवाई के बाद शहर के अन्य बारात घर और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी हड़कंप की स्थिति है।

गली में पड़ी मिली लाश

शादी में खाना बनाने निकली महिला की संदिग्ध मौत

जबलपुर। हनुमानताल थाना अतंर्गत सिद्धनगर रोड विन्ध्यवासिनी मंदिर के पास एक महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। बताया गया है कि महिला का दो तीन दिन पहले अपने पति से झगड़ा हो गया था और वह मायके में रह रहा था। 11 दिसंबर की रात 10 बजे शिवा चौधरी शादी के ऑर्डर में काम करने के लिए मृतिका को ले गया था। उसके बाद से वह दो दिन घर नहीं लौटी। कल रात उसकी लाश पड़ी मिली। फिलहाल संदिग्ध मौत का मामला मानकर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। मर्ग कायम कर मामलें की विवेचना की जा रही है।

घटना के संबंध में हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार चंडालभाटा गोहलपुर निवासी 28 वर्षीय श्रीमति रेखा अहिरवार की शादी पनागर निवासी कमलेश अहिरवार के साथ हुई थी, उसके बच्चें भी हैं। दो तीन दिन पहले उसका अपने पति से विवाद हुआ था। रेखा को छोड़कर रेखा का पति अपने घर चला गया था। 11 दिसंबर की रात शिवा चौधरी उसे शादी के आर्डर पर काम के लिए ले गया था। जब वह घर नहीं पहुंची तो उसकी मां 65 वर्षीय श्रीमति रूकमणी बाई चौधरी ने शिवा चौधरी से रेखा के बारे में पूछा, शिवा ने उसे बताया कि रात में उसे सिंधीकेंप में छोड़ दिया था। इस बीच रेखा के जेठ बंटी ने सूचना दी कि रेखा की मौत हो गई। सूचना मिलने पर रेखा की मां अपनी बहुओं के साथ मौके पर पहुंची जहां इंदर अहिरवार के घर के सामने रेखा गली में मृत अवस्था में पड़ी थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने पंचनामा कर कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

अभियान : राजस्व वसूलने निगम की सख्त कार्रवाई

एक ही संस्थान की दुकान में निगम ने जड़ा ताला

जबलपुर। नगर निगम ने बडे कर दाताओं से वसूली की अपनी मुहिम तेज कर दी है । लगातार नोटिस के बाद भी बडे बकायादारों द्वारा कर चुकाने में टाल मटोली के बाद अंतत निगम अमले ने बडी कार्यवाही आरंभ कर दी है। इसी क्रम में शनिवार की सुबह टैक्स न चुकाने वाले चार बडे प्रतिष्ठानों को सील कर दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार निगम अमले ने यह कार्यवाही करन सेल्स, करन विनायक ट्रेडर्स सहित इसी संस्थान से संबंधित दो अन्य दुकानों में भी की है। नगर निगम के राजस्व अमले के मुताबिक पूर्व में कई बार अल्टीमेटम देने के बाद भी टैक्स जमा करने में रुचि न लेने पर उक्त दुकानों को सील करने की कार्यवाही की गई है । उक्त दुकानों पर बकाया टैक्स के अलावा पेनाल्टी भी रोपित की गई है। गौरतलब है कि नगर निगम द्वारा राजस्व वसूली अभियान के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने कहा कि यह कार्रवाई अभी लगातार जारी रहेगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240